॥ अन्यप्रकारअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ हस्तपादमुखनाभिमंझार गुदावृषणमोंलषानिरधार इन्हठोरनमोंसोजापरे सोअसाध्यनिश्चयमनधरे हृदयअवरपार्श्वोंमोंशूल पकैःगुदाज्वरनाशनमूल इन्हलक्षणकरकह्योअसाध्य केतकअवरउपद्रवव्याध अंधवधरतालोचनश्राव पीनसनजलाकोपरभाव मोंहतृषाअरुछर्दविकार अवरअरुचअंगपीडनिहार मुखदुर्गंधशिरपीडाकास गुणगुणवचनकष्टयुतश्वास अरुगदगदवाणीकोंकहै रसनारसकोऊस्वादनलहै गंधज्ञाननासानहींहोय यहलक्षणलषियतहैंजोय ताकीशीघ्रचिकित्साकरै मततिसकोंयमआयनवरै ॥ दोहा ॥ अर्शनिदानवषान्योजैसेंशास्त्रप्रमान षटप्रकारवरननकियोजानोपुरुषप्रधान ॥ इतिअर्शरोगनिदानसमाप्तम् ॥

॥ अथवातअर्शनिदानम् ॥

॥ चौपै ॥ भोजनकटुककसौलाजोय रूषाअतिशीतलपुनहोय अतितीक्षणअरुमदरापान अतिमैथुनकरणेंतेमान अतिभोजनलंघनतेंमानों शीतलदेशवासतेंजानो शीतलपौषमाघजोकाल इसतेंभीहोइअर्शकुचाल अतिआतपअतिवातसपर्श शोकव्यायामहुतेंलषअर्श वातअर्शकोयहीनिदान समुझलहोहोपुरुषसुजान

॥ अथवातजअर्शलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ वातअर्शजाकोंहोइजवै गुदमहुकेसूकेहोइतवै मलनअवराचिचडीआकार श्यामरंग कछुलालनिहार करडेषहुरेकैसेहोय गोजिव्हाइवजानोसोय अवरककोडेफलवतजांन होंहिपरसपरभिन्नलषान वक्रसुहोंहिफुटतमुखलहियें विंबाफलषजूरवतकहियें वेरकपासफलनआकर होवैसोऊकियोनिरधार कोईइकआचार्यकहैं कदंवपुष्पकीन्याईलहैं कोइइकसरसोंवीजसमान भाषतहैंयोंलषोसुजान ॥ वातअर्शपूर्वरूपम् ॥ वातअर्शमोंऐसेंजानो शिरकाटिऊरूपीडामानो पार्श्वअवरमुहडेजोदोय चूलेइन्हमोंपीडाहोय श्वासकासहृदरोधलषावै होयअरुचडिकारवहुआवै शब्दहुहूंकाननमोंहोय प्रवाहिकविष्टारवसोंवोय कवहूंवद्धविष्टाहोइजान देहत्वचारंगश्यामलषान नखविष्टाअरुमूत्रजुतीन श्यामरंगहोइलषोप्रवीन नेत्रवक्रहोइजावेंतास गुल्मजुष्लिफउपद्रवभास वातअर्शकोकह्योनिदान पित्तजआगेकरोंवषोन

॥ अथवातजचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ वातजमोंसनेहकोपान रेचनवमनधूपपरिमान अरुछेदनलवणादिकक्षार सोऊक्षारसुनकरोउचार ॥ अथलवणादिक्षार ॥ चौपै ॥ लवणअर्कपत्रतिलतेल अमलदग्धकरयहसभमेल मद्यसंगवाउष्णजुतोय अथवाअमलसोंपीवैसोय वातजअर्शहोयहैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश

॥ अथपित्तअर्शनिदानं ॥

॥ चौपै ॥ भोजनकटुकअमलतेंजान लवणउष्णआतितीक्षणमान अग्निअवरआतपवहुसेवै वहुव्यायामहुतेंलषलेवै अवरविदाहिअन्नजुपान तातेकुप्तपित्तकरमान उष्णदेशकालतेंजानो क्रोधअवरईर्षातेंमानो अरुमदपानहुतेंभीजान योंभाष्योंहैपित्तनिदान

॥ अथपित्तार्शलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ रक्तपीतरंगमहुकेजास अवरनीलरंगकृष्णप्रकास जलौकामुखशुकजिह्वान्यांई यकृतखंडवततासकोगांई सूक्ष्मकोमलमहुकेजाने रक्तश्रावतिन्हतेंनितमाने दाहपाकज्वरस्वेदअपार मोहतृषामूर्छाजुविचार हरितपीतत्वचनखजिसहोय पित्तजलक्षणजानोसोय

॥ अथरक्तथापित्तअर्शएकसमरूपनिदानं ॥

॥ चौपै ॥ महुकनतेंबहुरुधप्रवाहि चलतोरहैलषोयोंताहि कौलीन्यायहोयआकार अरुवटअंकुरन्यायनिहार अरुफलगुंजामुंगकोन्याई लालरंगतिन्हकोलषपाई आक्तपित्ततत्तपहिचानो अरुगाढीविष्टासीतमानो रुधसदैवचलावतरहै रोगीवर्णमींडकसोलहै होयहीनबलबिनउत्साह इंद्रयशक्तिहीनहोइताह कंठअवरविष्टाहोइकाली अथवाअग्निवर्णहोइलाली अधोवायुताकोनाहिंआवै रक्तअर्शअसरूपलषावै

॥ अथद्वंद्वजलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जोकटऊरूपीडाहोय वातरक्ततेंजानोसोय श्वेतपीतसनिग्धविष्टाऊ गुरुअरुशीतलहोवताऊ अवरसिथलतातनमोंरहै मिलतरक्तकफलक्षणकहै रक्तपित्तकफरूपपछाने यातेंरूपनभिन्नवषाने इतिरक्तपैतिजअर्शरूपनिदानम् पैतिजअर्शाहिंरेचकरावै वालाअरुआद्रकरसल्यावै अथवामधुतंडुलजलपीवै पैतिजअर्शजायसुखथीवै

॥ अथरक्तपित्तअर्शचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथकाथ ॥ चौपै ॥ चंदनअरुकिरायताआन धनियांतिकाजुआंहांठान इन्हकोकाथकरैजुवनाय पीबैरक्तअर्शमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ दालहलदत्वचानिंवउशीर काथकरैपीवैमतधीर रक्तपित्तअर्शमिटजावै वंगसेनयोंभाषसुनावै ॥ अन्यउपाय ॥ तिलनवनीतमिलायजुषाय रक्तअर्शताकोमिटजाय ॥ अन्यच ॥ नागकेसरकोचूरणबनावै माषनषंडरलायजुषावै ताकोंरक्तअर्शनरहावै वंगसेनमतयाहिसुनावै ॥ अन्यच ॥ रसोंतदहीमोंघोलपिलावै नाशअर्शरक्तहोइजावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ अपामार्गचूर्णकरलीजै तंडुलजलसोंपानसुकीजै पानकरैदिनतीनप्रमान रक्तअर्शकीहोइहैहान ॥ अन्यच ॥ कमलफूलकोकेसरलेय मधुनवनीतमिलायकरदेय पद्मकेसरवामिसरीसंग षावैरक्तअर्शहोइभंग अन्यच ॥ चौपै ॥ वलापृष्ठपर्णीयहदोय दुग्धकचेसोंपीवैजोय वामसूरमुंगकरकाथ पीवैइन्हअनुपाननसाथ भोजनवासमतीकोकरै वाकोद्रमतंडुलपथधरै सांउककेचावलवाषावै साथअमलरसनितभुगतावै अथवालवाहरणजुवटेर सहामांसवासाथहिंहेर अर्शरक्ततासमिटजाय औषदपथयहकहोसुनाय अथ लेपः ॥ ज्योतिष्मतीकेवीजापिसावै जलसोंलेपअर्शपरलावै अथवात्रिकुटाभलेंपिसाय नवनीतमिलायलेपसोलाय रक्तअर्शकीहोइहैहान लेपकहैयहग्रंथप्रमान ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ मंजीठमोचरसचंदनआन उत्पललोध्रतिललेंहुसमान चूरणअजादुग्धसोंपीवै रक्तअर्शनाशतवथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपै कोगडत्वचाफलअवरपतीस मधुरसोंतसमलेकरपीस तंडुलजलसोंपीवितास रक्तअर्शकोहोइहैनाश

॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ पाठाविल्वजवायणआन सुंठइंद्रयवरसौंतपछान यहसमचूर्णषावैजोय वातरक्तअर्शकोंषोय ॥ अथघृतप्रकार ॥ अथकुटजादिघृत ॥ चौपै ॥ कोगडफलनीलोत्पललोधर धावैअरुपावोगजकेसर यहसमचूर्णघृतजुमिलाय मंदअग्निसेंतनकपकाय षावैअर्शरक्तहोइनाश शूलउदरकाकरैविनाश ॥ अथशतपुष्पाघृत ॥ चौपै ॥ शतपुष्पाअरभषडेआन बलादालहलदपुनठान पृष्टपर्णिवटजटामंगावै रुंवलपीपलजटामिलावै नागरयहदोदोपलजान चारप्रस्थभरक्वाथप्रमान प्रस्थएकघृततामोपाय कर्षकर्षयहवस्तुरलाय जीवंतीमघमरचोलेह कौडकलिंगचंदनलषएह देवदारुचित्राअरुकेसर फूलशाल्मलीविल्वगिरिमुत्थर मंजीठमोचरसअवरपतीस शालिपर्णीप्रियंगूपाठापीस जलकेकमलअवरथलकमल कडचारीलघुभूआमलीकायफल लूणकरसदोइप्रस्थप्रमान घृतसाधैपुनकरहैपान त्रिदोषअर्शशोथमिटजावै शूलप्रवाहीरक्तजधावै मंदअग्निगुदभ्रंशविनाशै रोगजायतनसुखपरकाशै ॥ अथमहाचांगेरीघृत ॥ चौपै ॥ बटरुंवलपिप्पलपहिचान वैतपलक्षवदरीउरआन इन्हकेकोमलपत्रमंगावै तीनतीनपलतोललषावै सौंफआठपलपुनठहराय दालहलददोयपलपाय दोयपलशालिपर्णीकोंलेय दोयपलकालशाकतहदेय यहसभकंठेकैरसुजान दोयद्रोणजलपायपकान पादशेषतोयरहैजवै आढिकअर्धघृतपावैतवै चांगेरीरसघीउसमान अरुरसआमलघीउसमठान अक्षअक्षभरयहपुनपाय देवदारुमुत्थरसमभाय चित्राविल्वगिरिबचठान मघांकायफलआद्रकमान चंदनपिपलामूलरलावै कौडप्रयंगूपीसमिलावै हरडपतीसकोगडकेवीज फूलशाल्मलीयहलषलीज यहसभपीसमंदाग्निपकावै वलअनुसारनिताप्रतिपावै रक्तअर्शज्वरप्रदरविनाशै वातगुल्मशूलकोंनाशै रक्तपित्तपरवाहीजावै अतिसारक्रमछर्दमिटावै अरुचअरुपांडुहरैपुनकास मधुसोंपीवैअग्निप्रकाश पुत्रजनैजोवंध्यापावै तनमोंवलवीर्यप्रगटावै अर्शसन्निपातकोजाय वंगसेनमतकह्योसुनाय ॥ अथकुटजअविलेह शतपलकोगडत्वचामंगावै द्रोणएकजलपायपकावै अष्टमभागरहैजलजवै वस्त्रनछनायलेयसोतवै पुनयहऔषदपीसरलाय इकइकपलपरमाणधराय मुत्थरलोधरअवरभिलावै त्रिफलात्रिकुटाचित्राधावै अवरमोचरसवायाविडंग कोगडवजिवरचधरसंग पतीसाविल्वकैथफलपाय गुडपलतीसकुडवघृतथाय अरुमधुकुडवप्रमाणामिलावै मेलसभीअविलेहवनावै नितचाटैनिजवलअनुसार रक्तअर्शत्रिदोषजटार अमलपित्तअतिसारनसावत पांडुअरुचग्रहणीकोघावत कासशोथकांमलाविनाशै मधुघृततक्रअनुपानप्रकाशै ॥ अथचित्रकादिभल्लातकअविलेह ॥ चौपई ॥ चित्रात्रिफलामुत्थरमान पिपलामूलचवकपुनठान गजपीपलउत्पलजुगिलोय कुठेरकअपामार्गलषसोय दोयसहस्रभिलावेआन षंडषंडकरकरैमिलान एकद्रोणजलमोंसभपाय मंदअग्निधरताहिपकाय पादशेषजवजललषपरै छाणलोहवासनमोंधरै लोहसारचूर्णरेतावै अर्धतुलाभरताहिमिलावै दोयकुडवघृतपायरलाय पुनात्रिकुटादिकऔषदपाय त्रिकुटाचित्रात्रिफलाआनै सेंधाविडसांभरतंहठानै सौंचलवायविडंगामिलाय पलपलयहसभऔषदपाय दालहलदइककुडवप्रमान शूर्णअष्टपलतामोठान मंदअग्निसोंताहिपकावै शीतलकरमधुकुडवरलावै चाटैनितानिजवलअनुसार अर्शरुजग्रहणीपांडुविडार अरुचगुल्मक्रमपथरीजाय शूलप्रमेहनाशकरवाय जराविनाशैवहुवलहोय सभरुजहरजुरसायणसोय ॥ अथक्षारसूत्र ॥ चौपई ॥ थोहरअर्कदुग्धमंगवावै माल्हकंगुणीत्रिफलापावै दंतीअवरभिलावैआन कोशातकीजुचित्राठान अरुसेंधासभसमघृतलेय सभइकठेकरभलेंरलेय तिसकेवीचसूत्रजुभिगोय महुकनऊपरवांधेसोय

अरुतिंहऊपरलेपलगावैं महुकेमूलहुतेंगिरजावै अथक्षाराविधिः॥ चौपई अष्टनक्षत्रमोंनिरगुंडीआन विधिसोंताहिजलावैस्यान कुडवप्रमाणभस्मसोकीजि पुनआढकनिरगुंडीलीजै द्रोणएकजलमोसो-पावै तासकाथविधिसोंकरवावै अष्टमभागरहैजोशेष छाणभस्मजुमिलायविशेष शंखजुचूर्णंकुडव-प्रमान ताहीमोसोकरोमिलान पुनसोमंदअग्निजुपकावै सघनहोययहऔषदपावै सज्जीअवरआनय-वक्षार सुंठमरचमघपीपरडार वचचित्राविडलूणपतीस अष्टअष्टपलमेलोपीस पुनलोहेकेवासनपाय याकोंअग्निसमानलषाय अगस्तारिषियहभाष्योक्षार इसकरअर्शगिरैलषसार॥ अथअभयारिष्ट चौपई अर्धप्रस्थजुभरहरडेलेय प्रस्थआमलेतामोंदेय दशपलकैंथजुताहिमिलाय इंद्रवारुणीपांचपलपाय मरच-मघांवालाजुविडंग एलालोध्रदोदोपलसंग चारद्रोणजलपायपकावै पादरहैगुडद्विशतपलपावै सभमिलायघृतवासनपाय अर्धमासपर्यंतरषाय ताउप्रंतयथाबलषावै अर्शपांडुग्रहणीकोंघावै कुष्टअ-वरसितकुष्टविनाशै ल्पीहगुल्मशोथक्रमनाशै अरुचकामलाज्वरकोंघावै राजयक्ष्मकोरोगमिटावै पल-परिमानानित्ययहषाय सबहीअर्शदूरहोइजाय

॥ अथकफअर्शनिदानं ॥

॥ चौपई ॥ भोजनमधुरसनिग्धतेंकहिये शीतलअमलवणगुरुलहिये अरुवहुवैठणतेंहोइसोय दिनकेसोवणतेंभीहोय शय्याआसनवैठणप्रीत ताकोंभीहोवतसुनमीत कफनिदानयहभाषसुनायो आगैसन्निजअर्शदिखायो

॥ अथकफअर्शपूर्बरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ महुकेगुदमोंहोवतघनै पुष्टवडेजुयूलयुतभनै नीलवर्णपीडामंदसंग पुरकसाहितहोवैं मनभंग पनसअवरकरीरफलन्याई स्पर्शप्रियहोवैतिन्हताई अरुगोअस्तनइवआकार कासश्वासहृ-दरोधविकार गुदानाभिनाभिकेनीचैं पिच्चीलगीरहैतिन्हवीचैं होइप्रसेकमुखगुदामंझार होयअरुच-पीनसमुविचार कृच्छ्रप्रमेहशीतज्वरहोय शिरभारीनिजजानैसोय होयनपुंसकतातिसमानो मंदअग्नि-पुनछर्दपछानो आमविकारहुकेजेरोग होवतहैतिसकोंलहैंलोग मिझअवरकफघृतकीन्याई होवतहै-विष्टातिसताई विष्टामूत्रपीतरंगमानो रंगनखनकेपीतपछानो वक्रनेत्रताकेहोइजावै रूपअर्शकफकोयों-गावैं यहसभलक्षणपैयेंजहां सन्नपातरूपलषतहा

॥ अथकफअर्शचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ कफजअर्शजामोंलषपावै आद्रककाथताहिपीलावै तोलाअदरकवजनमंगाय वतीसतोलेतिहमोंजलपाय अग्निमंदसोताहिपकावै चाररहैतौताहिपिलावै ॥ इति ॥

॥ अथसन्निपातअर्शनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ जोयहसभकेकारणकहे इन्हसमस्ततेंहोवतलहे सन्निपातअर्शयोंजान अर्शपूर्वरूप-योंमान अथअर्शरोगसामान्यपूर्वानिरूपणं॥ चौपई॥ अन्नपचैनहिनिर्वलिहोय कुक्षनमोंगुडगुडरवजोय कृशतावहुडिकारतिसआवत जांघोंमोंपीडालषपावत विष्टाअल्पहोतहैजास ग्रहणीपांडुशंकारहैतास

॥ अथअर्शभेदचर्मकीलानिदानं ॥

॥ दोहा ॥ श्लेक्ष्मनामाकफकह्यो मिलेव्यानजोवात दोनोमिलविधऐसीकरै गुदमोंकीलउपजात ॥ अथलक्षणं ॥ चौपई ॥ वातजरूक्षसपीडाजानो पित्तजरक्तकृष्णरंगमानो स्निग्धग्रंथियुतकफजसुकहिये देहसवर्णवरणतिसलहिये

॥ अथसहजअर्शलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ अर्शात्रिदोषजलक्षणजेऊ सहजअर्शमोजानोतेऊ

॥ अथसर्वअर्शरोगसामान्यचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ कृष्णसर्पउष्ठरवाराह जंवुकअरुविडाललषताह इन्हकीमिंझएकठीकरै ऊपरअर्शधूपयहधरै अर्शरोगशांतिहोंइतास अवरधूपसुनकरोप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सर्पकंजुअरुनरकेकेश विडालचर्मभाषैंचिकतेश जंडिपत्रअर्ककोमूल यहसभवस्तूंकरसमतूल धूम्रअर्शकोंदेवैतास सुखउपजैरुजकोहोइनाश ॥ अथलेपनं ॥ चौपई ॥ कोशातकीहलदसुनलीजै लवणदुग्धथोहरसंगकीजै पीसमूत्रगौसंगमिलाय अर्शऊपरहीलेपलगाय अर्शरोगनाशहोइजावै अवरलेपसुनभाषसुनावै अन्यच ॥ चौपई ॥ मघापिपलींसज्जीलपलीजै हलदरशंखचूर्णसमकीजै करंजुपत्रअरुताकेवीज कोशातकीवीजसमकीज वीजधतूरविष्टारिछपाय थोहरअर्कदूधसुमिलाय गुंजाफलअरवासावीज नीलातुत्थपीसपुनलीज सुरभीरससभपीसरलावै घर्षणकरतहांलेपलगावै अर्शरोगयहकरैविनाश दुखनाशसुखहोइपरकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गोवरकाइकपिंडवनावै अथवासत्तुंपिंडकरावै अथवासौंफापिंडकरलेय करैउष्णगुदपुरवांधेय यांतैंअर्शगलतहोइंजाय मुहुकेगिरैंकह्योसमुझाय ॥ अथजिसकीगुदामोंशोथशूलहोवै ॥ अरुमंदाग्निहोवैतिसकोचूरण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटापिपलामूलविडंग पाठाचित्रासौंचलाहिंग जीराविल्वजवायणजान सेंधाअरुविडलवणपछान हौवेरअरपुष्करमूल वस्तुसभलेसमकरतूल वरचातिंतडीयहसभलेय नीकोचूर्णपीसकरेय मादराअथवाउष्णजुतोय इन्हसंगपीवैचूरणसोय अर्शरोगनाशहोयजाय वंगसेनग्रंथयोगाय ॥ अथअर्शपातनचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरतमूसलीशूरणाचित्रा कोगडकृष्णाकिरायतामित्रा देवदालिसेंधाकरंजुपाय यहसमपीसुतक्रसोंपाय तक्रसाथहीपथ्यपुलावै पक्कमाषज्योंअर्शगिरावै ॥ अथतक्रफलम् ॥ चौपई ॥ जाकोंअर्शरोगजुलहीजै ताकोतक्राहिपानकरीजै तक्रताहिवलवरणकरावै अग्नीवृद्धत्रिदोषमिटावै अन्यअर्शपातनचूर्ण चौपई कंरजुसुंठसेंधाअरुशूरण चित्राइंद्रयवकरसमचूरण तक्रसंगचूरणकरपान अर्शगिरैंनिश्चयमनआन ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गुडमघपीपलहरडमिलाय घृतभूनत्रिवीअरुदंतीपाय षावैअर्शपतनहोइजाहि निश्चययहधारोमनमांहि ॥ अन्यच॥ चौपई ॥ अपामार्गकोमूलपिसावै तंडुलजलसोंताहिपिवावै अर्शगिरैंअरुकुष्ठविनाशै दुखमिटैतनसुखपरकाशै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ तिलअरुहरडभिलावेआनै तीनोसमलेचूरणठानै गुडसोंयहचूर्णजोषावै अर्शश्वासकासलिफजावै ज्वरअरुपांडुरोगहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथचूर्णपुटपाक ॥ चौपई ॥ शूरणकीगंठी

वाडिलेय तापरमृतकालेपकरेय आग्निपकावैलवणमिलाय कटुकतैलमोंताहितलाय षावैअर्शीतास-मिटजावे नाशदुखतनसुखप्रगटावे ॥ अन्यच ॥ ॥ तिलजुश्यामशीतलजलसंग पावै-अर्शरोगहोइभंग दृढतादांतपुष्टतनहोय कृष्णातिलनकोगुणयहजोय ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ कंडयरोकेफलमंगवावै घृतसोंभूनात्रिकुटागुडपावे तक्रसाथजोयाकोंषाय सत्तरात्रिमोंअर्शमिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडमिलावैगुडकेसंग पित्तकफअर्शसकंडूभंग ॥ अन्यच ॥ ॥ तक्रविधिः ॥ चित्रामूलजलसोंपीसाय पात्रभीतरहिंलेपलगाय तावासनमोंदहीजमावै तासद-हीकीछाछकरावे पीवैरोगीतक्रजुसोय ताकोअर्शरोगक्षयहोय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंपाठाकोंपीसावै जुआंहाअथवाविल्वमिलावै अथवासंगजवायणपाय अथवासुंठमेलकर. षाय अर्शरोगताकोहोइनाश मनमोंदृढतारोगविनास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ हरडअवरगु. डसमजुमंगावै गूत्रमध्यसोपायपकावै प्रातकालताहिकोंपाय अर्शरोगनाशहोइजाय ॥ अन्यउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ कुशामूलसमवलाजुलेय चूरणपीसइकत्रकरेय तंडुलजलसोपीवैजोय अर्शविकार-ताकोहतहोय ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ कठनअर्शमहुकेजोजानै तिन्हकोरुधिरनिकासनमानै जोकोंसोंवाशस्त्राहिंसंग रुधिरनिकासैहोइरुजभंग यातेंआगेघृतपरकार सोंसुनलीजैकरोंउचार ॥ अथघृतप्रकारः ॥ अथउोदकषट्पलघृत ॥ चौपई ॥ सुंठपिप्पलामूलमंगावै चवकमघांयव-क्षयारामिलावै अवरजुलेचित्रेकामूल पलपलएकसभीसमतूल एकप्रस्थघृततामोंदेवै तीनिभागजलतामोलेवै एकभागातिंहदुग्धरलावै इसघृतमोंमंदाग्निपकावै वलअनुसारयथाविधिषाय अर्शरोगनिश्चैहटजाय कास. पलीहापांडुविडारै विष्मतापात्रिषअरुचनिवारै वलअरुअग्निवधावैतास एतेगुणघृतकीनप्रकाश अथपला सक्षारघृत ॥ चौपई ॥ पलासभस्मजलप्रथमकढावै घृततेंत्रिगुणसोऊजलपावै त्रिकुटापुनातिंहपा-यपकाय पीवैअर्शगिरेंदुखजाय ॥ अथचवकादिघृत ॥ चौपई ॥ चवकजुत्रिकुटापाठापाय धनियाअरुयवक्षयारमिलाय जवायणपिपलामूलाविडंग विडअरुसैंधाचित्रासंग विल्वहरडयहपलपल, पाय षायप्रस्थघृतअग्निवराय चारगुणादधिपायपकावै सोघृतपीवैअर्शमिटावै मूत्रकृछ्रगुदभ्रंशन, सावै प्रवाहिकशूलगुदवंक्षणजावै ॥ अथन्हीवेरादिघृत ॥ चौपई ॥ न्हीवेरउत्पलपुनआन लोध्रमं-जीठचवकपुनठान चित्रापाठाविल्वपतीस धावैदेवदारुसंगपीस मांसिसुंठमुथ्रयवक्ष्यार दालहलदत जसंगाहिंडार पलपलइन्हहूंकोपरिमान घृततेंचुगुणलूणकरसजान मंदअग्निकरघीउपकावै वलअनुसा. रानित्यघृतषावै अर्शपांडुग्रहणीअतिसार मूत्रकृछ्रज्वरअरुचविडार नाभितलेकोजायअफार गुदाशू लप्रमेहकोटार यहत्रिदोषहरघृतपाहिचान वंगसेनमतकीनवषान अथअग्निघृत चौपई शतपंचाशतजु भिलावेआने एकद्रोणजलभीतरठाने अग्निचढायपकावैतास अष्टमभागशेषरहैजास तामोएकप्र-स्थघृतपावै पुनइहऔषदचूर्णामिलावै त्रिकुटागजपीपलहवुषाचित्रा पिपलामूलाहिंगुलपमित्रा पंचल. वणअजमोदाठान दोनोक्ष्यारचवकमनआन अर्धअर्धपलयहसभलेय सकलमिलावैतामोएह मंदअग्निकर-तासपकाय वलअनुसारनिताप्रतिषाय अर्शप्रमेहप्रवाहीजाय मूत्रकृछ्रगुदभ्रंशामिटाय नाभितलैकोजायअ. फारा गुदशूलविनाशैसुनयहप्यारा यहत्रिदोषहरघृतपाहिचान दुखहरैअत्तिसुखप्रगटान अथमहाअग्निघृत चौ पै अर्धसहस्राभिलावेआनो द्रोणतोयमोंतिन्हकोंठानो क्वाथअग्निपरधरवनवावै अष्टमभागरहैसुछनावैप्रस्थप्र

माणवीउतंहडारे पुनचूरणयहपायसुधारे त्रिकुटापिपलामूलजुहिंग गजपीपलाचित्राधरसंग पंचलवणअरु दोनोक्ष्यार दोनोंचवकअजमोदाडार इन्हकोअर्धअर्धपलआन चूर्णपीसघृतकरोमिलान घृतसमदधित्रअरुकांजीपावे आद्रकरसघृतधुल्यरलावे तासमरससुहांजणापाय घृतरलायपुनअग्निउटाय मंदआग्निकरताहिपकावे वलअनुसारनित्यउठपावे मंदाग्निअर्शकफवातविकार गुल्मप्लीहशोथरुजटार पांडुश्वासकासनरहावे संग्रहणीदुखमूलनसावे ज्योंसूरजसोंतमसभनाशै त्योयहघृतअर्शादिविनाशै इतिघृतप्रकारः

॥ अथतैलप्रकारनिरूपणम् ॥

॥ अथपिप्पलादितैल ॥ चौपै ॥ मघपीपलजुमुलठीआन शतावरिवरचाविल्वपुनठान कुठअरुचित्रापुष्करमूर देवदारुपुनलपोकचूर यहसममेलजुचूरणकरो तैलदुगुणमोंमेलसुधरो इन्हतेंदुगुणादुग्धमिलाय अग्निमंदपरताहिपकाय याहितैलअनुवासनकरै अरुगुदतलेंधूपसोधरै गुदनिस्सरणगुदशूलमिटाय मूत्रकृच्छ्रप्रवाहीजाय कटीऊरूपृष्ठकीपीर प्रमेहअफारविकारसमीर वक्षापीडगुदशोथमिटाय कवजरोगएतेनरहाय ॥ अथकासीसादितैल ॥ चौपै ॥ कासीसअवरदंतीकुठपाय सैंधाएलासंगमिलाय करवीरपषाणभेदजुविडंग अर्कदुग्धतिलतैलजुसंग अग्निपकायतैलसुमलाय महुकैअर्शगिरेंसुखपाय ॥ अथवृद्धकासीसादितैल ॥ चौपै ॥ कासीसअवरसैंधामघपावे सुंठकुठलांगुलीमिलावे पाषाणभेदकरवीरपछान हरतालविडंगचित्रापुनठान मालकंगुणीतामोपाय वस्तूसभसमपीसमिलाय दंतीथोहरदुग्धमिलावे अर्कदुग्धतैलसमपावे इन्हतेंचगुणमूत्रगौलेय तैलपकावैअर्शमलेय अर्शगिरेतनमोंसुखहोय निश्चयजानोमनमोंसोय ॥ अथदंत्यादितैल ॥ चौपै ॥ दंतीअरुकासीसमिलाय कनेरविडंगएलापुनपाय चित्रासैंधालवणपछान अर्कदुग्धमोंकरोमिलान तैलइन्हनमोंपायपकावे मर्दनकरैअर्शमिटजावे दंतीआदितैलयहकह्यो अवरसुनोजोइहविधलह्यो अथफलवरतीतैल चौपै कटुतुंवीकोतैलकढावे अरुसुहांजणातैलमिलावे सिंगाडिरसलेताहिमिलाय निरगुंडीरसतामोंपाय गोवररसपुनकीजैसंग इंद्रयवहिंरसपायनिसंग यहसभचारचारपललेवै कर्षएकसैंधासंगदेवै दोइमासेंदंतीकोमूल दोइमासेंसज्जी समतूल सभीपीसातिलतैलमिलावे मर्दनऊपरअर्शकरावे अथवातैलभीगोयजुवाती गुदाचढायअर्शरुजघाती ॥ इतितैलप्रकारः

॥ अथमोदकप्रकारःअथमरचादिचूर्णमोदक ॥

॥ चौपै ॥ मरचसुंठचित्रापुनआनो शूरणदुगुणदुगुणसभठानो सुंठमरचतेंदुगुणीपावे दुगुणसुंठतेंचित्राल्यावे चित्रातेंशूरणदुगुणाय सभसमगुडमोदकवंधवाय वलअनुसारताहिकोंपावे अग्निवधैपुनअर्शमिटावे शूलगुल्मलिफहोइहैनाश उदररोगसभकरैविनाश ॥ अथशूरणपिंडीमोदक ॥ चौपै ॥ प्रथमहिंशूर्णसुकायपिसावे सोलांभागतासठहरावे अष्टभागाचित्रापीसाय अष्टभागपुनसुंठमिलाय एकभागमरचांपुनठान समगुडवांधेपिंडसुजान वलअनुसारनित्यउठपावे अर्शरोगकोंनाशकरावे अथमहाशूर्णमोदक ॥ चौपै ॥ सोलांभागलेयजोशूरण अष्टभागचित्रेकोचूरण चारभागसुंठपीसाय दोयभागमरचांतहांपाय ॥ सुंठसमानयहऔषदठान त्रिफलकणाविडंगप्रमान-

तालीसपत्रअरुपिपलामूल यहलीजोसुठीसमतूल तालमूलीाचित्रेसमपाय वृंद्धदारुसमशूर्णलषाय
मरचांसमभृंगअरुएला यहक्रमचूरनकरइकमेला इन्हतेदुगुणागुडसुमिलाय वहुधानिपुरप-
निताप्रतिपाय इसहीमोदककेअनुसार अगस्तपचायकीनसभछार इसहीकरजुभीमहनुमंत
भोजनपाहिपचाहिंअनंत अर्शशोथग्रहणीकफनाशै वातरोगकोमूलविनाशै जरानिवारिवुद्धिवढावै
वलअरुपुष्टधातुकरवावै हिक्काश्वासकासहोइनाश राजयक्ष्मप्रमेहविनाश उदरविकारक्षीहादहै परस-
रसायणपुरुषनअहै ॥ अथअगस्तमोदक ॥ चौपई ॥ हरडतीनपलत्रिकुटातीन तालीसपत्रपलडेढप्र-
वीन गुडपलअष्टसुकैरमिलान मोदककैरेस्ववलअनुमान नितउठप्रातहिंभक्षणकैरे अर्शश्वासकास-
कोंहरे ग्रहणीनासैअग्निवधावै अगस्तउक्तयोंभाषसुनावै ॥ अथप्राणदामोदक ॥ चौपई ॥ आद्रकली-
जैपलजोतीन मरचचारपललेहुप्रवीन दोइपलमघपीपलतंहपाय इकपलचवकजुतासरलाय इकप-
लपत्रतालीसमिलावै केसरअर्धपलताहिरलावै दोइपलपिपलामूलरलाय लघुलाइचीइककर्ष-
समाय कर्षजुतज्जकर्षमृदाल एककर्षअजमोदाघाल चित्राइकपलताहिरलीजै महीनपीसकरचूरण-
कीजै कर्षएकभरजीराजान गुडपलतीसहिंकरोमिलान मोदकवांधेअक्षप्रमान अथवावांधैपलअनु-
मान षावैपीछेंभोजनकैरे मद्यपानपाछेंअनुसैरे अथवामांसरसपीवैसोय अथवादुग्धपानकरजोय
अर्शमिटावैसर्वप्रकार मूत्रकृछ्रवातजरुजटार गलग्रहपांडुविष्मज्वरजावै क्षमहृदरोगअतिसारमिटावै
गुल्मशूलछर्दकोंनाशै हिक्काकामलारोगविनाशै जिसरोगीकोंकवजरहाय तौसुंठस्थानहरीतकीपाय-
वातपित्तजोअधिकलषावै चतुर्गुणमिसरीगुडनहिपावै अथकंकायणमोदक ॥ चौपई ॥ हरडपांचपल-
इकपलजीरा इकपलमरचलपोनरधीरा इकपलमघदोइपिपलामूर चवकचारपलतासोपूर चित्राअ-
ष्टसोलांपलनागर यवक्षारदोयपलसुनचातुर पानअष्टपलतहांमिलावै शूरणसोलांपलसुमिलावै इ
न्हसभतेंदुणागुडपाय सभामिलायमोदकवंधवाय अक्षप्रमाणमोदककरलेय प्रातहिंभक्षणतासकरेय पाछें
तक्रजुकरहैपान वाजलपीवैपुरुषसुजान मंदअग्निकोंकैरप्रकाश अर्शपांडुग्रहणीहोइनाश कंकायण-
रिषिमहारिषेश निजशिष्योप्रतिकीनउपदेश ॥ इतिमोदकप्रकाश ॥ अथभल्लातकादिगुंड ॥ चौपई ॥
दोयसहस्त्रभिलावेआन द्रोणतोयमोंकरोपकान पादकशेषरह्योजवजाने छाणतुलाइकगुडतंहठानै
गुडपकायशतपांचभिलावै कैरछिन्नतंहमध्यमिलावै ईंहप्रकारगुडासिद्धकराय पुनतामोयहचूरणपाय
कर्षकर्षऊौषदपरिमान त्रिफलात्रिकुटाअरुअजवान मुत्थरसैंधात्वकजुरलाय तालीसपत्रएलाजुमिलाय
अरुकेशरसभपीसमिलावै वलअनुसारप्रातउठपावै कुष्टअर्शकामलाप्रमेह ग्रहणीपांडुलिफहरएह
उदररोगश्वासक्षमनाशैं ॥ अवरभगंदररोगविनाशै अथभल्लातकादिअविलेह ॥ चौपई ॥ हाछेपक्कभि-
लावेआन आढिकएकलषोपरिमान तिनकेदोइदोइखंडकरावै चतुर्गुणजलमोंपायपकावै पादशेषरहै-
तवस्त्रछनाय चतुर्गुणदुग्धपुनपायपकाय एकअंसघृततामोडार षोंअ।करेविधिसोंसुविचार षोंआक-
रमिसरीजुमिलावै सप्तादिवसकरयतनधरावै पुनषावैनिजवलअनुसार नाशहोंाहिसवउदरविकार नील
वरणहोंइसघनेकेश कुंडलवालेसुंदरवेश नेत्रदृष्टहोइगरुडसमान कांतिचंद्रसमताकीजान वेगअवर-
वलतुल्यतुरंग मोरसमानस्वरहोयअभंग अग्निसमानहोयपरकाश इस्त्रीवल्लभजानोतास सदाअरोग्यता-
सतनथीवै वर्षदोयशतत्रेशतजीवै अन्नपानमार्गमैथुनमांहि तिहसमानकोऊऔषधनांहि सकलरसायण-
केयहराजा नीरोगहोयपूरणसभकाजा ॥ अथपटोलादिअविलेह ॥ चौपई ॥ पटोलमूलत्रिफलाजु-

बिडंग दंतीत्रिवीकौडधरसंग इटसिटअवरबिशालाजान लोध्रनीलनीकरोमिलान अवरशातला-तामोपाय अम्लतासलेताहिरलाय यहसभहीदशदशपललेवै चारद्रोणजलमोंधरदेवै अग्निधरायपकावैसोय पादशेषरहेपकजोय कुडवप्रमाणतैलतंहपाय तुलाप्रमाणगुड-ताहिमिलाय त्रिवीअष्टपलचूर्णकरै तामोमेलअग्निपरधरै शीतलकरत्रिकुटापलपांच पीसरलावैयह-लषसांच अवरत्रिजातकपलजोतीन महीनपीसकरमेलप्रवीन शक्तीअरुकांतिसुवधावत कवजअर्श-कफक्रमयहथावत पांडुकुष्टपरमेहविनाशै आंतरवृद्धजुअरुचकोंनाशै ॥ अथभिलावेविधिः ॥ चौपई ॥ बीजभिलावेकोइकलेय सोलांभागताहिजलदेय करैकाथसीपीपारिमान काथरहैतवकरहैपान अैसें-इकइकनित्यवधावे पचासप्रयंतलगैंलषपावै काथचारपलतकजुवधाय दिनपचासतकयोंठहराय पुनसत्तरहदिनतकयोंजान पांचोपांचभिलावेठान इसहिक्रमपुनतासघटावै एकाभिलावेतकलषपावै अर्शआदिसभरोगविनाशै अहैरसायणसभजगभासै ॥ अथयोगराजगुगुल ॥ चौपई ॥ पिपलिंपिप-लामूलअनावै चित्राचवकसुंठपुनपावै वरचइंद्रयवकौडविडंग सर्षपजीरापाठाहिंग सम्हा-लुवीजभिडंगिपतीस गजपीपलदोयजवायणपीस धंनियांतेजवलताहिमिलाय यहसभसमलेचूर्णवनाय सभतेंद्विगुणात्रिफलाठान गुगुलपावैसवंसमान यहसभपीसमिलावैजोय श्रेष्टपात्रमोंधरियेसोय पुन-तहपायमपीरमिलावै वलअनुसारनिताप्रतिषावै योगराजगुगुलइंहनाम अमृततुल्यपरमअभिराम बीर्यदोषपुरुषनकोहरै इस्त्रीयोनिदोषहतकरै अर्शवातगुल्मयहनाशै सभहीवातजरोगविनाशै नाभि-शूलउदावर्त्तनिवारै अरुचहृदयकेरोगविडारै ग्रहणीक्षईकुष्टपरमेह अपस्मारकोंनाशैएह वातरक्तमं-दाग्निविनाशै श्वासकासजुभंगंदरनाशै अवरहुंसर्वव्याधामिटजावैं दोइशतवर्षजीवैंसुखपावैं वातरो-गपरकाथगिलोय तासोपीवैरोगीसोय काकोलिकाथसोंपेतिकपीवे अमलतासकाथहिंकफीजुलीवै जाकैतनप्रमेहलषपावै काथशतावरिसोंयहषावै जिंहदोइमेदारक्तविकार मधुसोंपीवैसमुझविचार आंत-रवृद्धपांडुजिंहहोय मूत्रकृच्छ्ररोगीलषजोय अजादुग्धसोंपीवैतास कुष्टहिंनिंवकाथपरकाश शोथऊप-रमूलीकेकाथ तासोंपीवैलषयहगाथ अनूपानयहगुगुलकहै वंगसेनमोजैसैंलहै ॥ इतिजोगराजगुगुल ॥ ॥ अथत्रिकुटादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्राहरडविडंग अरुतिलकालेमेलोसंग अवरभिलावेता-मोपावे महीनपीसकरचूर्णवनावे यहसमचूरणगुडजुमिलाय वलअनुसारतासकोंषाय अर्शशोथ-विषकुष्टविनाशै पांडुरोगकवजक्रमनाशै आमवातगुदक्रमपरमेह हृदयशूलकामलाहरेह अस्थिशूल-पार्श्वकोशूल आंतरवृद्धअरुचनिरमूल ॥ अन्यचत्रिकुटादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटापाठाचित्राहिंगु वरचचवकदोइहलदकलिंग गजपीपलअरुदोनोक्ष्यार अजमोदापुनविलकथडार सैंधालवणपिप्प-लामूल पीसलेययहसभसमतूल एरंडतैलरलायसुषावै कर्षउष्णतोयसोंषावै अर्शभगंदरलिफपरमेह-हृदयशूलशोथहरएह अरुचअरुपार्श्वशूलमिटजाय अस्थिपीडकामलामिटाय आमवातगुदक्रमको-नाशै आंत्रवृद्धरुजपांडुविनाशै ॥ अथसमसर्कराचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठकणामरचांतजएला पानप-त्रसभकरइकमेला इकइकतेंदुगुणीयहलीजै तिन्हसमसर्कराचूरणकीजै प्रातहिंउठयहचूर्णषाय अ-र्शगुल्महृदरोगमिटाय मंदअग्निअरुनाशैश्वास वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथलवणादिचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ सैंधायवचित्राजुकलिंग निवकरंजुमेलियेसंग यहसमपीसैंचूर्णवनाय दधीघुलेसोंनितउठखाय सप्तदिवसमोंअर्शमिटावै वंगसेनमतसोइसुनावै ॥ अथकल्याणलवण ॥ चौपई ॥ भिलावेदंतीत्रिफलाचि

त्रा यहसमभागलेहुसुनमित्रा दुगुणासेंधालवणमिलाय सभहींकेरेठीकरपाय गोमयमंदअग्निजुपकावै षायदेषवलअर्शगवावै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साअर्शकीरक्तअर्शसुनलेहु भाषतहौंमत ग्रंथकाचितसोंसमुझोएह ॥ इतित्रिदोषजादिअर्शचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथअर्शरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अर्शरोगजोकहितहैताहिमवेसीजान ताकेपथ्यअपथ्यसभसुनहोकरोवषान ॥ अथपथ्यनिरूपणं ॥ अडिल्यछंद रेचनलेपनचावलसठीजानिये अवरहुंतंडुललालकुलत्थपछानिये रुधमोक्षअरुक्षारकर्मअग्निकर्मजो शस्त्रकर्मपहिचानरसोंतापटोलसो चित्रधतूराइटसिटशूरणजानिये माषनवाथुशाकतक्रउरठानिये मरचअवरकंकोलवरचकोंजानरे धात्रीफलजुकपिथ्यभिलावेमानरे सरसोंकाजोतैलमूत्रगोमानहो ऊष्टरदुग्धजुमूत्रपथ्यपहिचानहो मांसनकेजोपथ्यभलीपरकारही तिन्हसभनोंकेनामकरोंउच्चारही गोधाऊष्टरकूरममूषिकसेहरे षरवनचरअरुतर्पअभ्वलषलेहुरे लवावटेराहरणसहेकोमाससुन काकशृगालअवरजोचाक्षुकमासपुन एतेकहेजुमांसपथ्यउरआनहो आगेंकहौंअपथ्यभलीविधिजानहो ॥ दोहा ॥ अन्नअवरजलवातहरअग्निकरणजोहोय समुझोअपनेचित्तमोंअर्शरोगपथ सोय ॥ अथअपथ्यनिरूपणम् ॥ अडिल्लछंद ॥ मुरगावीतेंआदिजेतेजलजंतुरे इन्हकोमांसअपथ्यमतसलषतंतुरे मैदामांहरवांहिबिल्वदधिजानिये घीयाकावजभारीवस्तुपछानिये आतपवहुजलपानन दीजलपानजो पूर्वदिशाकीपवनवहुतवैठानसो विष्टामूत्रहिवेगरोकजोराषहै यहसभकहेअपथ्यग्रंथयोंभाषहै ॥ अन्यछंद ॥ जिसदिनाविधिकरैक्ष्यारातिसीदिननाहिंसोवै गुरुभोजनमैथुनकलहवहुतजलपीवनषोवै रक्तपित्तकेपथ्यअपथजोअगेंकहिने सोसभहीतुमरक्तअर्शकेमनलषलेने ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यजुअर्शकेकीलचर्मकेजान वैद्यकग्रंथविचारकैऐसेंकीनवषान इतिअर्शरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम्

॥ अथरक्तवमनअरुअर्शरोगकर्मविपाकदोषाकारणउपयानिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ नरजोपितृव्यभार्यासाथ संगकरैजानोयहगाथ रक्तवमनइसदोषाहिंहोय अथवाअर्शहीयलषसोय तासउपाय कहोंसमुझाय जैसेंकर्मविपाकलषाय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ यज्ञकोष्टकशिय्याकरे लक्ष्मीनरायणस्वर्णतंहधरै पीतांवरऊपरओढाय पूजैनेकनैवेदचढाय गणेशकुंभनवग्रहजजलेय विष्णोरराटमंत्रहिंहवनेय विष्णुप्रतिकरशय्यादान अर्शरक्तवमनहोइहान ॥ दोहा ॥ रक्तवमनअरुअर्शकोकारणकह्योउपाय भगंदररोगकेदोषकोंभाषोंसभाहिंसुनाय ॥ इतिरक्तवमनअर्शरोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अर्शरोगज्योतिष ॥

दोहा कर्कटराशीकेविषेदिनकरइस्थितजाहि दृष्टीहोवेशनीकीदशाभीहोवेताहि उपाय तवउपायसोनरकरेसूर्य्यपूज्यअतिचाहि मंत्रजपकरयथाविधिअथवाविप्रकराहि प्रथमअर्ककोकाष्टलैतिलघृतहवनकरेय गौदानगुडतामयुतअर्शहिरोगहरेय मनशिललाचीमुलठलेकेसरयारप्रमान लकडीपद्मउशीरकीकमलपाइकरेस्नान इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांअर्शरोगाऽधिकारकथनंनामपंचासत्तमोऽधिकारः ॥ ५० ॥

॥ अथभगंदररोगानिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ निदानभगंदरकोकहोभाषासुगमवनाय　समुझचिकित्साकीजियेदुःखरोगमिटजाय ॥ चौपई ॥ गुदालिंगकेमध्यस्थान उठैपिंडिकाप्रवलमहान नामतासजगफोडामानै गुदालिंगकेमध्यपछानै पीडावहुप्रगटावैसोय रोगीपरमदुखीतवहोय सोफोडाफूटतहैजवै नामभगंदरभापैंतवै ॥

॥ अथभगंदरपूर्वरूपानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ जवैभगंदरउपजनचहै एतेचिन्हप्रथमसोगहै कटीत्रिकुलमोपीडउपावै कंडूदाहगुदाप्रगटावै ॥

॥ अथभगंदरकारणनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ रूषोअवरकसैलोषाय वेगकरैगुदमौंतववाय सोऊवातपिडिकाजुउपावै करैउपेक्ष्यानरदुःखपावै दावलेपप्रथमनरकरै पकैसोफोडावहुदुःखधरै दारुणपीडाकरहैसोय फैनला,लरंगप्रगटतहोय ॥

॥ अथानुक्रमणिका ॥

॥ चौपई ॥ ताकेपांचभेदलषलीजै प्रगटवषानोसमुझपतीजै वातजपित्तजकफजलहैये त्रिदोषजक्षतजपांचयहकहिये पांचोकेलक्षणअवकहों भिन्नभिन्नसमुझायेचहों ॥

॥ अथवातजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रूक्षकसैलाजोनरखावै वातकोपकरतासकोधावै अपानदेशमेंकरेप्रवेश गुदा, लिंगमधकरतक्लेश वातपिंडिकाकरैविकार हौंहिछिद्रतिसनेकप्रकार उपेक्षाविनजोषाकेनांहि प. केतोपीडावहुप्रगटाहि विष्टामूत्रवीर्ययहतीन छिद्रनतेंश्रवहैपरवीन तासनामशतयोनिभनीजै वातजसोऊभगंदरकहीजै

॥ अथपैतिजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पैतिकवस्तुयोसेवनकरै पिंडिकारक्तवरणसोधरै सोपिंडिकाशीघ्रपकजावै दुर्गंधउष्णपूयनिकसावै होंइपिंडिकाऊठशिरन्याई उष्टरशिरानामकहिगाई पैतिककेयहलक्षणजान लक्षणकफजसुकरौंवषान.

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीडाअल्पपुरकवहुहोय स्वेतवरणपिंडिकाहोइसोय पूयवहुततिसनिकसतीरहै नामतासपरिश्रावीकहै कफजपिंडिकालक्षणएह सन्निपातजलक्षणसुनतेह.

॥ अथसन्निपातजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वहुव्रणवहुपीडावहुश्राव दीसतसोसमझोस्तनगाव अथवासिपइवत्राकार संवूकवर्तितिसनामउचार त्रिदोषजतैंताकोपाहिचान क्षतजापिंडिकाकरौंवषान;

॥ अथक्षतजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कंटकादिकरघाउतेंजोय प्रगटैक्षतजपिंडिकासोय तासचिकित्साजोनहिंकरै तौताहूमोबहुक्रमपरै सोक्रमछिद्रनेकप्रगटावैं पूयश्रावबहुधादरशावैं उन्मार्गीसोनामकहीजै लक्षण क्षतजअैसेंलषलीजै ॥

॥ अथकष्टसाध्यअसाध्यनिरणय ॥

॥ चौपई ॥ अवरभगंदरकष्टजुसाध्य त्रिदोषजक्षतजाहिंलहोअसाध्य जासभगंदरमोक्रमपरैं- विष्टामूत्रवीर्ययहश्रवैं शीघ्रकैंरसोव्याधिहिनाश निदानग्रंथमोंकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ कह्योनिदा- नभगंदरीलखनिदानकोभाय प्रथमचिकित्साआदिहीकैरतुभयनहिकाय इतिभगंदरनिदान समाप्तम्

॥ अथभगंदररोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्साकहोभगंदरकमिनमोंसमुझविचार जैसीभाषीग्रंथमौंतैसीकरौंउचार

॥ अथभगंदरकोआदिउपाय ॥

॥ चौपई ॥ भगंदरफुनसीउपजैजबै तासउपायकीजियेतबै बटपत्रईंटपुनसुंठगिलोय अरुपुन नंवासंगसमोय व्रणनहोयतवयहलेपाय भगंदरउपजनतेंरहिजाय ॥

॥ अथपक्कभगंदरउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पक्योभगंदरजवहीजानै क्ष्यारदाहक्रयाकोंठानै पुनऔषधकोंकरैउपाय सुनलीजैसोचित्तलगाय ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ करहैकोपरक्तजोजबै पीडावहुतहोतहैतबै तिलपीसदुग्धसोंलेपलगावै भगंदरव्र णपीडामिटजावै ॥ अन्यच ॥ पीसमुलठीघुतसोंलाय भगंदरव्रणकीपीडाजाय ॥ अन्यच ॥ तिलअरनिंवमुलठील्याय पीसदुग्धसोंलेपलगाय भगंदरव्रणकीपिडानासे जैसेगरुडजुसर्पविनासे- ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ बटमालतीपत्रमंगावै सैंधासुंठगिलोयमिलावै यहसमतक्रसाथपी साय लेपनकरैभगंदरजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिवीमंजीठदंतीतिलामित्रा यहसमपीसोक रोइकत्रा घृतामिलायकरलेपलगावै भगंदररोगनाशहोइजावै ॥ अथक्काथ ॥ त्रिफलाषदरसमक्का थवनावै पीवैरोगभगंदरजावै ॥ अन्यउपाय ॥ जंवुकमांसमासपरयंतु पकायषायरुजनसैनिरंत- ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ न्यग्रोधादिकतैलपकाय वापकायघृततासोंषाय तौभीरोगभगंदरजावै यहनिश्चयनिजमनमोंल्यावै ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ दालहलदसूक्ष्मपीसावै अर्कजुथोहरदुग्धमि लावै वटीभिगोयभगंदरद्वार पूरेताकोंयत्नप्रकार नाशभगंदररुजकोहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ लेप ॥ त्रिफलारससंगअस्थिविडाल घसलगायजुभगंदरटाल ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कुठत्रिवीतिलदंतीआन पीपलीसैंधारजनीठान त्रिफलानीलाथोथापाय मधुमिलायकरलेपलगाय शुद्धभगंदरहोवेतासों नाशरोगहोवैलषयासों ॥ अन्यच ॥ रसोंतत्रिवीदंतीनिंवपत्र मंजीठदुरज- नीतेजोवलधर यहसमचूरणपीसलगावै भगंदरव्रणनाडीव्रणजावै ॥ अन्यच ॥ माल्हकंगुणीलां गुलिआन मधांजुदंतीत्रिवीमिलान लोध्रदूर्वाकुठशतावरि तिलकाहीलेपीसवरावरि लेपल गायभगंदरषोय निश्चयकीजैमनमोसोय ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ त्रिफलाकणामधुतैलवि- डंग यहसमनितचाटैरुजभंग कुष्ठभगंदरकृमकोनाश नाडीव्रणपरमेहविनाश ॥ अथतैल ॥ चौपै ॥

चित्राअर्कत्रिवीहयमार पाठावरचलांगुलीडार माल्हकंगुणीअरहरताल सौंचलअरुगिलोयपुनडाल अवरबावचीतासोमेल सभतेपाछेपायजुतेल समसभकूटैतैलपकावै लायशुद्धअगूरंवधावै ॥ अन्यच॥ सैंधवइंद्रयवरजनीठान अर्कदुग्धलेकरोमिलान तैलपकायसुलावैतास रोगभगंदरहोइहैनाश तैलश्रेष्ठयहकीनवषान अपनेमनमोंनिश्चयठान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दंतीलांगुलिलधणाकनेर रजनीचित्रालीजैहेर अर्कदुग्धअरपायविजोर कूटसभीकीजैइकठौर तैलमिलायपकायलगावै रोगभगंदर यातैंजावै ॥ अथगुटका ॥ चौपई ॥ त्रिफलागुग्गुलकणाजुलीजै तीनपांचइकभागधरीजै याहगुटकाकरषावैजोय भगंदरगुल्मअर्शरुजषोय ॥ दोहा ॥ चिकित्साकहीभगंदरकीवंगसेनअनुसार समुझचिकित्साजोकरेताकीबुद्धिउदार इतिश्रीभगंदररोगाचिकित्सा ॥

॥ अथभगंदररोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रोगभगंदरपथअपथसुनलीजैचितधार भाषौंभलीप्रकारसौंवैद्यककेअनुसार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ जाहिभगंदरकाचोहोय सोधनलेपनपथहैसोय रुधमोक्षलंघनपुनजानो काचेकेयहपथ्यपछानो जेऊभगंदरपकलहीजे वेधशस्त्रतापथ्यकहीजै अरुक्षारकर्मताकोंसुखदाई पक्कभगंदरपथविधिगाई दोनोंकेअवपथ्यसुनाऊं चावलमुंगपटोलवताऊं वनमृगपक्षीकोजोमास वैंतकूमलीपथलषतास लघुमूलिकाधतूरामानो घृतमधुअरुसुहांजणाजानो तिलसर्षपकोतैलभनीजै रोगभगंदरपथ्य. कहीजे ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेइस रोगकेसुनो अपथ्यप्रकार जोभाषैहैंग्रंथमोंतिन्हकोंकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ दोहा ॥ व्यायामअमलपुनयुद्धसुनभारीवस्तुपछान पुनमैथुनजुअपथ्यहैरोगभगंदरमान ॥ इतिपथ्यापथ्यं ॥ दोहा ॥ भगंदररोगवषान्योप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्रीभगंदररोग समाप्तम् ॥

॥ अथभगंदररोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपै ॥ जोदेवनकीपूतमादेषै ब्राह्मणश्रेष्ठअरुगुरुकोंपेषै नमस्कारनाहीसोकरै ताकोभगंदररोगआवरै ताकोअैसासुनोउपचार भाषसुनावोभलीप्रकार ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ श्रीविष्णूमूरतविधिवतपूजाय अवरयथाविधिसुंदरगाय करसंकल्पविप्रवरदेय मुक्तदोषहोइआनंदलेय इतिभगंदरकर्मविपाक ॥ अथज्योतिषभगंदररोग ॥

दोहा ॥ जोकर्कटमोंसूर्यपडेतांपरदृष्टीभौम रोगभगंदरहोइनरतिहउपायहैहोम सूर्य्यजापश्रेष्ठब्राह्मणकरे. प्रीतभावकरजौन देहसुनिर्मलहोइनररोगनिवृत्तीत्तौन ॥ इतिज्योतिष्यसमाप्त ॥

॥ भगंदररोगअन्यप्रकारकर्मविपाक ॥

॥ दोहा ॥ अपनेकुलकीनारिसोंकरेभोगसंजोग ताहिदोषतेजानियोहोतभगंदररोग ॥ चौपई ॥ रोगभगंदरजबनरजानै भेडदानतवप्रीतसोंमानै भेडदानकाकरेविधान रोगभगंदरतातेहान भेडदानविधवहुताविचारी ग्रंथवृद्धितैंनाहिउचारी ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ आचार्यगुरुपत्निमेंकीनाजिसनरभोग ताहिदोषतिसपुरुषकोहोतभगंदररोग ॥ दोहा ॥ रोगनिवारणकारणेगोतमकियाविचार नवग्रहरत्नबनायकेपूजाकरीउचार ॥ चौपई ॥ माणिकपद्मरागअरुहीरा वैडूर्यहरितनुमजानोवीरा मरकतमोतीमुंगा. जान गोमेदमणीयहरत्नपछान स्वर्णपात्रमोरत्नधराय नवग्रहपूजेमनाचितलाय वेदविदुपप्रतिदेवेसोई

रोगनाशतवनिश्चयहोई ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ अधिकारहोतजिसपुरुषको धर्मकार्य अरुन्याय उनमो-कूटजुकरतहै रोगभगंदरपाय ॥ दोहा ॥ रोगनिवृत्तिकारणेकरेजोमूरतिदान ताप्रकारसवकहितहुंसोसु-नियेधरकान ॥ चौपई ॥ भगंदरप्रतिमाकरेमहान ऊचीबहुतनचौडीजान कटिमोवांधेझेलीतास पंगु-पैरतिसकरेप्रकास फासीअंकुशहाथधरावे सुंदरआसनतासविठावे ग्रीवाताकीवैलसमान अकारकरे मानोशिरजान इसविधप्रतिमालेजुवनाई वस्त्रभूषणतासपहराई विधिवतपूजातासकरेय वेदविदुषप्रति-ताकेदिय रोगभगन्दरतातेंजाय कर्मविपाकदियोजुवताय मूरतिनेमकलूनहिंदेखा धातुमृत्तिकानाकछुलेखा

॥ अथमूत्रकृछ्रनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ मूत्रकृछ्रवरननकरों जैसेंलिख्योनिदान प्रथमहिंताकारणक हौंतिन्हतैंउपजितमान अथकारणं ॥ चौपई ॥ तीक्षणऔषदसेवैजोय अतिव्यायामकरैपुनकोय रूषेभोजनमदरापान शीघ्रगामिवाहनचडिजान अतिव्यसनिजुअजीर्णधरै जलजंतमांसभक्षणजोकरै अतीहिनिरतकरैजनजो य मूत्रकृछ्रइन्हकारणहोय अष्टभेदयाहिकेजान सोसभकरहौंप्रगटवषान अथअष्टभेदवरननम् चौपई वातजपित्तजकफजपछान सन्निपाततैंभोसोजान एकशल्यतेंजानोसोय एकपुरीषहुतेंहोईजोय एक शुक्रतैंजानोतास इकपथरीतैंहोतप्रकाश ऐसेंअष्टप्रकारपछानो तिन्हकोविवरोप्रगटवषानो अपअप नेजुनिदानसमेत कुत्तसमलहोइलषहोभेत नाभितलैसोकरैंविकार मूत्रमार्गरोकैंवलधार मूत्रकृछ्रसहि ततवहोय वातजलक्षणभाषोंसोय

॥ अथवातजमूत्रकृछ्रलक्षणं ॥

चौपई नाभितलैअरुलिंगमंझार अंडनमोंहोईपीडअपार अल्पमूत्रहोईवारंवार वातजलक्षणकीनउचार-

॥ अथवातजमूत्रकृछ्रचिकित्सा ॥

॥ दोहरा ॥ कहौंचिकित्सामूत्रकृछ्रकोसुनलीजैचितलाय बैद्यचतुरसोईजानियेवरतेयाकेभाय अथ चिकित्सा ॥ चौपई ॥ क्वाथ गिलोसुंठधात्रीफलआनै असगंधभषडेसमलेठानै क्वाथकरैप्रातहिंउठपी वै वातजकृछ्रनाशतवथीवै अवरशूलदुखहोवैनाश निश्चैआनोमनमोंतास अन्यच ॥ चौपई ॥ पुननं वाएरंडवलामंगावे द्राक्षफालसेसंगमिलावे पषाणभेददशमूलशतावरीआनवस्तुसभपीसवरावरी कुलत्थ अवरयवआनमिलावै इन्हसभकोपुनक्वाथवनावै तैलमिलावैपीवैसोय वावराहचरवीसंगहोय रिक्षमिंझं वासंगमिलावै वाघृतलवणमिलाअचवावै वातजकृछ्रशूलहोइनास दुखमिटैतनसुखपरकास इतिवा तजमूत्रकृछ्रचिकित्सा

॥ अथपैतिजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कष्टदाहअरुरक्तसमेत वारवारमूत्रेलहोभेत पीतवर्णमूत्रजिसहोय पैतिजलक्षणजानोसोय

॥ अथपित्तजमूत्रकृछ्रचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शीतलजलस्नानपरमान शीतललेपनातिंहसुखदान पीवेघृतअरदुग्धविकार वस्तिकर्मले ताहिविचार द्राक्षविदारिइक्षुरसपीवै पितजकृछ्रनाशतवथीवै अथतृणपंचकक्वाथ चौपई ॥ कुशाका शापुनशरजुउशीर इक्षुजटापावोमतिधीर यहसमक्वाथसुधारवनावै मिसरीपायप्रभातपिलावै पितजकृछ्र

हिंतुरतविडारै वैद्यकमतयोंप्रगटउचारै पंचमूलतृणकोजुकाथ वस्तीशोधनहेसुनगाथ इन्हसंगदुग्धासिद्ध करपीजै मेधारुधिरविकारनसीजै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कुशाकासगोखुरुशतावरि कसेरुइक्षुविदारीतिं हधरि शालीपायकाथसमकीजै शीतलमधुमिसरीसंगपीजै पितजमूत्रकृछ्रहोइनाश रोगमिटैतनदुतिपर काश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडैअवरगोखुरुआन जवांहाअमलतासपुनठान पाषाणभेदपुनताहि मिलाय काथकरैमधुपायपिलाय पितजकृछ्रनाशतवहोय निश्चैमनमोंआनोसोय अथचूर्ण ॥ चौपई ककडीवीजमुलठमंगावै दालहलदसमचूर्णवनावै तंडुलजलसोंपीवैतास पितजमूत्रकृछ्रहोइनाश अथ शतावरीघृत ॥ चौपई ॥ शतावरिकासकुशाजुविदारि इक्षुधात्रीफलभषडेडरि घृतअरुदुग्धमिलायपका वै मिसरीमिलयथावलषावै पितजमूत्रकृछ्रहोइनाश मनमोंनिश्चैआनोतास अथत्रिकंटकादिघृत ॥ चौपई ॥ भषडेएरंडकुशाशतावर इक्षुरसअरणीसभलेसमधर तासकाथमोंघीउपकावै घृततेंअ र्धगुडपायपिलावै मूत्रकृछ्रपथरीकरैनाश मूत्रघातपुनहोयविनाश इतिपितजमूत्रकृछ्रचिकित्सा

॥ अथकफजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ नाभितलैअरुलिंगमंझार शोथहोयअरुगुरुताधार पिछन्यायहोइमूत्रजुधार कफजकृ-छ्रयोंकीनउचार

॥ अथकफजमूत्रकृछ्रचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वमनस्वेदक्ष्यारमदपान तक्रतीक्ष्णवस्तुपरिमान मर्दनतैलसुखदअतिजोय इन्हतैंकृ-छ्रकफजहतहोय ॥ चौपई ॥ केवललघुलायचीपीसावै गौमूतरवामदसोषावै वाषीवैकदलीकेसंग कफजकृछ्रहोइजावैभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मुंगोंकीजोगुलियांकहैं तिन्हकोपीसचूर्णकरगहैं कफ-जकृछ्रकोंसोकरैघात तंडुलजलसोंखायप्रभात ॥ अथगुटिका ॥ त्रिफलात्रिकुटामुथरलीजै अवरगुगु-लुतासरलीजै भखडेकाथसोंखरलकराय मधुपायसुगुटिकातासवनाय वलअनुसारजुगुटिकाखावै कफकोमूत्रकृछ्रमिटजावै अवरप्रमेहजुमूत्राघात अस्मरीरोगजुकरैविघात ॥ इतिकफजमूत्रकृछ्रचिकित्सा

॥ अथत्रिदोषजकृछ्रलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ सर्वचिन्हकरसंयुतहोय कष्टसाथमूत्रेनरजोय सन्निपाततैंताकोजान औसैंभाष्योग्रं-थनिदान

॥ अथत्रिदोषजमूत्रकृछ्रचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कालिंगकंडचारीधावेमुलठ पाठादोअजवायणकठ यहसमचूर्णजल-सोंखाय त्रिदोषजमूत्रकृछ्रनरहाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ उष्णदुग्धमोंगुडजुमिलावै पीवैकृछ्रत्रिदो-षमिटावै

॥ अथशल्यकृछ्रलक्षणंअविघातजं ॥

॥ चौपई ॥ वाणलगैजोमूत्रस्थान अथवादंडलगैतहांमान मूत्रकृछ्रसोऊउपजात याकेचिन्हकहै-समवात मूत्रकृछ्रसोदारुणजानो ग्रंथनिदानकह्योसुपछानो

॥ अथअविघातमूत्रकृच्छ्रचिकित्सा ॥

॥ चोपई ॥ सितासहितपीवैघृतजोय अविघातकृच्छ्रनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ करैनित्यजोमदरापान होइअविघातकृच्छ्रकीहान ॥ अन्यच ॥ शिलाजीतघृतदुग्धमिलाय पीअविघातकृच्छ्रमिटजाय अन्यच जोअविघातरक्तसंगहोय तासउपायकहौंसुनसोय धात्रीफलइक्षूरसलेय मधुमिलायकरपीवैतेय रक्तसहितअविघातनसावै वैद्यकशास्त्रजुइंहविधिगावै ॥ अन्यच ॥ मूत्रकृच्छ्रअविघातजजान व्रणकीचिकित्साकरेजुस्थान वातकृच्छ्रकीक्रियाजुजेती अविघातजमोजानौतेती

॥ अथशुक्रजमूत्रकृच्छ्रलक्षणं ॥

॥ चोपई ॥ कुतदोषसौंवीरजजोय मूत्रमार्गकौंरोकैसोय वीर्यसहितमूत्रनिकसावै कष्टहोयवहुधाकरलावै नाभितलैअरुलिंगमंझार शूलहोयनिश्चैमनधार

॥ अथशुक्रविवंधमूत्रकृच्छ्रचिकित्सा ॥

॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ आनशुद्धशिलाजितपाय मधुमिलायकरनित्यचटाय शुक्रविवंधककृच्छ्रनसावै दुखनाशैतनसुखप्रगटावै ॥ अन्यच ॥ एलाहिंगुमहीनपिसावै घृतदुग्धमेलकरनित्यपिलावै शुक्रविवंधककृच्छ्रनसाय वंगसेनमतदियोवताय अरुउत्तमप्रमदाकोंसेवै शुक्रविवंधककृच्छ्रहरैवै ॥ इतिशुक्रविवंधकमूत्रकृच्छ्रचिकित्सा १

॥ अथपुरीषजमूत्रकृच्छ्रलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोनरविष्टावेगरुकावे दुगुणावातउदरप्रगटावे शूलअफाराकरितसीवात मूत्रकृच्छ्रकोंसोउपजात.

॥ अथविष्टाविवंधमूत्रकृच्छ्रचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ चूर्ण ॥ भपडेअवरलेहुजवक्षार दोनोसमलेचूर्णसुधार जलकेसंगनिताप्रतिपीवै विष्टामूत्रकृच्छ्रहतथीवै ॥ अन्यच ॥ वाइसकाजोपीवैकाथ पुरीषजकृच्छ्रहनैयहगाथ ॥ इतिविष्टाविवंधमूत्रकृच्छ्र ॥

॥ अथअश्मरीमूत्रकृच्छ्रलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पथरीहोवैतिसकोकारण मूत्रकृच्छ्रहोइकीनउचारण अश्मरीजन्यप्रकारलक्षणम्

॥ चौपई ॥ पथरीहूंतैअन्यप्रकार उपजितहैशोकरैविकार मूत्रकृच्छ्रशर्करावपानै ताकेलक्षणयोंप्रगटानै पक्वपित्ततैंपथरीहोय वातप्रवलतैंसूकेसोय नाभितलैतैंक्ष्यरताजान तिसकरपीडहृदयमोंमान देहकंपकुक्षशूलउपावै मूर्छामिंदअग्निप्रगटावै दारुणमूत्रकृच्छ्रसोकरै वहुप्रकारदुखपीडाधरै ॥ अथचिकित्सा ॥ अस्मरीरुजकीचिकित्साजेती अश्मरीकृच्छ्रकीजानौतेती ॥ दोहा ॥ मूत्रकृच्छ्रनिदानयहभाष्योभलेवनाय जैसेंकह्योनिदानमौंतैसेंदीयोलषाय ॥ इतिमूत्रकृच्छ्रनिदानम् ॥

अथसमान्यचिकित्सामूत्रकृच्छ्र

॥ अथक्वाथ ॥ चौपई ॥ सप्तपर्णनिंवपलआन करंजुअमलतासपहिचान गडूचीकोगडकेतकीपाय क्वाथसुधारैहेतलगाय ताहियवागूमधुजुमिलावै पीवैमूत्रकृच्छ्रमिटजावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ गोषुरुअमलतासयहआनो हरडजवाहाकाशठानो कुशपषाणभेदसमपाय करैकाथमधुपायपिलाय

पथरीसहितकृच्छ्रमिटजावै होइग्ररोग्यरोगीसुखपावै ॥ ग्रथचूर्ण ॥ चौपै ॥ ककडीवीजग्रानपी-साय सेंधालवणदूसरोपाय कांजिकसाथपीजियेतास होवैमूत्रकृच्छ्रकोनाश ॥ ग्रथकाथ ॥ केवलका-यग्रतिवलाकरै पीवैमूत्रकृच्छ्ररुजहरै ग्रथरस मधुयुतकंडयारीरसपोवै कृच्छ्रभगैतनसुखियाथीवै ॥ ग्रथ काथ ॥ त्रिफलावेरकूटसमलीजै कल्ककरैसलवणजुतपीजै मूत्रकृच्छ्रकोहोइहैनाश रोगजायवड-सुखपरकाश ॥ ग्रन्चय ॥ चौपई ॥ यवएरणहरडेपंचमूल पाषाणभेदगुगुलसमतूल ग्रवर-शतावरीतामोंदीजै विधिमोंकाथवनायसुलीजै करैकाथगुडपायापिलाय मूत्रकृच्छ्ररोगमिटजाय- ॥ ग्रन्यच ॥ चौपई ॥ कुशाग्ररुकाशइक्षुशरमूल धात्रीफलउशीरसमतूल यहसमकाथकरैगुडपाय मूत्रकृच्छ्रमूत्रघातनसाय पथरीरोगनाशपुनहोय निश्चैग्रानोमनमोंसोय ॥ ग्रथचूरण ॥ चौपई ॥ मिसरीग्ररुलेवैयवक्षार दोनोंसमकरचूर्णसुधार षावैसकलकृच्छ्रहोइनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ ग्रथग्रविलेह ॥ चौपई ॥ मिसरीद्राक्षमनकाग्रानै पाषाणभेदसमचूरणठानै मधुमिलायकरचा-टैसोय मूत्रकृच्छ्रनाशतवहोय ॥ ग्रन्यच ॥ चौपई ॥ मेषशृंगीतृणपंचकधार विदारीकंदहलदपुनडार गिलोयसारवापीसोतास मरचपायनितषावैजास वातपित्तकोकृच्छ्रनसावै वैद्यग्रंथमतसोईसुनावै ॥ ग्रन्यच ॥ चौपई ॥ मघांशिलाजितएलापाय पाषाणभेदकुंकुमजुमिलाय ककडीवीजलवणरू-मलेय यहसमचूर्णरोगीकोंदेय तंडुलजलसंगपीजैतास कृच्छ्रमृत्युकरताहोइनाश ॥ ग्रथग्रविलेह ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णमधुसंगमिलावै करकेलेहप्रातनितखावै कृच्छ्ररोगकोहोइहैनाश मनमोंग्रानोनिश्चैतास ग्रथसुकुमारघृत ॥ चौपई ॥ तुलाप्रमाणपुनर्नवामूल शतावारिवलादर्भकोमूल विदारीगंधाग्रतिवलासु जान ग्रसगंधभषडेतामोठान नागवलापुनतामोपाय ग्रवरगडूचलिजुमिलाय दशदशपलप्रमाणजोलीजैं द्रोणपायजलपकसोंकीजैं पादशेषताकोरहैजवै ग्रर्धाढिकघृतपावैतवै मुलठद्राक्षग्राद्रकमघजोय सेंधापलदोइदोइलषसोय कुडवजवायणगुडपलतीस एरणतैलगुडाहिंसमदिस पायपकावैघृतसोषाय भोजनकेपूर्वग्रचवाय राजाराजपुत्रघृतषावै वहुइस्त्रीरमैवडोसुखपावै मूत्रकृच्छ्रकटिशूलविनाशै गाढपुरीषशूललिंगनाशै योनिशूलगुल्महोइनाश वातजरक्तविकारविनाश वलकरताजुरसायणजानो सुकुमारघृतयानामपछानो ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सामूत्रकृच्छ्रकीवंगसेनग्रनुसार ग्रागेंयाकेपथग्रपथ सुनहोंकरोंउचार ॥ इतिश्रीवंगसेनेमूत्रकृच्छ्ररोगचिकित्सासमातम् ॥

॥ ग्रथमूत्रकृच्छ्ररोगेपथ्यापथ्यग्राधिकारानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मूत्रकृच्छ्रकेपथ्यग्रपथतिन्हकोंकरोंउचार बुद्धिमाननरवैद्यजोतिन्हकोलहैप्रकार ग्रथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ जोयहवातहुतैंप्रगटावै ताकेपथग्रैसीविधिगावैं स्वेदग्रवरवुटुणातनलाय ग्ररुतनमर्द-नतैलकराय वस्तीकर्मकरायविधान तसनीरसोंकरैस्नान जोपित्तविकारहुतैंप्रगटावत पथ्यतासमुनइ-हाविधिगावत शीतलजलसोंकरैस्नान शीतललेपनशीतलपान जोकफविकारतैंउपज्योजानै पथ्यता-सइहविधिपहचानै स्वेदवमनरेचनकरवावै तीक्षणक्षारउष्णभुगतावै जोत्रिदोषतेंहोयाविकार ताके-पथ्ययहोउरधार वातपित्तकफकेजोकहे सोउात्रिदोषजपथसभलहे भसविकारकेपथ्यवपानो जैसें-ग्रंथलिखेमनग्रानो लालपुरातनचावलकहे तक्रदहीपयगोकालहे मारूथलमृगपक्षीजेऊ तासमारपथ्य-लषतेऊ मुंगीकोरसमिसरीजानो पुरातनकुष्मांडपहिचानो मोटोग्राद्रकभषडालहिये पटोलकुग्रा-

रगंदलपुनकहिये मूषिकविष्टालेपनलहो केसूउष्णाटकोरसुगहो नालेरगिरीवादामपछानो वजितालफलगिरीसुजानो एलादोऊतालफलआषै अवरछुहारेपथसतभाषै शीतलअन्नपानभुगतावै शतिलरेतउपरवैठावे ॥ दोहा ॥ मूत्रकृच्छ्रकेपथ्यजोभाषेभलेंवनाय भाषोंतासअपथ्यअवसुनलीजैचितलाय ॥ इतिपथ्यं ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ इस्त्रीसंगममदरापान गजघोडेपरचढनोमान श्रमकरनोअरुआद्रकभक्षण मछीलवंगहिंगुकोचक्षण भोजनविरुद्धअन्नअरुपान् तैलाभ्यंगअपथ्यप्रमान सरषपमाषअमलसभवस्तु मूत्रवेगविरुद्धअप्रसस्तु तीक्षणदाहकरौक्षजुवस्तु मूत्रकृच्छ्रमोंनाहिप्रसस्तु दोहा ॥ मूत्रकृच्छ्रकेपथअपथभाषैसभसमुझाय त्रिदोषसमुझकेपथगेहताकोंविघननकाय इतिपथ्यापथ्यं ॥ दोहा ॥ मूत्रकृच्छ्रवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिश्रीमूत्रकृच्छ्ररोगसमाप्तम्

॥ अथमूत्रकृच्छ्रकर्मविपाक ॥

अथमूत्रकृच्छ्ररोगदोषकारणउपायानिरूपणम् ॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ विधवानारिरमतहैजोय मद्यपानपुनकरहैसोय ताकोमूत्रकृच्छ्ररुजहोई तासउपायकहोंसुनसोई ॥ अथउपाय ॥ चौपई कमलपंचपल स्वर्णवनावै तापरस्वर्णसूर्यवैठावै कलशउपरधरपूजैजास अवरकलशादिगदिगपतितास तिन्हकलशनपरादिगपतिजज्जै सूर्यमंत्रकरहवनहिंसज्जै करसंकल्पविप्रकोंदेवै मूत्रकृच्छ्रतेंमुक्तिलहेवै ॥ दोहा ॥ मूत्रकृच्छ्रवरननकियोकारणसहितउपाय मूत्रघातकोंकहितहोंसुनलेचित्तलगाय ॥ इतिमूत्रकृच्छ्रदोषसमाप्तम्

॥ अथमूत्रकृच्छ्ररोगज्योतिष ॥

दोहा ॥ जोरिषिगृहमोशनीहोइदृष्टपैरेसमराह तिहकारणनरभोगतामूत्रकृच्छ्रकोदाह शनीजापपरमानतिहहोमादिकमनलाय तातेरोगनिवृत्तहोइज्योंतिषयोंप्रगटाय ॥ इतिज्योतिषं ॥

॥ अथमूत्रघातनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ मूत्रघातवरननकरोंसभहीचिन्हसमेत भेदत्रिदोजतासकेज्योंनिदानकहिदेत ॥ चौपई ॥ मूत्रकृच्छ्रअरुमूत्रजुघात तिन्हकोभेदकरोंविख्यात मूत्रकृच्छ्रकष्टवहुकरे मूत्रवंधअल्पसोधरै मूत्रघातवंदवहुकरता अल्पकष्टकोंसोहैधरता ॥ अथमूत्रघातकारणं ॥ चौपई ॥ रूषीवस्तुजुभोजनकरै मूत्रपुरीषवेगरुकधरै अरुवीरजकोवेगरुकावै तातेंदोषकोपप्रगटावै कुंडलकादित्रियोदशजोय मूत्रघातप्रगटावैंसोय ॥ अथत्रयोदशमूत्रघातनामः ॥ चौपई ॥ कुंडलकाजुप्रथमकोंजानो असटीलादूसरपहिचानो वातवस्तितीसरकोंजान मूत्रातीतचतुर्थपछान मूत्रजठरपांचमोंकहिये मूत्रोत्सर्गषष्टमोंलहिये सत्तमकैंमूत्रक्षइजान मूत्रग्रंथीअष्टमलषिमान मूत्रशुक्रनवमोसोकहिये उष्णवातदशमोंयोंलहिये मूत्रसादिएकादशजानो विटविघातद्वादशपहिचानो वस्तीकुंडलत्रयोदशकहिये मूत्रघातएतेलषलहिये ॥

॥ अथकुंडलकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भोजनरूषोजोजनकरत विष्टामूत्रवेगरुकधरत तातेंनाभितलैजोवाय करैप्रवेशकोपप्रगटाय कुंडलरूपहोइपीडाकरै अल्पअल्पमूत्तरताधरै मूत्रसहितपीडाभीहोय मूत्रघातकुंडलकासोय ॥ इति

॥ अथअसटीलामूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वायुनाभीतलगुदारुकावै मुशलीवतहोइदुखप्रगटावै मूत्रमार्गसोमुशलीरोकै ऊचीदं-चलहोइकरटोकै मूत्रवातअसटीलाकहिये अैसेयांकेलक्षणलहिये ॥ इति

॥ अथवातवस्तिमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोकोऊनरमूरषहोय वेगमूत्रकोंरोकेसोय तिसनरनाभितलैहोयवाय कुक्षनाभिकुक्ष-दुखउपजाय मूत्रहिंकोंसोरोकतजान ताहिवातवस्तीपहिचान कष्टसाध्यभाषैतिसताईं मूत्रातीतसुनो-योंगाईं ॥ इति

॥ अथमूत्रातीतमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोनरचिरकरमूत्ररुकावै पुनहिंशीघ्रमूत्रनकोंधावै मूत्रसमयमंदमंदमूतात मूत्रातीत-सोरोगकहात ॥ इति

॥ अथजठरमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मूत्रवेगकोंरोकैजोय वायुअपानकुक्षतवहोय गुदाअापनोत्यागेद्वार उलटउदरपूरै-सविकार तीव्रपीड़नाभीतलकरै जठरनामवाकोउच्चरै ॥ इति

॥ अथमूत्रोत्संगात्मूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ नाभितलैवानाभिमंझार अथवालिंगअग्रसुविचार रुक्योमूत्रजोपीड़समेत अल्प-अल्पनिकसैलहोभेत अथवारक्तसहितमूत्रावै मूत्रोत्संगसुनामकहावै ॥ इति

॥ अथमूत्रक्षयमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ क्षीणदेहजेऊनरहोय ताकोवातपित्तयहदोय नाभितलैसोइस्थितपाय सुक्षदाहपीडा-उपजाय सोदोइदोषमूत्रक्षयकरैं तातेंनाममूत्रक्षयधरैं ॥ इति

॥ अथमूत्रग्रंथिमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ नाभीतलैवानाभिमंझार वर्तुलअल्पगुटकाआकार ग्रंथरूपहोइउपजतसोय पथरी-समपीडाकरैसोय मूत्रग्रंथितानामपछानो मूत्रशुक्रसुनहोसुवषानो ॥ इति

॥ अथमूत्रशुक्रमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ प्रथममूत्रकरजोनरकोय इस्त्रीसंगजुकरतहैसोय तातेंवातकोपवडधरै मूत्रशुक्रतानर-कोंकरै मूत्रवर्णभस्मोदकन्याईं शुक्रदोषतेंताकोगांईं मूत्रशुक्रतानामभनैये उष्णावातआगेंसुनलैये। इति

॥ अथउष्णवातमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ आतपअतिमारगचलनेकर अतिव्यायामकरनेंतेंमनधर नाभितलैगुदालिंगमंझार कुक्ष-वातपितकरैसंचार तहांदाहपीडाउपजात मूत्रआवैंभापसुनात रक्तवरणवाहलदीरंग मूत्रश्रवैंसकष्टम-नभंग ॥ इति

॥ अथमूत्रसादमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोकफवातापित्तयहतीन नाभितलेजवइस्थितलीन तवैकष्टसोंमूत्रकरावै पीतस्वेतघ-णारक्तादिषावैं अथवाकेवलमूत्रकराहिं गोरोचनरंगवादरसांहिं अथवाशंखचूर्णसमहोय मूत्रसदाहप्र-गटहोइजोय मूत्रसादयहनामकहीजै आगेंविडविघातसुनलीजै ॥

॥ अथविडाविघातमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रूक्षअन्नभुकदुर्वलजोई वातेंतेविष्टासूकीहोई सोविष्टारुकमूत्रदुआर प्राप्तहोयवहु करैविकार विष्टागंधमूत्रसोंआवै अथवाविष्टायुतप्रगटावै कष्टसहितमूत्रेनरसोय विडविघातनामातिसहो य ॥ १२ ॥ इति

॥ अथवस्तिकुंडलमूत्रघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शीघ्रगमनलंघनकरजानो षेदहुतेंताडिनतेंमानो अरुपीडनकरनाभीतास होइस्थूलगर्भइ वजास सोनरदाहशूलकेसंग विंदुविंदुमूत्रेमनभंग अरुवहुपीडितधारचलावै सोरुजवस्तीकुंडलकहावै यामो पवनप्रवलवहुहोय दुरनिवाररोगलषसोय जोवहुदाहशूलसोंहोई पितजघातजानहोसोई पीतरंगमूत्रतिस जान कफजकहोंपुनलषोसुजा न गैरवघणोसनिग्धताधरै स्वेतरंगकफतैंउचरै ॥ १३ ॥ इति

॥ अथमूत्रघातसाध्यअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई मूत्राछिद्ररुक्योनहिंजवलो ताकोंसाध्यजानहोतवलो मूत्रछिद्ररुक्योजोजान सोअसाध्य कीजअनुमान दोहरा मूत्रघातलक्षणकहेजेसैंलिखेनिदान तासाचिकित्साकहितहोंसुनहोपुरुषसुजान इतिमूत्रघातनिदानसमाप्तम्

॥ अथमूत्रघातरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहरा ॥ कहोंचिकित्सामूत्रघातकोवंगसेनअनुसार चतुरवैद्ययहसमुझकेपुनकरहैउपचार अथ क्काथ ॥ चौपई ॥ कुशाअवरकाशानडजानो इक्षुइन्हनकीजढलेठानो क्काथवनायशीतलकरपीवै सि तापायपीवैसुखथीवै अन्यच ॥ चौपई ॥ गोधावतीवटपत्रीमूलकुटाय क्काथकरैघृततैलमिलाय अरु गोरसमिलायतिसपीवै मूत्रघातकोदुखहतथीवै अन्यई ॥ चौपई ॥ केवलजढउशीरकीआनै करकेक्का थशिलाजितठानै पीवैमूत्रघातहोइनाश निश्चयआनोमनमोंतास अन्यच पलप्रमाणगोधावतीआ नै कूटवनायकाथतिसठानै मधुमिसरीयुतक्काथसुपीजै मूत्रघातकेरोगकोछीजै अन्यच ॥ चौपई ॥ पंचां गगोषुरुक्काथवनावे सिताअवरमधुपायपिलावै होवैमूत्रघातरुजनाश दुखनशैतनसुखपरकाश अन्यच चौपई पंचमूलकोक्काथवनावै गुडघृतपायप्रभातपिलावै मूत्रघातकोंतुरतविडारै यहनिश्चयअपनेमनधारै अथचूर्ण चौपई शतावरिमूलजुचित्राआनै शतभद्राएलापुनठानै पाषाणभेदकोडपीसाय तालमषाणा भषडेपाय क्रौंचकेवीजसुआनमिलावै यहसमचूर्णपीसवनावै कर्षएकमदरासोंपावै पथरीजायरोगीसुखपावै होवैमूत्रघातकोनाश निश्चयआनोमनमोंतास अन्यच चौपई मयूरसिखाकोमूलपिसावै तंडुलजलसों तिसकोषावै मूत्रघातरुजहोवैनाश दुग्धजुभातपथ्यदेतास अन्यच चौपई ॥ वायसीजीवकमूलयव क्ष्यार सितातिलचूर्णमोंडार कोशकारकेरससंगपीवै मूत्रघातजावैसुखथीवै अथरस चौपई मूत्रघात

वाताधिकजानै कंडचरीरसपीवेसुखमानै अन्यच चौपई कुंकुमकेसरजलमोडार रात्रिभिगोयरषै हितधार प्रातहिंमधुमिलायकरपीवै मूत्रघातनाशैसुखथीवै अन्यच चौंपई तंडुलजलसोंचंदनपीवै पायशरकरादुखहतथीवै पितरक्तविकारतेंजास यातेंमूत्रघातहोइनाश अथदुग्ध चौपई गोपुरइरंड शतावरिआनै यहसमदुग्धमांहिलैठानै मंदअग्निसोंदुग्धकढाय पिविमूत्रघातमिटजाय अथतैल चौपई पाटलभस्मतैलसंगपीवै मूत्रघातरोगहतथीवै अन्यच चौपई पषाणभेदएरंडकुशाकुटाय शालि पर्णिपुनर्नवापाय अवरशतावरीसंगमिलावै इनसभकारसआनरलावै इन्हमोंसिद्धतैलकोंकरै अचवैमू त्रघातदुखटरै वाइनसभकाकल्कवनावै दुग्धसाथपीवैदुखजावै अथघृतप्रकार चौपई धनियांगोषुरु समकोक्काथ पक्ककरैघृतताकेसाथ पीवैमूत्रघातदुखजाय ऐसेंजानोतासप्रभाय अथभद्रावहघृत चौपै पाठापाटलकुशाविदारी दोयपुनर्नवाकाशाडारी सरजुइक्षुइन्हकीजढलेय पुनयहऔषदतास मिलेय गोपुरुअवरवराहींकंद पाषाणभेदलीजैसानंद शालीमूलभिलावैआन सगींहमूलसमक्काथहिंठान पाद इन्हशेषरहैजवक्काथ घृतइकप्रस्थमेलियेसाथ तरककडीकेवीजजुपाय कमलपुष्पलेआनरलाय नीलो त्पलकाकोलीवीज मुलठकूष्मांडतहंदीज कर्कटीवीजघृतपायपकावै पायमूत्रकृछ्रादिमिटावै अथविदा रीघृत चौपई विदारीवासायूथिकाआन वरुणाअवरविजोराठान पाषाणभेदअरअगरजुपावै कोगडनड पुनर्नवाल्यावै वरचवलाअतिवलाजुभेह शरासिंगाडेरहसनएह शालिपार्णीआमलेमिलाय इक्षुकुशाकाशाज ढपाय कटतृणअवरजुचित्राआन नागरमोथाकरोमिलान दोइदोइपलयहऔषदमान द्रोणतोयमोंपायपका न पादशेषरहैवहजवै छाणप्रस्थघृतपावैतवै रसधात्रीजुशतावरिदोय घृतसमानतिंहपावैसोय षटपलताहिश रकरापावै पुनयहऔषदआनमिलावै मुलठमघांजीवनीगणद्राष केसरगजकेसरकह्योभाष कास्मरीअवररेणु कापावैअवरयवाहांआनमिलावै एलाअवरफालसेजान कर्षकर्षयहऔषदठान सभतेंदुगुणादुग्धमिलावैमंद. अग्निसोंताहिपकावै नित्ययथावलताकोषावै ताकोंगुणयोंभाषसुनावै मूत्रघातसर्वप्रकार नाशैनिश्चेम. नमोंधार पित्तजसोंविशेषकरनाश त्रिषाछर्दक्षतश्वासहरकास राजयक्ष्मशिरपीडनिवारै उन्मादमृगी. तनकंपविडारै रुध्रवमनउदररुजनाशै रजवीरजकोदोषविनाशै स्मृतवीरजपुष्टवधावै पुत्रजन्महोइवा॥ लत्रअधिकावै वातजरोगसभीमिटजांहि विदारीघृतहिंरसायणगांहि ॥ अथक्षौद्रार्धभागघृत ॥ चौपई अर्धभागजुमधुकोआनै इकइकभागक्षीरघृतठानै एकभागशरकरामिलावै एकभागइक्षुरसपावै द्राक्ष कोंचवीजमघजान पलपलइन्हकोचूरणठान मंदअग्निपकायसोषावै पाछैंगोकादुग्धपिवावै मूत्रघा- तजुसर्वप्रकार नाशहोयनिश्चेमनधार ॥ अथमर्दन ॥ चौपई ॥ कुकुटवसातिलनकोतेल यहदोनोसम- कीजैमेल नाभितलैसोमर्दनकरै मूत्रघातरोगयहहरै ॥ दोहा ॥ मूत्रकृच्छअरअस्मरीइनकीऔषदजोयं- मूत्रघातमोंदीजियोभिन्ननराखोकोय ॥ दोहा ॥ मूत्रघातरुजकीकहीसमुझचिकित्सासार यातेंआगेंकहि- तहोंपथ्यापथ्यधिकार इतिश्रीमूत्रघातरोगचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथमूत्रघातरोगेपथ्यापथ्य ॥

॥ दोहा ॥ मूत्रघातकेपथअपथसुनहीपुरुषसुजान जैसेंभापेशास्त्रमोंतैसेंकरोंवषान ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ वुटणातनअपणेमलवावै घृतपीवैरेंचनकरवावै तक्रअचैअरुस्वेदप्रमाण दुग्ध-

दहीपुनपथ्यपछान पुरातनकूष्मांडपहिचानो रसमाप्रअन्नपथ्यकरमानो तंडुलरक्पुरातनकहिये पटोलतालफलगिरिलहैये मारूथलमृगपक्षीमास तिन्हकोरसपथकीनप्रकाश मोटाआद्रकहरडलहीजै द्राक्षमुनक्कापथ्यकहीजै नरेलगिरीवादामछुहारे यहसमस्तपथ्यलेधारे ॥ दोहा ॥ मूत्रघातकेपथ्यजोभाषेभलैंवनाय आगेंसुनोअपथ्यजेंतिन्हैंतजैचितलाय इतिपथ्यं अथअपथ्यं चौपई लपोविरुद्धअन्नअरुपानमारगगमनअवरव्यायाम कररिनकेफलभक्षणजेऊ मैथुनरोकनवेगजुतेऊ दाहककावजरौक्ष्यजुवस्तु अवरवमनजुनांहिप्रसस्तु ॥ दोहा ॥ मूत्रवातकेपथ्यअपथ वैद्यग्रंथअनुसार मनमोंसमुझविचारकैकीनेसकलउचार ॥ इतिमूत्रघातरोगेपथ्यापथ्याधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ मूत्रघातवरणनकीयोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्रीमूत्रघातरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथमूत्रघातरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जोदंपतिमैथुनमंझार मोहहुतेंकरैविघ्नगवार ताकोंमूत्रघातप्रगटावै सुनहृतासउपायबतावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ जोधर्मिष्टक्षीणद्विजहोय अरुसतवक्तालषिलेसोय तृप्तसोभोजनवस्त्रनतास करहैमनमोंधारहुलास अरुस्वर्णकीमूरतकाम वनवावैहाछीआभिराम पूजनकरब्राह्मणकोंदेय मूत्रघातदुखहरसुखलेय ॥ दोहा ॥ मूत्रवातकेदोषकोंकारणकह्योउपाय दोषअश्मरीकहितहोंसुनलीजैचितलाय ॥ इतिमूत्रघातदोषकरणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथमूत्रघातज्योतिष ॥

दोहा शुक्रदशाकेअंतरेचंददशाजबआय मूत्रघातकीहान तवप्राणीकेजियधाय शुक्रचंद्रपूजनउचित जोतिषिकियोवषान रोगहरणकेकार्य्यसभनिश्चैकरइहजान ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथअश्मरीरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ निदानअश्मरीकोकहोंपथरीभाषेंजास वातादिकसभहकिहैंसुनकरसमजोतास ॥ चौपई ॥ वातपित्तकफतीनउचार इन्हतेंहोइअश्मरीविकार चतुर्थअश्मरीशुक्रउपावै कफयाहिकोकारणगावै यमकेसमइसदुःखकोंजानो जैसेंयहप्रगटैसुवषानो वायुनाभितलवीर्यसुकावैअरुकफमूत्रसुकायदिषावै ताहूतेंपथरीप्रगटात तादृष्टांतसुनोविख्यात जैसेंवायुधेनुपित्ताऊ सोषैगोरोचनउपजाऊ पथरीनामजासकोकहिये एकदोषतेंसोनाहिलहिये सभदोषनकेआश्रयजानो सामान्यचिन्हयाकेयोंमानो ॥

॥ अथअश्मरीरूपसामान्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभितलैसोकरैअफारा पीडाकरहैबहुतप्रकारा छागलगंधमूत्रउपजावे मूत्रकृछ्रन्याईनिकलावे अरुचीअवरज्वरहोतहेजास पूर्वरूपातिसकियोप्रकास ॥

॥ अथसामान्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ छिन्नधारमूत्रकीहोय पथरीकरमार्गरुकजोय लालमणीइववरणलपावै मूत्रद्वारपथरीसुरुकावै रोकनतेंबलमूत्रजुकरै ताकेवलतेंक्षतादिपरै तिसक्ष्यततेंहोइरुधप्रचार योंपथरीकोलषोप्रकार ॥

॥ अथवातजपथरीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातहुतेंबहुपीडाहोय कंपदांतपीडतहैसोय लिंगमलैअरतधुनकरै विंदुविंदुमूत्रेदुःख-धरै श्यामरंगवाअरुणादिषावै कंटकाविद्धिनदुःखउपजावै वातजपथरीअसेंजान पित्तजकोंअबकरों-वषान ॥

॥ अथवातजअश्मरीचिकित्सा ॥

॥ अथशुंठ्यादिकाथः ॥ चौपई ॥ शुंठीअग्निमंथकोंल्यावै पाषाणभेदसोआनमिलावै वरुणत्व चालतासमिलाय अवरगोषरुआनरलाय हरडसुहांजणाअम्मलुतास समकूटकाथसुनकीजैजास-काथहिंलवणहिंगुयवक्षार पायपीवैअश्मरीनिवार मूत्रकृछ्रअरउदरकोवात कटऊरुलिंगगुदादुःखघात ॥ अथऐलादिकाथ ॥ चौपई ॥ प्रथमवैद्यलघुऐलाआने षाषाणभेदरेवंदतिंहठाने मुठलऐरंडभ-षडावासा समलेकाथकीजियेतासा पीसशिलाजितकाथमिलावै अवरशरकरापायपिलावै वातजपथ-रीहोवैनाश मूत्रकृछ्रहरसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वारुणत्वचागोषुरुनागर यहसमकाथ-वनायछाणधर तामोंपावैगुडयवक्षार मूत्रकृछ्रअरअश्मरीटार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कुशकाशा-इक्षुजढमंगवावै मिलावैअग्निमंथतिहपावै शतावरीगोषुरुसणअरुवासा पाषाणभेदसरींहफलतासा-यहसमकाथपिलायप्रभात नाशहोयरुजअश्मरीवात ॥ अथपाषाणभेदादिघृत ॥ चौपई ॥ पाषाण-भेदगिलोयमिलावै वरुणाफलयववेरमिलावे ब्राह्मीचंदननखमिलीजै कालरुलूणसोआनरलीजै अग-रगजपपिलजुशतावरि शिलाजीतगोषुरुताहिधरि उशीरआमलेदोइकंडचारी कुलत्थानिर्मलीफलसम-डारी काथकरैतामोंघृतपावै पीवैवातजपथरीजावै ॥

॥ अथपित्तजपथरीउक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तकरदग्धनाभितलहोय पच्यमानइवलपयतसोय अरुपथरीकोजोअरथान तप्तरक्तपीतकृष्णप्रगटान ॥

॥ अथपित्तजअश्मरीचिकित्सा ॥

॥ अथकुशादिघृत ॥ चापैई ॥ कुशकाशाशरइक्षुजढलीजे कुष्टउशीरउतकटतिंहदीजे पाषाणभेद-जुविदारीकंद शालिमूलवाराहीकंद स्योनाककुरंटतासमोपावै अवरमोंडियांआनरलावै पाठापाटल-भषडेपाय त्वचसरीहपुनर्नवाल्याय अवरवकमकोजढलेधरै यहसभसमलेकाथसुकरै दुगुणोतामों-घीउपकावै पाछेयहऔषधीमिलावै बीजनीलकमलजुमुलठ शतावरिककडीबीजइकठ पीसमिला-यसुघृतानितषाय पित्तजपथरीशीघ्रमिटाय ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ यवागूकरयवक्षारमिलावै पीवैपित्तजअश्मरीजावै यवागुक्षारपेयअरभोजन पित्तहरनातिहकरेसुजोजन ॥

॥ अथकफजपथरीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफकरनाभिपीडबहुहोय शीतलगुरुस्निग्धलपिसोय मूत्रस्वेतमाष्योंइवजान यह-पथरीबालकप्रगटांन नाभिमलैंषेंचेंसुखहोय तांतेंबालकसुखलहैंसोय महतीकुक्कुटअंडकीन्यांई कफज-अश्मरीतासकोंगांई ॥

॥ अथकफजअश्मरीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गुग्गुलएलारेंवंदआन कुठमरचाचित्रासमठान देवदारुपुनवरुणामिलावै घृतवक-रीकोपायपकावै तासपकाययथावलषाय कफजअश्मरीतातेंजाय ॥ अथगणघृत ॥ चौपई ॥ गणवरुणादियुतघृतजुपकाय वाभद्रादिगणलेयसमाय अथवापीपलीगणजोलीजै ऊपरादिगणवाति सदीजै इनगणयुतघृतलेजुपकाई पावेअश्मरीकफजामिटाई ॥ इतिकफजअश्मरीचिकित्सा ॥

॥ अथशुक्रजपथरीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शुक्रअश्मरीवडेकेताहीं वीरजकेरोकैप्रगटाहीं नाभीतलैवानाभिमंझार वीर्यसुकावै-वातविकार तातेंपथरीउपजिनकहिये अंडनमोंसोजालषपैये नाभीतलेहोयपीडअपार मूत्रकष्टतेंक-रतसुधार तातेंप्रगटवीर्यपरवाहि तातेंहोतसरकराताहि तातेंअधिकीपीडाहोय कहोंउपद्रवतासुनसोय

॥ अथशुक्रजअश्मरीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गुडयवक्षारमिलायजुपावै शुक्रअश्मरीशरकराजावै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ तिलअ-पामार्गकदलीपालास बिल्वअवरयहसमलेतास करैकाथपयभेडमिलावै वाभेडमूत्रसोंताहिपिलावै कंकरीपथरीशुक्रविनाशै रोगजायतनसुखपरकाशै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ निंबकंकोलनिर्मलीआन जीवंतीनीलकमलसमठान इन्हकेफलकोचूरणकरै गुडमिलायसमनिजढिगधरै तत्तनीरसोंपीवै-जोय शुक्रअश्मरीगिरहैसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पाषानभेददोनोंकंडयारि अवरएरंडभषडेडारि तालमखाणेकोलेमूल यहचूरणपीसोसमतूल दधिअरुदुग्धमिलायसुखावै शुक्रअश्मरीकंकरीजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ केवलहलदीचूरणकीजै गुडमिलायकांजीसोंदीजै शुकजकंकरीपथरीनाश वैद्यकमतयोकीन्हप्रकाश ॥ इति ॥

॥ अथसामान्यअश्मरीचिकित्सा ॥

॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ केवलकोगडदधिसोंपीवै नाशअश्मरीकंकरीथीवै ॥ अन्यच ॥ नालेरफल-चूर्णदुग्धकेसंग पीवैहोयजुअश्मरिभंग ॥ अथरस ॥ चौपई ॥ गोपुरुसुंठवारुणाआन करैकाथसमती-नोठान करैकाथपावैयवक्षार पीवैपथरीकंकरीटार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठवारुणाभषडेपाय कपो-तवंकापुनताहिमिलाय पाखाणभेदसभसमकरकाथ पीवैगुडयवक्षारहिंसाथ होयअश्मरीकंकरीनाश दुखनाशैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वारुणमूलकाथसोकीजै सुहांजणमूलकाथवापीजै पथ-रीकंकरीहोवैनाश निश्चयआनोमनमोंतास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठभषडेएरंडबीज वारुणत्वचले-काथकरीज जोरोगीयहप्रातहिपीवै नाशकंकरीपथरीथीवै ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ पंचमूलतृणभषडेआ-न दशदशपलइन्हकोपरिमान द्रोणपायजलतिन्हेपकावै पादशेषवहजवैरहावै छानप्रस्थघृतपायप-कावै पुनतामोंयहसमुझरलावै भषडेबीजपीसगुडपाय पावैकंकरीपथरीजाय ॥ अथमर्दनतैल ॥ ॥ चौपई ॥ वारुणपत्रत्वचाफलमूल यहलीजैतीनोसमतूल अवरभषडेतासमोपाय विधिसोंकाथधरे-सुवनाय करैकाथसंगतैलपकावै नाभीतलेमर्दनकरवावै कंकरीपथरीशूलनिवारै यहनिश्चयअपनेम-

नधारै ॥ अथकुशादितैल ॥ चौपई ॥ कुशाअग्निमंथनडआन शरउशीरभषडेइक्षुठान कपोतबंकाअगरपुनपावै शिलाजीतगजपीपलधावै बंदाकशतावरिअरुलूडार पाषाणभेदअम्लतासविचार यहसमलेयकूटकरडारै काथकरैतिंहतैंलसुधारै ताहियथाबलपायमलावै रोगजायतनसुखप्रगटावै कंकररिजकोहोइहेनाश मूत्रकृच्छ्रजोप्रदरविनाश योनिशूलअरुबीरजदोष नाशहोवैमनमोंसंतोष जोबंध्यातीयनितयाकोंषाय गर्भहोयताकोंसुखदाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ आद्रकअगरहरडयवक्षार यहसमलीजैपीससुधार दधिमंडहिंमेलताहिजोषावै रोगअश्मरीतातैंजावै अथक्काथ चौपई रक्तअधिकहोवैजिसताई इंहप्रकारताकाथसुनाई पद्मनालतालकुशकाश इक्षुजढपायकाथकरतास मधुसितापायक्काथजोपीजै सर्वप्रकारकअस्मरीछिजै ॥ अन्यच ॥ तालमषाणाककडीविजि कंदविदारीतामोदीज मधुमिसरीयुतचूरणखाय रोगअस्मरीतातेंजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ वारुणत्वचाभस्मपलअठ यवक्षारचारपलकठ दोयपलगुडजोतामोषाय इककर्षतप्ततोयसोंषाय कंकरीपथरीतनतेंजावै दुःखमिटैबहुसुखप्रगटावै ॥ अथवरुणकगुड ॥ चौपई ॥ रुमकीटविनावरुणाजोहोय तरुणसनिग्धजानपुनसोय स्थानपवित्रहिंउत्पतजास श्रेष्टनक्षत्रत्वचालेतास तुलाप्रमानत्वचासोलीजै चारतुलाप्रमाणजलदीजै पकायपादशेषजवरहै वस्त्रछनायक्काथसोगहै पुनगुडतुलाप्रमाणमिलावै मृतकावासनदृढहिंपकावै जबहींताकोंसघनपछानै इन्हऔषधकोंचूरणठानै सुंठीककडीबीजमंगावै कणागोषुरुचंदनपावै पाषाणभेदअरुत्रिपुसाविज कूष्मांडकुनटीधरलजि द्राक्षसुहांजणाबाथूपाय एलाहरडाविडंगमिलाय शिलाजीतयहपलपललीजै चूर्णपीसतासमोंदीजै नित्ययथाबलताकोंशावै पथ्यषायतातैंसुखपावै तिसतैंअश्मरीमूत्रकेद्वार निकसपडेनिश्चयमनधार ॥ कथकुलत्थादिघृत ॥ चौपई ॥ प्रथमवारुणकोकरैहैकाथ क्काथकुलथविडंगधरसाथ काथसभीसमघृतकोपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय सैंधाक्काथहिसंगपकावै पुनशरकरायवक्षारमिलावै कूष्मांडअरुगोषुरुबीज यहसमपीसोघृतमोंदीज पकावेनित्ययथाबलषावै कष्टसाध्यअश्मरीमिटावै मूत्रकृच्छ्रअरुमूत्रजुघात मूत्रबंधनाशेविख्यात ॥ अथशर्करादिपंचमूलघृत ॥ चौपई ॥ शरकुशकाशइक्षुजुउशीर पंचमूलइन्हकेलेधीर यहसमतोयचतुर्गुणपाय प्रस्थघृतअरगोषुरुमिलाय मंदअग्निसोंसिद्धसुकरे अनुपानशर्करताकोधरे नित्ययथाबलताकोंषावै अश्मरीमूत्रकृछ्रदुःखजावै ॥ अथवरुणकघृत ॥ चौपई ॥ वरुणात्वचातुलाभरआनो कूटद्रोणजलमोंसोठानो पकाविपादशेषरहैजवै प्रस्थएकघृतपावैतवै कदलीबिल्वतृणपंचकमूल पाषाणभेदगिलोयजुतूल लेयवरचतरककडीबीज वारुणत्वचातासमोदिजि पलासक्षारअवरतिलक्षार यूथिकामूत्रपीसपुनडार कर्षकर्षइन्हकोपरिमान पकायमंदअग्निहितजान पुरातनगुडवाकांजीसाथ पावैघृतयहसुनतुमगाथ षाययथाबलअश्मरीनाश मूत्रकृछ्रशरकराविनाश.

॥ अथअश्मरीअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ नाभीअवरवृषणमझार शोथहोतजोतासविचार बद्धमूत्रसिकताकीन्याय योंनिकसेसुअसाध्यकहाय ॥ दोहा ॥ अश्मारीरोगानिदानयहभाष्योंसभाहिंसुनाय तासचिकित्साकहितहोंसुनलीजैचितलाय इतिअश्मरीरोगानिदानसमाप्तम्

॥ अथअश्मरीउपद्रव ॥

॥ चौपै ॥ दुर्बलताकृशताकुक्षिशूल पांडुवर्णहृदयदुःखमूल मूत्रघातवतउष्णजुवात उपद्रवपथरी कीनिविख्यात वमनअरुचितृष्णापहिचान चिन्हअसाध्यकरेंव्याख्यान

॥ अथतैलप्रकार ॥

॥ चौपै ॥ वीरवृक्षअरलूबिल्वआन पाषाणभेदपाटलपुनठान अग्निमंथवंदाजुउशीर एरंडपद्मकाष्टलषधीर कुशकाशाइक्षुशरजढलेय तालमषाणागोषुरुदेय वानरवेलदोवंजुलशतावरी काश्मरीश्रीपर्णिकपोतवंकधरी सभकोमूलबराबरलीजै चतुर्गुणजलहिक्काथसोकीजे चतुर्थपादकाथरहैजव छाणतैलताकेसमतिंहतव मंदअग्निदेताहिपकाय पात्रसनिग्धहिंधरोवनाय मैंदंनतैलकरावैसोय वस्तीकर्मकरैपुनजोय अश्मरीअवरशरकराजावै मूत्रकृछ्रमूत्रघातनसावै ॥ अथपुनर्नवादितैल ॥ चौपई ॥ लेपुनर्नवाअवरगिलोय भीरुसटीयवक्षारसमोय मुत्थरवरचलवणलेतीन रहस्नकुठकायफलचीन जवायणहिंगुहौपुष्करमूल अजमोदशतपुष्पालिसमतूल मुलठीअवरविडंगपतीस पंचकोलसभलीजैपीस कर्षकर्षसभकोपरिमान तैलएकप्रस्थलेठान दोयप्रस्थगोमूत्रमिलावै दोयप्रस्थकांजीतिंहपावै मंदअग्निसोंताहिपकाय वस्तीकर्मयथाबलषाय अश्मरीमूत्रकृछ्रमिटजावै अरुशरकरारोगनरहावै कटऊरुकुक्षपीडानाशै लिंगनाभितलपीडविनाशै वक्षणकीपीडामिटजाय कफवातआमशूलनरहाय अंत्रवृद्धरोगनरहावै वंगसेनयोंप्रगटलषावै दोहा कहीचिकित्साअश्मरीवंगसेनअनुसार आगैंयाकेपथअपथसुनहोकरोंउचार इतिअश्मरीरोगचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथअश्मरीरोगपथ्यापथ्यअधिकारानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथरीकेअबपथअपथभाषतहौंसविचार तिन्हकोंजानोवैद्यजनपुनकरिहैउपचार अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ घृतअरुदुग्धतैलअरक्षार पथरीरुजकेपथ्यविचार इन्हकरपथरीरोगनजाय देजवावतिसछेदकराय तिसतेंपथरीवारनिकारै आगेमल्हमताससुधारै अथवादैवयोगतेंपथरी मूत्रमार्गमेंआवेउतरी बिडीसंगतिसवारनिकास रोगीकेमनहोतहुलास ॥ चौपई ॥ वस्तीकर्मस्वेदअरुलंघन वमनमद्यअरुजानोरेचन पुरातनचावलअवरकुलत्थ यवकोकोटाजानोपथ्य मारूथलमृगपक्षीमांस तिन्हमांसनकोंरसपथतास पुरातनपेठाभषडेलहियै पाषाणभेदपुनपथ्यकहैये पुनआद्रककोपथ्यपछान पथरीकेपथकीनवषान ॥ दोहा ॥ पथ्यअश्मरीरोगकेभाषेभलेंवनाय आगेंकहोंअपथ्यसभवैद्यशास्त्रज्योंगाय ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ कावजरूक्षअन्नअरुपान तजअवरखटेआईजान वीरजमूत्रवेगइहदोय राषैरोकअपथलषसोय ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्यजुअस्मरीसभकोकहेसुनाय ॥ पथ्यगहैत्यागेअपथसोनरचतुरकहाय ॥ इतिपथरीरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ अश्मरीरोगनिदानकहिपुनहिचिकित्सागाय पथ्यापथ्यबषानपुनसभहिनकह्योसुनाय ॥ इतिअश्मरीरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथअश्मरीरोगदोषकारणउपायानिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ ऋतुअंतस्नाताभार्याहोय अप्रीतसक्रोधढिगजायनजोय ताहिरोगपथरीप्रगटावै तासउपायसुनोयौंगावै ॥ अथउपाय॥ ॥ चौपई ॥ गौअरुवृषभवस्त्रादिसिंगारै पूजनकरहै-

भलीप्रकारे ब्राह्मणवरकोंदेवैदान पथरीदुःखतेंहोइकल्यान ॥ दोहा ॥ पथरीदोषवषान्योकारणसाहितउपाय प्रमेहरोगवरननकरोंबहुप्रकारसमुझाय इतिअश्मरीरोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथअश्मरीरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ देवगुरूकेगृहाविषेंबुधजुबैठाहोय तांपरदृष्टदिनकरपडीपुर्णप्रभाअतिसोंय जापहोमअरुब्रह्मजज्ञबुधनिमित्तहैसार रोगअश्मरीकोहरैयातेकोऊनविचार इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारकथनम् ॥

॥ रोगसोजगुर्देदी ॥ चौपै ॥ गुर्देसोजजाहुकोहोई आमासगुर्दामतफारससोई लक्षणतापतृषाअतिलागे शिरपीडाउन्निंद्रतजागे मूत्ररोगताकोहोजावे हाथपैरसुस्तीप्रघटावे सज्जेभागसोजजवजांनो कलेजेतकपीडातवमांनो खबेभागसोजजवहोई मूत्राशयतकपीडासोई जेकरगरमीअधिकदिखावे वासलीकतेंरुधिरछुडावे पिंनीपछैपरपरकीजें जौउवालतिसपाणीदीजें जेकरसरदीअधिकदिखावे ताहूकेहितवमनकरावे कुलथभखडामोठमंगाय परस्याउसानऔषधसंगपाय सतसतमासेलेवेकोई मिठीसौंफताहिसंगहोई कौडिसोएसंगरलावे जुआंइनवछजुआंइनपावे सुंठीसंगताहुकेकीजें करेक्काथकोसातिसदीजें एरनतैलसोईमंगवावे ऊपरगुर्देमर्दनभावे कुलथउवालतैलतिलपाय पीसलेपपीडापरलाय जौआवकरताहिपिलावे रोटिसुवककठिननाखावे

॥ अथरोगनलउतरना ॥

॥ चौपै ॥ नालउतरदुखजाकोहोई फितकनाममतफारससोई शीघ्रयतनकरखेदहटावे विनायतनकैसेंसुखपावे रोगीसीधालंबापावे नाडपर्तपरहाथलगावे दवायनाडभीतरजवहोई करेदाघलोहेकासोई उलटाछातिभारसुलावे खडाहोएनाहर्कतपावे तुचातहांकीचीरेकोई रेसमसंगासिएसुखहोई मुंगीकारसताहिखुलावे हर्कतऔरएकनांभावे पादअंगुलीऊपरकोई देवेदाघसीरुसंगसोई सज्जानलउतरेतवजांनो खबे पादपरदाघपछांनो उतरेनलखबाजोकोई दाघपादसज्जेपरहोई वातिकरोगफितकजोजांनो करेजतनदुखदूरनमांनो ताहियतनऐसामनभावे दाघहाथपरसीघ्रकरावे नाडीस्थांनछोडकरकोई करेदाघनिश्चेसुखहोई दक्षणवांमविधीजोपाछे करेदाघसुखउपयतआछे वृषनवीचजलपीलाहोई यतनवहुतसुखकरेनकोई चीरानीचेवृषनलगावे नलीलगायनीरनिकसावे दाघलिंगकेपासलगाय छिद्रवंदकरसुखउपजाय निंवपत्रलेसागवनावे तडकेघृतसौंताहिवंधावे यक्षमवंदताहीछिनहोई विनायतनसुखभोगेसोई ॥

॥ अथरोगपत्थरी

॥ चौपै ॥ रोगपत्थरीजाकोहोई मूत्राशयवागुर्देसोई रेगनाममतफारसमांनो संगसमानःकरकेजांनो रेगसंगगुर्दाजोहोई छोटीपथरीगुर्देसोई अधिकहोएमूत्राशयमाही दोषसंगऊनाधिकताहि औरयतनाविधनेककरावे विनचीरेवाहिरनाहिआवे चतुरवैद्यजोचीरेकोई नातरवीरजहांनीहोई मूत्रासयजढकाटीजावे मूत्रखारकरयक्ष्मनआवे जेकरलिंगद्वारफसजावे अथवाअतिपत्थरलखपावे करऔषधटुकडेकरसोई विनचीरेसुखकवहुंनहोई मूत्ररोधपीडाप्रघटावे ताहियतनकरसुखउपजावे म-

घछोटीवडीलेदोई मुलठीरतकभखडासोई पाषानभेदसोसंगरलावे वांसामहुआपत्रमंगावे तोले- तींनकाथसमकीजें सिलाजीतदोमासेदीजें मिसरीमासेसातमिलावे सीतलकरनितताहिपिलावे जूहीज ढचूरनकरवावे दूधसंगदसमासेखावे मूत्राशयजोरतलहोई निश्चदूरहोतदुखसोई इलाचीकुलथभखडा ल्यावे पाषानभेदसुहागासंगपावै वङ्जुआंइनहरडमंगाय सुंठीसकलवरावरपाय मधूमेलचटनीनितखावे पथरीसकलभेदकीजावे नामबहुफलीबूटीहोई छायावीचसुकावेकोई चूरनकरसतमासेखावे सर्क रसोंदुखदूरहटावे पथरीहोएतोडकरसोई वाहिरकरेसीघ्रसुखहोई नर्मावृक्षमंगायजलावे निकसेलूणनी- रसंगखावे सकलभेदकादोषहटाय पुटकंडेकावालूणखुलाय गाजरजांगलीवालूणखुलावे छाछसंगद- समासेखावे रोगीसीधालंबापाय पारासतमासेमंगवाय लिंगद्वारभीतरपहुचावे खडाहोएमूत्राशयजावे दोईघडीतकऐसाहोई छोटीपथरीवाहिरसोई तौफुनिपारावाहिरआवे वडीहोएतवचीरनभावे

॥ अथरोगखुर्कमूत्राशयकी ॥

॥ चौपै ॥ मूत्राशयखाजजाहुकोहोई जवेंमसांनाकहिएसोई पलासवीजसोईमंगवावे संघाडाताके- संगरलावे सतसतमासेदोइमंगाय चौदांमासेमिसरीपाय दिनइकीतकचूरनखावे खुर्कमसांनेकीहट- जावे पलासवीजसोईमंगवावे छिलकानारसुपारीपावे सतसतमासेलेवेकोई काथपांनसीतलहित- होई खाजमसांनेकीहटजावे निश्चेयतनकरेसुखपावे

॥ अथरोगयक्ष्मालिंगका ॥

॥ चौपै ॥ जाकोयक्ष्मलिंगमेंहोई कुरूहजकरनामाकहुसोई रजोवतीजोनारीजांनो मैथु- नकरेयक्ष्मतवमानो अतिचिरकालयक्ष्मदृढपावे शीघ्रयतनकरखेदहटावे किक्करकाछिलकामंगवाय करेकाथपुनियक्ष्मधुलाय धोवेतीनवारनितकोई आगेमल्हमलावेसोई गंधकपारासुर्माल्यावे नीला- थोथासंगरलावे मुरदासंगताहिसंगहोई सुरथीकनलालीजोसोई दूधपथरीतासंगजांनो भागवरावर- चूरणमांनो मोंममिलायलेपकरसोई यक्ष्मदूरानिश्चेसुखहोई

॥ अथरोगप्रदर ॥

॥ चौपै ॥प्रदररोगजाकेतनहोई वौलुलदमनामाकहुसोई ऊचीजागाहर्कतपावे भीतरयक्ष्मरुधि- रनिकसावे अथवारुधिरऋतूकाहोई शेषरहेपुनिवाहिरसोई रुधिरमूत्रकेसंगहिआवै आगेयतनकरेसु- खपावे वांसेकारसमधूमिलाय प्रतिदिनचाटैप्रदरहटाय भखडादानेपांचमंगावे गंनेकीजढतासंग- पावे स्यालीधनिआंवांसापाय दारुहर्दलदाखमिलाय पाषानभेदकुलथीसंगहोई वीजमखारःमेलो- सोई एरनकीजढसंगरलावे साडेत्रैत्रैमासेपावे करेकाथजवसीतलभाय चौदांमासेमधूमिलाय सिला- जीतदोमासेपावे जाविधप्रतिदिनकाथपिलावे अरनीलीबूटीपत्रमंगावे मासेसातपीसकरल्यावे मासेद- सचीनीखंडपाय खावेचूरनप्रदरहाटाय दोईतींनवादस्तलगावे रुधिरवंदानिश्चेसुखपावे सतमासेगूंद- कतीराल्याय फडकडीत्रअर्धभागसंगपाय षूनस्याउसानमंगवावे कपूरपुष्पनारकापावे सतसतमासेसभी- मंगाय पीसयथाविधकुर्शवनाय नारजांगलीरसनिकसावे मासेसातताहुसंगखावे प्रतिदिनऔषधसे- वनकरिए प्रदररोगताहीछिनहरिए

॥ अथरोगजलनमूत्रकी ॥

॥ चौपई ॥ जलनमूत्रकेवीचपछांनो हिर्कतुलवौलनामकरमांनो मूत्रसमेदाहादिकहोई अथवाजक्षमहोएदुखसोई सीघ्रयतनकरदोषहटावे नातरदोषअधिकवलपावे षद्दाखारीतीक्षिणहोई इनसेंपालकरैनरसोई मूत्रसंगजललेसलआवे अतीजलनपीडाप्रघटावे कफकालक्षणमांनोसोई आगेपित्तजलक्षणहोई मूत्रलालवापीलामांनो तडफडाटअतिकालीजानो पित्तजलक्षणऐसाहोई वातिकलक्षणआगेसोई अफारामूत्राशयमेजांनो थोडीपीडासंगपछांनो लक्षणजहांतींनप्रगटावे संनिपातकाकोपदिखावे संनिपातकालक्षणहोई अतिअसाध्यदुखदायकसोई रमलमर्चवांसामंगवावे पाखानभेदजढसोसनपावे कवावचीनीजढएरनपाय भषडामेलभागसमल्याय करेकाथजवसीतलहोई सिलाजीतसंगपीविसोई कफकाकोपदूरतवजांनो आगेजतनऔरहितमांनो जढसतावरीवचमंगावे जौखारसोसंगरलावे अनूपानकुलथीजलहोई प्रतिदिनचूरनसेवेसोई हरडभखडामघांमंगावे अंमलतासमेलसमपावे प्रतिदिनकाथकरेनरकोई एरनतेलमेलहितहोई कफकाकोपदूरतवजांनो आगेपित्तजऔषधमांनो वालासुंठीहलदील्यावे वावडिंगसोसंगरलावे दसदसमासेऔषधहोई करेकाथजवशीतलसोइ मासेसातमखीरमिलावे जौखारदोमासेपावे प्रतिदिनपांनकरेनरकोई पित्तजदोषदूरतवहोई मुलठीदाडिमहलदील्यावे मासेतींनतींनसमपावे तोलेदोकदलीरसहोई तासंगचूरणसेवेकोई पित्तजदोषदूरतवमांनो आगेवातिकयतनपछांनो त्रिफलाअंवलतासमंगावे मुत्थरद्यारभखडापावे मासेतींनतींनसमहोई करेकाथजवसीतलसोई मासेसातमखीरमिलावे सिलाजीतदोमासेपावे प्रतिदिनपांनकरेनरकोई वातिकदोषदूरतवहोई धनिआंवालाहरडमंगावे पषांनभेदकरंगुलसंगपावे करेकाथसक्करसंगपाय पीवेवातिकदोषहटाय मासेतींनवोलमंगवावे मधूमेलनितचटनीखावे संनिपातपरऔषधकीजें आगेऔरयतनसोलीजें मुलठीसंगभखडापावै दसदसमासेकाथचढावे एरनतेलदसमासेपाय पीवे. संनिपातदुखजाय इलाचीमघजौखारमंगावे पखांनभेदअरुफडकडीपावे लेसमचूरणसेवेकोई तंडुलजलसोअतिहितहोई तोलेढाइप्रतिदिनखावे संनिपातकादोषहटावे

॥ अथरोगवहुतआउनामूत्रका ॥

॥ चौपै ॥ मूत्रअधिकजाहुकोहोई सलसलवौलनामहैसोई अतीगरमीपुष्कीतनजाको अतिजलपांनमूत्रअतिताको चारसेरकटुसौंफमंगावे किक्करगूंदसेरदसपावे मैदासेरदोईमंगवाय आठसेरसर्करसंगपाय गोघ्रतमेलकडाहवनावे दोईवखतइकसेरखुलावे तिलकालेअरुकणकमंगाय अलसीवीजकसुंभापाय तींनोसेरसेरइकलीजें आधसेरसुंठसंगदीजें करइकत्रचूरनवनवावे सर्वतसक्करसेरमिलावे गोलीतोलेतीनवंधाय दोइवखतसेवेदुखजाय ॥

॥ अथरोगवंदहोनामूत्रका ॥

॥ चौपई जाकोमूत्रवंदहोजावे असरवोलसोनामकहावे मूत्राशयवागुदीजोई पथरीतहांखेदकरसोई दोहा रोगअश्मरिजोकहाताकोयतनविचार सोईकरदुखदूरहैमूत्ररोधदुखटार चौपै औरभेदएसासुनसोई ऋतूवतलेसदारजोहोई मूत्रद्वारसोईलपटावे मूत्रवंदकरखेदादिखावे गर्मतेलजोऐसेहोई वि

चूंकुठसतावरजोई नारायणजोतैलकहावे कऊतेलवाएकमंगावे लिंगद्वारभीतरपहुंचाय ऋतूवतदोषशी घ्रहटजाय सुंठीमुत्थरकुठमंगावे कटूसैंफवांसासंगपावे लेसमपीसटकोरकराय मूत्राशयऊपरतवदुखजाय यक्ष्महोएमूत्रासयमाही रुधिरपाकहोजावेताही ताकरमूत्रबंदहोजावे रगसाफनकारुधिरछुडावे दोपिंनीपरप छकराय दूधअजागोताहीपिलाय खारीखाद्यातीक्ष्णहोई इनसेंपालकरेनरसोई ग्राहकभोजनसोनाहिखाय गाढाअरुमिस्सानहिभाय मूत्रासयनिकटनाडलखपावे सोजातहांमूत्ररुकजावे सतमासेतुंमाजढल्यावे तप्तनीरसंगताहिखुलावे चलेपेटमूत्रखुलजाय रोगदूरनिश्चेसुखपाय अजादूधइकसेरमंगावे देतोलेएर नतेलमिलावे नित्यप्रातपीवेनरसोई रोगदूरनिश्चेसुखहोई मूत्ररोधकोरोगदिखावे वासलीककारुधिर-छुडावे पाकीस्थांनपरजोंकलगाय गर्मनीरकीधारापाय गर्मतेलसोऊपरलावे सोजहोएतवसोजहटावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांमूत्ररोगाऽधिकारकथनंनामएकपंचासत्तमोऽधिकारः ५१

॥ अथप्रमेहरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहोंप्रमेहनिदानकोसोहैवीसप्रकार भिन्नभिन्नविवरेसहितजानोपुरुषउदार ॥ चौपई ॥ वीर्यचलैजोइंद्रीद्वार तासनामपरमेहविचार सोप्रकारसुनहोचितलाय भाषसुनावोंसभसमुझाय

॥ अथप्रमेहसामान्यकारणं ॥

॥ चौपई ॥ जातेंहोयप्रगटप्रमेह तांकेकारणजानोएह बहुवैठणकेसुखतेंहोय चेष्टातनत्यागनसुखजाये स्वप्नसुखोंतेंउपजतजान नवीनउदकपीवनतेंमान भेडुवकराग्राम्यकहीजै मत्सकूर्मऔदकलखलीजै चक्रवाकहंसादिकजेते आनूपनिकटजलवसहैतेते अरुनवान्नपानतेंहोय दधीदुग्धवहुजानोसोय अनूपदेशजलजीवनमास ताकोवहुहितकरेजुग्रास गुडविकारखंडादिकजेते सोप्रमेहउपजावैंतेते गुडकृतवस्तूभक्षणजेती जेऊअपूपादिकलषतेती इन्हतेंहोतप्रमेहसंचार कफकृतभक्षसुकरैविकार वातपित्तकफकहेजुतीन इन्हकारणाकरकुप्तसकीन कोपतेंदुषितकरेंसवधात नाभीतलेहोयआनविख्यात शरीरधातुसवक्याजोकहिये लसीकवसारसअंबूलहिये शुक्ररक्तअरमेदजुमास मज्जाओजकियोपरकाश कारणयहसामान्यापछानो वीसभेदयाकेलखमानो कफकृतभेदसुदशअनुमाने पितजभेदषटसुनोस्याने वातजभेदलषोतुपचार ऐसेंभेदवीसपरकार दोषनाभितलप्रापतजवै मूत्रदुष्टप्रमेहकरतवै कफकृतजोदशभेदवषाने सोसभसाध्यहैलषोस्याने पित्तजभेदजुषटपरकार कष्टसाध्यसोकीनउचार वातजभेदचारजोकहै सोसभहीअसाध्यलखलहै

॥ अथइन्हकेपूर्वरूपवरननम् ॥

॥ चौपई ॥ तालूजिव्हादांतगलवीच मैलवहुतउपजैज्योंकीच हाथपायमोंउपजैदाह देहसनिग्धहोतहैताह त्रिषाहोयमुखस्वादीरहै जटिलकेशनखवृद्धजुलहै मूत्रमलनअरुबहुतोआवै मूत्रवरणलषभेदबतावै

॥ अथकफजदशनामभेदवरननम् ॥

॥ चौपै ॥ उदकमेहइक्षुमेहपछानो सांद्रमेंहसुरामेहवषानो पिष्टमेहअरुशुक्रजुमेह सिकतामेहशीतलषलेह मंदमेहअरुलालाजान कफजभेदयहदशपहिचान ॥ १० ॥ अथउदकप्रमेहलक्षणं ॥ चौपै ॥ निर्मलशीतलगंधविनाई नीलवरणपतलोजलन्याई उदकप्रमेहयाहिकोंजान इक्षुप्रमेहसुकरोबषान १ ॥ अथइक्षुप्रमेहलक्षणं ॥ चौपै कछुकमलनअरुपिछलजोय मधुरइक्षुरसवतहैसोय इक्षूमेहताहुकोंकहिये सांद्रमेहपुनआगेलहियें ॥ २ ॥ अथसांद्रप्रमेहलक्षणं ॥ चौपै ॥ वासीमूत्रजुजोदिनकेर रात्रिसमय वासीसोहेर रात्रिजुज्योसोदिनमंझार वासीमूत्रजतासउचार दधिकीन्यायप्रातहोयमूत प्रगटसांद्रप्रमेहइहसूत ३ ॥ अथसुरामेहलक्षणं ॥ चौपै ॥ जोमदरासमवर्णलपावै सुरामेहताहूकोंगावै ऊपरनिर्मलअधघनजान मदरामेहजुतासपछान ४ अथपिष्टप्रमेहलक्षणं ॥ चौपै ॥ चंदनादिपीत्तसमस्वेत स्वेतवर्णमूत्रलहुभेत बहुमूत्रेरोमांचतनहोय पिष्टमेहजानोतुमसोय ५ ॥ अथशुक्रप्रमेहलक्षणं ॥ चौपै ॥ शुक्रवर्णमूत्रेनरजोय शुक्रमिलतमुत्रेपुनसोय शुक्रमेंहताहुकोजानो सिकतामेहकहोंसुपछानो ६ अथसिकताप्रमे-

हलक्षणं ॥ चोपे ॥ सिकताइवकणकणकेजान मूत्रेसिकतामेहपछाण ७ अथशीतप्रमेहलक्षणं ॥ चौपै अतिशीतलमूत्रेहैजोई मधुरमेहशीतलषसोई ८ अथमंदप्रमेहलक्षणं ॥ चोपै ॥ मंदमंदमूत्रेनरजोय मंदप्रमेहजानहोसोय ९ अथलालप्रमेहलक्षणं ॥ चौपै ॥ लालाइवबहुतंतुनिकासै अरुपुनपिछलसोपरकाशै लालमेहतासकोंकहिये कफजभेदयोंदशलषलहिये इतिकफजदशप्रमेहलक्षणं

॥ अथकफजप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ प्रमेहचिकित्साकोंकहोंवंगसेनअनुसार चतुरबैधयहसमुझकैपुनकरहैउपचार ॥ अथकाथ ॥ चौपै ॥ हरडकायफलमुत्थरआन अर्जुनलोध्रजवांहांठानं पाठापुनआनोजुविडंग सभसमकूटलेहुइकसंग करेकाथपायमधुपीवे कफजप्रमेहनाशतवथीवे ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ दोनोहलदीतगरमिलाय विडंगअवरतिहकुष्ठरलाय अर्जुनशालजवायणलीजै समसभकूटकाथयहकीजे मधुमिलायकरपीवेजोय कफजप्रमेहनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ चौदै ॥ दालहलदकुठत्रायविडंग धावैपैरअगरधरसंग चंदनस्वेतआ.नसुरदार सभसमलीजैकाथसुधार मधुमिलायकरपीवेतास कफजप्रमेहहोयतवनाश ॥ अन्यच ॥ चौपै दालहलदपाठात्रिफलाय अग्निमंथहरडेंजुरलाय मूर्वाभषडेसभसमआन करेकाथमधुसंगामिलान प्रातहि. रोगीपीवैसोय कफजप्रमेहनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ गिलोयवायणहरडउशीर जामनुचित्रापाठोधिर सप्तपर्णिआमलेमिलाय करेकाथमधुपायपिलाय कफजप्रमेहहोयहैंनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश इतिकफजप्रमेहाचिकित्सा

॥ अथपित्तजपट्प्रमेहभेदनामवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ क्षारप्रमेहनीललषलहिये कालप्रमेहहरिद्राकहिये मंजिष्ठप्रमेहसुरक्तप्रमेह पित्तजमेहभेदषट्एह ६ ॥ अथक्षारप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ क्षारेजलइवगंधजुआवै क्षाररपर्शवर्णदरसावे क्षारन्यायजिहलक्षणलहिये क्षारप्रमेहनामतिसकहिये १ ॥ अथनीलप्रमेहलक्षणम् ॥ चौपई ॥ पंक्षीनामनीलडीजोहै ताकेतुल्यमूत्ररंगहोहै नीलप्रमेहताहिकोंजानो आगेकालप्रमेहपछानो २ ॥ अथकालप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ मूत्रवर्णजिसहोवैस्याह कालप्रमेहजानहोताह ३ ॥ अथहद्राप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ हलदीवर्णकटुमूत्रजुजास प्रमेहहरिद्राजानोतास अवरदाहकरनरकेताई ऐसेलक्षणतासकेगाई ४ ॥ अथमंजिष्ठाप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ मंजीठतोयतुल्यरंगजानो आमगंधजिसकीतुममानो ऐसेलक्षणहोतहैजास सोमांजिष्ठप्रमेहप्रकाश ५ ॥ अथरुध्रप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ रुधिररंगइवमूत्रेजोयउष्णसलूणाजानोसोय रक्तप्रमेहतासकोंकहिये योंनिदानग्रंथमतलहिये ॥ इतिपित्तजषट्भेदप्रमेहलक्षणम् ॥

॥ अथपित्तजप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ काथ ॥ चौपई ॥ चंदनअर्जुनलोध्रउशीर यहसमकाथकरोमतिधीर मधुमिलायकरपीवैसोय पित्तप्रमेहनाशतबहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडआमलेमुथ्रउशीर यहसमकाथकरोनरधीर मधुमिलायकरपीवैतास पित्तप्रमेहकोहोइहैनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पटोलनिंबआमलेमिलाय पायगुडूचीकाथबनाय मधुमिलायकरपीवैजोय पित्तजमेहनाशतबहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सरींहजुअर्जनधनियांआन अरुगजकेसरयहसमठान काथमिलायमखीरजुपीवै पित्तजमेहनाशतवथीवै ॥ अन्यच

॥ चौपई ॥ पद्मप्रयंगूउत्पलआन अरुकेसूसमकाथाईठान मधुमिलायकरपीवैतास पित्तजमेहकरै- यहनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अश्वत्थवैतपाठायहआनो असनकाथसमसभलेठानो मधुमि- लायकरपीवैसोय नाशप्रमेहपित्तकोहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दूर्वासैंधामुत्थ्रसिंगारे करंजु कायफलचहियतडारै समलेसभीजुकाथबनाय मधुमिलायकरप्रातापिलाय शुक्रप्रमेहहोयतवनाश दुखजावैतनसुखप्रकाश ॥ अथरस ॥ चौपई ॥ रसगिलोयकोंपीसकढावै मधुमिलायकरप्रात- पिलावै होयपित्तप्रमेहकीहान यहअपनेमननिश्चयठान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ रसआमलेजुवस्त्रछनाय चूरणहलदीसाथपिलाय होवैपित्तजमेहविनाश निश्चयमनमोंआनोतास ॥ इतिपित्तजप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ अथवातजचारप्रकारनामभेदलक्षणवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ वसामेहमज्जापरमेहु अरुमधुमेहजानियेएहु हस्तिप्रमेहचतुर्थपछान तिन्हकेलक्ष- णकरोंबषान ॥ अथवसाप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ चरवीमिलतमूत्रजोकरै चरवीरोगमूत्रसोधरै वातजवसाप्रमेहसुकहिये कह्योनिदानग्रंथलखलहिये ॥ १ ॥ अथमज्जाप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ मज्जामिश्रितमूत्रेजोई मज्जावरणपुनजानोसोई सोयहमज्जामेहकहीजै इसआगेमधुमेहभनीजै ॥ २ ॥ ॥ अथमधुप्रमेहलक्षणम् ॥ चौपई ॥ रूषोमधुरजुमधुइवलहिये मधुप्रमेहताहूकोकहिये ॥ ३ ॥ ॥ अथहस्तप्रमेहलक्षणं ॥ चौपई ॥ मदवोलहस्तीकीन्याई वेगरहितमूत्रलषपाई बद्धमूत्रप्रगट- तहैजास हस्तीमेहजुकीनप्रकाश चारभेदयहवातजकहै ज्योंनिदानग्रंथमतलहै ॥ इतिवातजप्रमेहल- क्षणम् ॥

॥ अथवातजप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ अथविलेह ॥ चौपई ॥ पटोलकंवीलाकोगुडशाल अगरपृष्टपर्णीलेडाल सप्तपर्णिजुवहेडे- आन सभसमकोंचूरणकरठान मधुमिलायकरचाटेजोय कफवातपित्तमहहरसोय ॥ अथक्काथः ॥ ॥ चौपई ॥ द्राख्याअमलतासत्रिफलाय करेकाथमधुपायपिलाय वातजफेनप्रमेहमिटावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चित्रासमागिलोयकरकाथ पाठाकोगडहिंगुचूर- णसाथ पीवैवातजमेहनसावै रोगजायरोगीसुखपावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ तिक्ताकुठसम- चूरणठान घृतसोंपीवैवडीविहान वातजमेहहोयतवनाश निश्चयआनोमनमोतास ॥ अथगुटिका- ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलायहसमल्यावै इन्हदोइसमलेगुग्गलपावै गोषुरकाथहिंगुटकावांधे बलअनुसारताहिकोंसांधे दिनप्रतिताहिवढायघटाय वातप्रमेहदेहतेंजाय वातरोगऔररक्तजुवाय मूत्र- दोषवातादिकजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ संठमुत्थरैअरुसुरदार महीनपीसकरचूर्णसुधार अवरजु- सैंधातामोपाय चूरणमधुमिलायसोषाय वान्यग्रोधादिकाथकेसंग वातिलतैलसोंपीरुजभंग बहुधा- घृतकोपानजुकरै वातप्रमेहयाहितेंटरै ॥ इतिवातजप्रमेहाचिकित्सा ॥

॥ अथकफजप्रमेहउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ अन्ननपचैअरुचिताहोय पीनसकासछर्दपुनजोय अरुहोवैनिद्राकानाश कफजउपद्र- वकीनप्रकाश अथपित्तजप्रमेहउपद्रव चौपई नाभितलैअरुलिंगमंझार बहुपीडाकरहैसंचार मूर्छातृ

षणाज्वरअरुदाह अरुविटभेदहोतहैताह अन्नपचेतेंअम्लडिकार पित्तउपद्रवकरोविचार ॥ अथवातजप्रमेहउपद्रव ॥ चौपई ॥ कंपहृदयग्रहनिद्रानाश शूलशोषहोइश्वासअरुकास सभरसभक्षणइच्छाहोय वातप्रमेहउपद्रवसोय ॥ इतिउपद्रव ॥

॥ अथअसाध्यप्रमेहलक्षणम् ॥

॥ चोपई ॥ मुखतेंलालांचलेंअपार आलसदेहजुशिथलनिहार युक्तउपद्रवजानोजोय मेहअसाध्यपछानोसोय जाकेतनपिंडिकापरकाश लषोअसाध्यजुनिजमनतास जोमधुमेहीपुरुषकहावे सोभिअसाध्यअहैलषपावै अरुजिसपित्तजहोयप्रमेह पुत्रनकोंभीहोंवेंतेह सोपरमेहअसाध्यकहावे अरुअसाध्यदुर्वलहिंलषावै अरुचिरकालहिंकोहोइजास मेहअसाध्यलषोपुनतास

॥ अथषट्प्रकारप्रमेहलक्षणं ॥

चौपै अत्यंतमूत्रचलैदिनरात निर्वलहोइअतिमूत्रकहात जाहिमूत्ररंगघृतहिसमान घृतप्रमेहतूंजानसुजान जाकोमूत्रमृदुमिसरीन्याई रंगशर्कराप्रमेहसोगाई जाहिमूत्रपरवीरजपरे पिंडिकाप्रमेहनामतिहधरे मूत्रजाहिकोदधीसमान गंधसोइतिहतक्रपछान पीकसमानमूत्रजोवहै वायुप्रमेहजानतूअहै षट्प्रकारप्रमेहजुअहे ऋषिअत्रीमतसोइहकहै

॥ अथपिंडिकादशभेदलक्षणं ॥

॥ चोपई ॥ प्रमेहउपेक्ष्याकरहैजोय प्रथमचिकित्साकरैनसोय होंहिपिंडिकादशोप्रकार तिन्हकेनामकरोउच्चार एकश्राविकानामकहीजै कछपकादूसरीभनीजै तीसरीनामतालिनीजानो विनितानामचतुर्थीमानो अलिजीपंचमनामकहैये छठीमसूरिकानामभनैये सर्षपिकासतमीपछान नामपुत्रिणिअष्टमजान सविदारिकानवमीकहैं नामविद्रधीदसमीलहैं यहपिंडिकाहैदशोप्रकार इन्हकेलक्षणकरोउच्चार ॥ अथश्राविकालक्षणं ॥ चौपई ॥ संधमर्ममांसलस्थान डूंघकटोरेइवप्रगटान ताहिश्राविकाकहेंनिदान कछपकापुनकरोंवषान ॥ अथकछपकालक्षणं ॥ चौपई ॥ कूरमन्याईरचनाजासऊचेवहीअंगहोईतास सोकछपिकाजानपतीजै कहोंजालिनीसोलषलीजै ॥ अथजालिनीलक्षणं ॥ ॥ चौपई ॥ तीव्रदाहअरुपीडासंग वहुफुनसीउपजैतिसअंग जालीन्यायफैलसोजाय यहलक्षणजालिनीकहाय ॥ अथविनितालक्षणं ॥ चौपई ॥ पृष्टउदरवापीडसमेत उठेपिंडिकालषयहभेत नीलोवरणतासकोलहिये विनिताकोलक्षणयहकहिये ॥ अथअलिजीलक्षणं ॥ चौपई ॥ जोपिंडिकाश्यामरंगहोय अथवालालवर्णहोयसोय अरुसुस्फोटसहितदर्शाय अलिजीनामसुकह्योसुनाय ॥ अथमसूरिकालक्षणं ॥ चौपई ॥ जोफुनसीमसूरिदलिन्याय सोमसूरिकाकहीसुनाय ॥ अथसर्षपिकालक्षणं ॥ ॥ चोपई ॥ जोसर्षपिकेदानेन्याय होंहिंसुसर्षपिकाजुकहाय ॥ अथपुत्रिणीलक्षणं ॥ चौपई ॥ एकपिंडिकाजोवडीभाषी तासनिकटवहुफुनसीआषी ताकोनामपुत्रिणीआषै सुनहुविदारिकायोंकविभाषै ॥ अथविदारिकालक्षणं ॥ चौपई ॥ होइजुपिंडिकाकठिनमहान कंदविदारीकेजुसमान सोविदारिकानामकहीजै ग्रंथनिदानजुमतलषलीजै ॥ अथविद्रधिलक्षणं ॥ चौपई ॥ जिहअकारददरीइवहीय नामविद्रधीजानोसोय यहदसभेदपिंडिकाकहे ग्रंथनिदानहुंतेंलषलहै गुदापृष्टहृदिमुहुंडेजास शिर-

अरमर्मसंधिहेतास इनहीस्थानमौंउपजेपिडका वैद्यजुत्यागकरेतवजिसका यहपिंडिकामेहमोंहोय विनाप्रमेहहोयभीसोय दोषदुष्टचरवीजिंहलहिये अरुमंदाग्नियुक्तजोकहिये सोअसाध्यनरकीनवषान सुनोउपद्रवपिंडिकामान ॥ अथपिंडिकाउपद्रव ॥ चौपई ॥ त्रिषामोहमदहिक्काश्वास संधमर्मअरुसं- कुचमांस काशविसर्पअवरज्वरजानो उपद्रवपिडकाएतेमानो मासमासप्रतिइस्त्रीजोय होइरजस्व- लाजानोसोय ताकोयहदुःखनाहिनथीवै रजकेगएसुखीसकहीवै ॥ इतिदशभेदपिंडिका ॥

॥ अथनीरोग्यतालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाकोमूत्रतिक्तकटुहोय अरुनिर्मलमूत्रेजनजोय तिसपुरुषहिआरोग्यपछान यहप्रमेह. कोकह्योंनिदान ॥ दोहा ॥ ऐसेंमेहनिदानकोवरन्योभलीप्रकार समुझचिकित्साजोकरैताकीवुद्धिउदार इतिप्रमेहनिदानसमाप्तम्

॥ अथसामान्यप्रमेहचिकित्सा ॥

॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ पाठामूर्वाकेसूआन फरवांहिंजवांहाकपित्थपछान अरुसरींहयहसमसमआनै करैकाथपीवैजुविहानै होयप्रमेहरोगकोनाश निश्चैआनोमनमोतास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मुत्थरदाल- हलदत्रिफलाय करैकाथमधुसाथपिलाय होयप्रमेहरोगकीहान यहनिश्चयअपनेमनमान ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ कोगडदालहलदअरुमुत्थर असनदेवदारुयहसमधर करैकाथमधुपायापिलाय रोगप्रमेहना. शहोजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिफलाचूरणमधुजुमिलाय भक्षणकरैप्रमेहनसाय ॥ अन्यच ॥ शिलाजितचूर्णमधुसोंपावै रोगप्रमेहनाशहोइजावै ॥ काथ ॥ दालहरिद्राअवरमुलठ त्रिफलाचित्राकरो- इकठ यहसमक्काथहिपीवैजोय नाशप्रमेहरोगकोहोय ॥ अन्यच ॥ ॥चौपई ॥ दालहदीत्रिफलामुथूडार विशालायहसमक्काथसुधार पीवैहलदीतामोदीजै अवरमखीररलायसुलीजै होयप्रमेहरोगकोनाश दुखनाशेसुखहोयप्रकाश ॥ अथन्यग्रोथादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ न्यग्रोधअसनअश्वत्थमंगावै रुंवलजंडी- आंवरलावै श्योनाकअमलतासाप्रियाल कपित्थजामणूअर्जनडाल धावेमहूमुलठमिलावै वरुणालोध्रव. कायणपावै पटोलमेषश्रृंगीपीसाय दंतीचित्राआढिकीपाय करंजूत्रिफलाअरुसुरदार अवरभिलावेको- फलडार यहसमचूरणपीसरषावै मधुमिलायकरतांकोषावै त्रिफलेकेजलसाथसुपीवै वीसप्रकारमेहहतथीवै अवररोगहुंकृच्छ्रविनाशै पुष्टहोयतनदुतिपरकाशै ॥ अथगोपुरादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ गोषुरुकणांमुत्थरांआन गुडूचीउदंवरपत्रपछान अंकुरदर्भदूर्वादलपावै रोहिषपत्रपुनर्नवाल्यावै कालाश्यामाशारवाजान देवदारु- आद्रकपुनमान कवीलापाठामरचविडंग भिडंगीदोइहलदीधरसंग लघुकंडचारीएरणमूल चित्राकटुदंती समतूल यहसमभागलेहपरवीन पीसोचूरणकरोमहीन लोहचूर्णदुगुणोतिंहपाय सभइकत्रकरलेहु. मिलाय कर्षप्रमाननिताप्रतिपावै अपनेमनमोनिश्चैल्यावै तप्ततोयवामदरासंग पावैवहुतरोगहोईभंग वीसप्रमेहशोथहोइनाश हलीमकअर्शपांडुजुविनाश प्लीहाशूलरोगइहनाशै होयआरोग्यदेहदुतिभासै जोसगूत्रगुटिकाकरषावै रोगजांहिंवलपुष्टिवधावै ॥ अथदाडिमादिघृत ॥ चौपई ॥ दाडिमवीजतंडुल- जुविंडग रजनीचवकचित्राधरसंग सुंठीजीरात्रिफलपाय कणाभषडेवीजमिलाय वृक्षामलीलोध्रतासमो- दीजै महीनपीसकरचूरणकीजै जवायनधनिआंसैंधाजान कर्षकर्षलेवैहितमान चूरणकरैप्रस्थघृतपावै मंदअग्निसोंताहिपकावै पानकरैपुनभोजनसाथ षावैअरुभोजनकरैपाथ नाशप्रमेहवीसपरकार मूत्रकृच्छ्र-

धातनिरवार मूत्रनिबंधज्वरअश्मरीजावै शूलअफाराकामलाधावै दाडिम्यादिजुघृतयहलह्यो अश्विनिकु-मारनयहघृतकह्यो ॥ अथसिंघामृतघृत ॥ चौपई ॥ कंडयारीगिलोययहदोय शतशतपललीजैसुनसोय ऊषलकूठद्रोणजलपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय पादचतुर्थआयजबरहै वस्त्रछनायपात्रमोगहै प्रस्थएक-घृतताहिमिलावै पुनयहचूरणतामोपावै रासनात्रिफलात्रिकुटाविडंग अवरजुचित्राधरहितसंग करंजुत्वचा-वडपांचोमूल कर्षकर्षलेवेसमतूल पायपकायसीकर्षप्रमान तिहउठषावैवडीविहान तंडुलशालीदुग्ध-हिसाथ निजहितजानभक्षयहपाथ प्रमेहअवरमधुमेहविनाशै भगंदरमूत्रकृछ्रकोनाशै अंत्रवृद्धआल-स्यविडारै कुष्ठक्षईविशेषकरडारै ॥ अयधन्वंत्रघृत ॥ चौपई ॥ लेदशमूलकरंजूदोय देवदारुहरडलख-सोय वरुणादंतीचित्राआन पुनर्नवाविल्वकदंवपछान अवरगिलोयतासमोदीजै रक्तपुनर्नवाआनामिलीजै निंबभिलावेपुष्करमूर पिपलामूलपुनपायकचूर दशदशपलयहचूर्णकरै आनद्रोणजलभीतरधरै यवकु-लत्थलेवेरकुटाय प्रस्थप्रस्थयहतामोंपाय पकायपादशेषजबरहै वसनछनायपात्रमोंगहै प्रस्थएकघृतता-हिमिलावै पुनयहचूर्णतामोंपावै निचुलभिडंगीवचत्रिफलाय गजपिप्पलजुविडंगमिलाय पूर्तीककं-बीलाआद्रकजान कर्षकर्षइन्हकोपरिमान वस्तूयहसभपीसरलाय मंदअग्निसोंसिद्धकराय यहघृतनित्य यथाबलपावै योंधन्वंत्रभाषसुनावै प्रमेहसकलअरुकुष्ठविनाशै वातरक्तअरविद्रधिनाशै गुल्मशोथअर्श-होइनाश उन्मादमृगीउदररोगविनाश ॥ अथअर्जुनादिघृत ॥ चौपई ॥ अर्जननिंबमजीठभिलावै जरचपटोलजवायणपावै चंदनमुत्थरअगरउशीर गोपुरुसोमवल्कसुनवीर निंबपटोलहरिद्राआन यहसभस-मघृतकरोमिलान अथवातैलमिलायपकावै पायप्रमेहवातकफजावै ॥ अथगोपुरादिअविलेह ॥ चौपई ॥ गोपुरुकेवलपत्रजुमूल शतपललेवैयहसमतूल ऊषलमांहिजुपायकुटाय चारद्रोणजलभीतरपाय पकायपाद-शेषजबरहै वस्त्रछनायतासकोंगहै पलजुपचासशरकरापावै मंदअग्निधरताहिपकावै सघनहोयजबही-तिसजानै दोदोपलयहचूरणठानै त्रिकुटापानपत्रत्वकएला त्रपुसीफलजाफलकरमेला अष्टजुपलतें-हवासापावै पीसस‌भीतिसमांहिरलावै नितउठचाटैबलअनुसार प्रमेहमूत्रकृछ्रनिरवार मूत्रनिबंधमूत्रको-दाह वीर्यदोषहरतालषताह रुध्रमेहमधुमेहविनाशै अश्मरीरोगहिलपयहनाशै शिलाजितसोनमषीयह-जान इन्हतेइकसेवेजुसुजान तौभीहोयप्रमेहविनाश बंगसेनयौंकीनप्रकाश ॥ अथत्र्यूषणादिचंद्रप्रभा-वटि ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलादोनोंक्यार चित्रातीनोंलवणजुडार मेषशृंगीअरकर्कटशृंगी हरिद्रादोय-दोयसारिवाचंगी एलाचवकविडंगरलाय गजपीपलपुष्करमूलजुपाय गजकेसरसोनमक्षीलीजै अवर-यवायणमुथ्रदीजै वस्तूसभसमभागसुआनै सभसमानलोहचूर्णठानै लोहचूर्णतुल्यशिलाजितपाय तासमगुगुलुआनमिलाय विधिसोंकूटेपुरुषसुजान अक्षप्रमाणनिताप्रतिमान मधुयुतखावेभक्तिसंयुक्त प्रमे-हरोगतेंहोयनिर्मुक्त ॥ दोहा ॥ प्रमेहचिकित्सायहकहीबंगसेनअनुसार आगेयाकेपथअपथसुनहोंकरोंउ-चार ॥ इतिश्रीप्रमेहचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथनिरोगतालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ निवृत्तप्रमेहलक्षणहैयेह पतलामूत्रजलसमलखलेह कडवाअरुतीक्ष्णहोइजाइ ताहिअरोगनिश्चयकरभाइ

॥ अथप्रमेहरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यप्रमेहकेकहोंसुनोसज्ञान समुझपथ्यपुनदीजियेअरुलषलेहुनिदान ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ प्रथमाहिरेचनताहिकरावे दीपनवस्तूपुनभुगतावे मोठकणकचावलसभजान फुल्लीधान्य-पथ्यपरमान स्वांककंगुणीकोद्रमजेऊ इन्हकेतंडुलपथलषलेऊ कुलथचणेमुंगीरसजान पुरातनगुड-मदरापाहिचान तक्रककोडकरेलेजानै मिसरीतालमषाणामानै जामुणफलसुहांजनाकहिये रुंवलफल-जुधत्तूरालहिये लषोमोचरसपथ्यनवीन लसुनभषडेलौंगप्रवीन तीतरलवाककबूतरमास ससामोरतोता-लहुतास अरुभगेत्राडहरनकोमास एतेमांसपथ्यकहैतास मूसेकरणीकोजोशाक सोभीपथ्यलहोसत-बाक कमलबीजभेहपुनजानो त्रिफलाअवरगिलोयपछानो हिंदबाणाअरुलायचीजान कपित्थछुहारे-वदामपछान तीक्षणअवरकसैलीवस्तु गजाश्वरूढव्यायामप्रशस्तु वातपित्तकफदोषविचार देवैपथ्यवै-द्यसुनिहार ॥ दोहा ॥ पथ्यजुकहैप्रमेहकेपुनअपथ्यसुनलेहु तीनदोषअनुसारधरयथायोग्यलषएहु ॥ अथअपथ्य ॥ चौपई ॥ मूत्रवेगरोकनपहिचान स्वेदअवरजुधूमकोपान रुधमोक्षदिनहीकोसौन कांजीतैलअवरबहुलौंन बहुदढआसनबैठनकहिये नवीनजोअन्नअपथ्यलहैये नवीनदहीअपथ्यकरजान गुडषटेआईसकलपछान अरुसमस्तजलजीवनमास कीन्हिअपथ्यप्रमेहप्रकाश ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्य-प्रमेहकेसमुझकरैपरकाश बहुप्रकारपरमेहहैपथ्यापथलषतास ॥ इतिप्रमेहरोगेपथ्यापथ्यसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ प्रमेहरोगवरननकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान॥ इतिप्रमेहरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथप्रमेहदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

प्रथमप्रमेहरोगसंख्यानिरूपणम् ॥ कर्मविपाकमत ॥ चौपई ॥ इकमधुमेंहपुनसांदरजान पयोदधी-अवरइक्षुपाहिचान शीतमेहमंदमेहपछानो लाक्षारसअरुनीलसुजानो हद्रलकालमज्जालषपावै रक्तमेहमांजिष्टलषावै गजमदमेहक्षुद्रसुनपावो जलअरुशुक्ररक्तसितगावो क्ष्यारसुरासैकितपुनमान इतीप्रमेहरोगपरिमान यहसतवैद्युपदेशपछानै सुनयाकारणपापवषानै ॥ इतिसंख्या ॥ अथसमस्तप्र-मेहकारणं ॥ चौपई मैथुनसर्वजेऊनरकरै ताकोजलप्रमेहसंचरै विमातागामीकोमधुमेह रजस्व-लागामीक्ष्यारलषेह रतिनिष्फलकारीमदलहे मित्रतियागामीशुक्रहिंगहै गोपीगामीसैकितहोय इक्षुकां-सिहरतहिंलषजोय वस्त्रचोरकोंसीतप्रमेह सुरासोउगामीहैतेय ॥ इति ॥ दोहा ॥ मातुभगिनिस्वभगिनिसु-षाअवरहुंदुहितामान भ्रात्रभार्यामातुलीगुरुतीयगामीजान इत्यादिपापपुरुषैंप्रगटशेषरहैजुप्रमेह इन्ह-पापनमेंनारचैंअपनोहितलषलेह अथसमस्तप्रमेहदोषउपाय ॥ चौपई ॥ इकपलस्वर्णधनुषनवावै-विधिसोंपूजैप्रीतिलगावै गणपतिस्वामिकार्तिकलषलेह अश्विनिकुमारजानपुनतेह अरुदिगपालपूर्ण कुंभपर इन्हकोपूजनकरैप्रीतधर करैदानविप्राहिंबरदेहि नष्टहोंहीसभहिपरमेहि ॥ दोहा॥ प्रमेहरोगवरनन कियोकारणसहितउपाय अडवृद्धकेदोषकोंभाषोसुनाचितलाय इतिप्रमेहरोगदोष कारणउपायसमाप्तम्

॥ अथप्रमेहज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ जोगुरुपडेसुनीचग्रहमकरकुंभकेमाहि दशाभीहोवेदेवगुरुप्रमेहरोगहोइताहि इसव्याधीकरसोइ नरव्याकुलचित्तधरेय पूजाअर्चावंदनाजपगुरुमंत्रपढेय इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथउपदंशरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उपदंशानिदानवषानहोंसुनहोपुरषसुजान पांचभेदपुनअवरजोभाषेग्रंथनिदान ॥ चौपै ॥ वादफिरगंनामउपदंश यामोनाहिनआनोशंस सोउपदंशजुपांचप्रकार ताकोविवरोकरोंउचार सोउपद्वंशालिंगमोंहोय महाप्रकारकहीजैसोय ॥ अथपांचप्रकारउपदंशवरननं ॥ ॥ चौपई ॥ हस्तघातकरएकोजानो नखदंतघाततेंदूसरमानो काहैकलहकिसूसोंहोय तानखदंतघातकरजोय लिंगमध्यघाउपउजावै तासोंवादफिरंगप्रगटावै विनप्रक्ष्यालनलिंगजुरहै तीसरभेदसुयातेंकहे सेवेकामवहुकरैषेद तातेंलहोजतुर्थभेद इस्त्रीयोनिदोषतेंहोय पंचमभेदलहोतुमसोय यहीभेदहोंइपांचप्रकार वातजपित्तजकफजविचार सन्निपाततेंचौथाजानो रक्तहुतेंपंचमपहिचानो पांचभेदयहाकियेप्रमान तिन्हकेलक्षणकरोंवषान ॥

॥ अथउपदंशरोगेसिक्षा ॥

॥ दोहा ॥ उपदंशाचिकित्साकहितहोंसुनलीजैंचितधार प्रथमहिंसमुझविचारकैपुनकीजैउपचार ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ जोउपदंशहोयजोसाध्य रोगीवलीजुरहितउपाध्य तौतालिंगमध्यकीनार वेधेतातैंरुध्रनिकार अथवारुधजलौकासंग निकलावैहोवैरुजभंग जोनिवलक्षशरोगीहोय औषदसोंउपायकरसोय अवरपकणतेंरक्ष्याकरै काहैपवचोलिंगगिरपरै ॥

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोफटाकलिंगपरपरैं भेदस्फुरनकष्टवहुधरैं सपीतकृष्णवातदरशावैं वातजतेंसुफटाककहावैं ॥

॥ अथवातजउपदंशचिकित्सालेप ॥

॥ चौपई ॥ पुंडरीकमुलठसरलसुरदारु अगरकुठएलापुनडारु द्राक्षरासनासंगमिलावैं लेपकरैवातजमिटजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ निचुलएरंडवीजकोंआन यवअरुकणाकसतूसमठान घृतमिलायलेपसोकरै रोगफिंरंगवातकोटरै ॥

॥ अथसरक्तपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोफटाकवहुतेगलजांहि दाहकरैरंगलालदिषांहि काचेमांसन्याईजोलहिये रक्तसपित्तजसोउभनैयें ॥

॥ अथपित्तजउपायलेप ॥

॥ चौपई ॥ उत्पलपद्मसरजअरुभेह अर्जनवैंतमुलठसमएह पीसयाहिकोलेपलगावै उपदंशरोगपित्तजमिटजावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ घृतपयसरकराइक्षुरसजोय इन्हसमसोंउपदंशहिंधोय पित्तजवादफिरंगनसावै यहअपनेमननिश्चयल्यावै ॥ अन्यच ॥ गेरिसुरमाअवरउशीर मंजीठमुलठीपावोधीर चंदनउत्पलआनामिलाय पद्मकाष्टतिसमाहिरलाय पीसेघृतवातैलकेसंग लेपपैत्तिजरुजहोयभंग ॥ -

॥ अथरक्तपितजउपाय ॥

॥ चौपई ॥ अमलतासकोकीजैकाथ ताकोंधोवैतासकेसाथ रक्तपित्तउपदंशामिटावै रोगजायव्याधीसु-खपावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कदंवानिंवअर्जनवटआन अश्वत्थउदुंवरवेंतपछान जंवूशालइन्ह-समकोक्वाथ धोवैताकोंतासकेसाथ अरुइन्हकेचूरणघृतमोपाय लेपैरक्तपित्तमिटजाय अथवाइनसंग-घृतजुपकाय पीवैपित्तजरोगनसाय अथवाइनकोचूर्णकीजै खावैरक्तपित्तरुजछीजै ॥ अन्यचलेप ॥

॥ चौपई ॥ दालहलदकीत्वचामंगावै शंखनाभिअरुलाक्षरलावै अवररसौंतसमचूरणकरै गोवरर समधुघृतमोंधरै दुग्धतैलतामध्यामिलीजै उपदंशहिऊपरलेपसुकीजै उपदंशरोगताहूतेंजाय व्रणसदाह-शोथमिटजाय ॥

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वडेफटाकशोथयुतलहियें घर्णांहोंहिसहपुरकलषैयें स्वेतवरनश्रवतेरहैंजान कफतेंति-न्हकीउत्पतमान

॥ अथकफजउपायलेप ॥

॥ चौपई ॥ लाजाअरुधनियांमघलीजै समलेपीसतैलमोंदीजै तनकउष्णकरलेपलगावै कफजरो गउपदंशमिटावै ३

॥ अथत्रिदोपजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोफटाकनानाआकार नानावरणश्रवैंजुअपार पीडातिन्हमोअधिकीहोय रोगत्रिदोष-जजानोसोय त्रिदोषजकोंअसाध्यकरजानो कष्टसाध्यअवरनपहिचानो

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

चौपै कामासक्तमूढलषपरै जोउत्पतकालइलाजनकरै चिरहूयेसोजाकुमदाह पाकलिंगहोइकरगिरजाह मरणप्राप्तनरहोवैसोय करेनचिकित्साप्रथमहिंजोय अवरभेदअंकुरकीन्याईं मांसांकुरलिंगपरप्रघटाईं उपरोउपरीअंकुरहोंहि सभइकठेमिलजांहिलषोंहि कुकुटशिखाइवलाललषावैं लिंगसंधमोंजोप्रग-टावै वर्त्तकान्यायहोयसोभासै रसश्रावैंवहुपीडप्रकाशैं इन्हकोंभीत्रिदोषजजान अहैंअसाध्यसुमनमोंठान

॥ अथइस्त्रीउपदंलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ यहउपदंशरोगजोकह्यो इस्त्रिनकोंभीहोवतलह्यो भगपरकुलथन्यायजुफटाक लालवर-णहोवैंलहोवाक लालकमलपत्रोंकीन्याईं होहिफटाकलहोतिन्हताईं ॥ दोहा ॥ कह्योनिदानउपदं-शकोजैसोंलिख्योनिदान तैंसंसभवरननकियेजानोवैद्यसुजान ॥ इतिउपदंशरोगनिदानम् ॥

॥ अथसामान्यउपदंशचिकित्सालेप ॥

॥ चौपई ॥ वटदाडीअर्जनपुनलोधर हरडेंहलदींजंवूसमधर पीसेविधिसोंलेपलगावै यहउपदंशहिं-श्रेष्टकहावै ॥ अथकाथ ॥ त्रिफलक्काथरसभंगरापाय धोयलिंगउपदंशामिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पटोलनिंवभूनिंवत्रिफलाय इहक्काथहिंकथपैरमिलाय अथवागुगुलचूर्णपावै वात्रिफलेकोचूर्णमिलावै प्रातहिंउठजोपीवैतास होयसर्वउपदंशहिंनाश ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ नीलोत्पलकुमदपद्मयहआन सौगंधकपद्मपीससमठान इसचूर्णकोलेपनकरै सभउपदंशरोगनिरवरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥वंधूक-

पत्रवादाडिमत्वचा चूर्णसुपारीवायहरचा लेपकरैउपदंशमिटाय होइआरोग्यव्याधीसुखपाय ॥ अन्यच ॥
॥ चौपई सौराष्ट्रीगेरीमुरदासंग नीलाथोथाकरइकसंग कासीसरसौंतमनछलहरताल सैंधारेवं-दयहस्तमडाल मधुरलायलेपसोकरै रुजउपदंशसवंयहहरै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरभस्ममनछलहरताल लेपकरैउपदंशाहिटाल अन्यच रसौंतसरीहवाहरडमिलावै मधुसौंलेपउपदंशामिटावै ॥ उभारा ॥ कासीसलोधरसमचूर्णपिसावै लिंगधोयतापरउभरावै यहउपायभीश्रेष्टपछान होयरोगउपदंशकीहान लेप करवीरमूलपीसजलसंग लेपैहोइउपदंशकोभंग अन्यच त्रिफलादग्धभस्मवनवावै मधुसौंलेपउदंश-मिटावै ॥ अथकरंजादि घृत ॥ चौपई ॥ करंजुनिंवअसनअरुशाल जंवूवटदाडीसमडाल इन्हसमका-थहिंघीउपकावै षायलायउपदंशामिटावै ॥ अथभूनिंवादिक्काथ ॥ चौपई ॥ भूनिंवनिंवत्रिफलाजुपटोल षैरकरंजधात्रीसमतोल इसक्काथहिंसंगघृतजुपकावै षायलायउपदंशनसावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलाअर्जुननिंवरलाय अश्वत्थगुगुलुआनमिलाय खैरकत्थपुनरास्नापावै अक्षप्रमाणगुटीवनवावै गुटिकाएकनिताप्रतिखाय लिंगविकरसभीमिटजाय अथगृहधूमादितैल चौपई गृहकोधूमहलद-मद्मेल यथोत्रलेयमेलमधतेल पकायतैलपुनलेपजुकरै शोथपीडउपदंशहिंहरै शुद्धहोयत्रंगूरवधावै रोगमिटैरोगीसुखपावै ॥ अथजंवूतैल ॥ चौपई ॥ जंवूकरंजूधात्रीवेंत इन्हसभकेपत्रसमलेत उत्पल-पद्मवलाअतिवला अगरआंबुगुलीप्रयंगुरला लाक्षमुलठीचंदनलोधर त्रिवीसभीसमकरोइकत्र वत्समू अमोपीसमिलाय अक्षभागयाकेठहराय प्रस्थतैलतिसपायपकावै लेपेलायउपदंशमिटावै ॥ अथकौशात-कीतैल ॥ चौपई ॥ लेकौशातकीलताअरबीज अरुनागरतीनोंसमलीज इनसौंतैलपकायलगाय मांसगिरैसोऊठहराय शुद्धहोयव्रणपूर्णथावै रोगजायरोगीसुखपावै

॥ अथलिंगार्शलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कुकुटाशिखाइवअंकुरुमास लिंगसंधकेमाहिजोभास लिंगअर्शताहीकोंजान ताकी औषदकरोंवषान लिंगकोशकेअंतरमाहि संधीवापर्वसंधिताहि उपजेवर्तीकोपत्रिदोष अर्शलिंगति-सराखोघोष पिछलअवरसपीडाजान कठिनाचिकित्साताकीमान

॥ अथलिंगार्शचिकित्सा॥

॥ चौपई ॥ सज्जीनीलाथेथालीजै रसौंतशिलाजितमनसिलदीजे हरितालसुरमासंगमिलावै लेपैमांसांकुरमिटजावै उपदंशाचिकित्साजेतीजानो अर्शरोगकीभीसोऊमानो चौपई लौंगजावत्रीजा इफलआन दोइदोइटांकजांनपरिमान अजमोदादशटंकामिलावै पाराढाईटंकरलावै चारथानजुभि लावेपाय कूटपीसकरचूर्णवनाय गुडपुरातनसमसभपावै चतुर्दशगुटकातासवनावै दिवसचतुर्दशता कौंषाय रोगउपदंशनाशहोइजाय गेहुंचणकरोटीघृतसंग विनालवणषावैरुजभंग ॥ अथधूम्रपान ॥ चौपै ॥ सिंगरफमासेवीसधरावै पांचमासेरसकपूरमिलावै फूलसुपारीलेदशमासै कमर कस्सअष्टसंगतासै हाफूमासेपांचप्रमाण षैरकत्थदशमासेठान पुडीचतुर्दशताकीकीजै तंवाकून्याय चिल्मधरपीजै लौनविनारोटीघृतसंग षावेहोयरोगकोभंग जोउपदंशमध्यमुखआवै कथ्यलायचीमु खधूडावै ॥ अथउभारा ॥ चौपै ॥ नीलाथोथाभस्मसुपारी मुरदासंगकत्थसमडारी सूक्ष्मपीसेधूडाकरै केतकादिनधूडेदुखटरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चरमपुरातनभस्मसुकीजै भस्मसुपारीतामोदीजै स्वेतक

थ्यतीनोसमभाय लिंगऊपरेनित्यधूडाय केतकादिनअसकरअभ्यास होईउपदंशरोगकोनाश अन्यच गुटका चौपई मुरदासंगाभिलावैल्यावै अजवायणषुरासानिरलावै त्रिफलालोध्रसुंठतिलठान पीस दुगुणगुडपायपुरान पांचटांकगुटकाबंधवावै ततोदकसेंरोगीषावै दिनाचतुर्दशलगलषषावै अस औषदउपदंशमिटावै लवणजुअमलबातनहिंषाय उपदंशमिटैव्याधीसुखपाय अन्यच चौई पांच टांकलेजंगहरीर दशटंकजुनीलाथोथाधीर वीसटांककथपरपटजान निंबूरससंगषरलकराण द्वादश प्रहरसुखरलकरावै कोकनवेरसमगुटीवंधावै तीनदिनालौंगुटकाषाय लवणबिनातापथ्यधराय रुज उपदंशहोयहैनाश निश्चयआनोमनमोंतास अथमल्हम चौपै काहीकहेलामाईराल लोध्रटंकपंच पंचडाल नीलाथोथाटांकजुएक द्वादशटांकधरमोमाविवेक चौवीसटांकघृतपसिरलावै मल्हमला यउपदंशनसावै दोहरा उपदंशचिकित्सायहकहीवंगसेंनअनुसार चतुरवैद्ययहसमुझकैपुनकरहैउपचार ॥ इतिश्रीउपदंश चिकित्सा समाप्तम्

॥ अथउपदंशरोगेपथ्यापथ्य अधिकारानिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ पथ्यापथ्यउपदंशकेकाहिहोंतासप्रसंग जाकोनामप्रसिद्धजगभाषैंवादफिरंग अथप थ्यं ॥ चौपई ॥ वमनविरेचनलेपनमान यवचावलकणकघृतदुग्धपछान लिंगमध्यकीनाडीजोय ता कोरक्तमोक्षपथसोय अरुजोकोंकररुधकढावै यहभीपथ्यतासकोगावै मारूथलमृगपक्षीमास सुहांजण फलीपटोललषतास मूलीवालकरेलेकहिये वस्तुकसैलीतीक्षणलहिये माष्योंअवरकूपकोतोय एतेपथ्य ताहिलषजोय दोहा पथ्यकहेउपदंशकेलषलेवोचितधार ताकेसुनोअपथ्यपुनसोअवकरोउचार अ थअपथ्यं दोहा ॥ मैथुनतैलगुडषेदतक्रभारीअन्नपछान अमलसमस्तअपथ्यअसयाहिरोगकेमान इतिउपदंशरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् दोहा उपदंशरोगवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान तास चिकित्साभावकेपथ्यापथ्यवषान इतिश्रीउपदंशरोगसमाप्तम्

॥ अथउपदंशरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपई जोनरसंध्याहीनलपावै ताकोउपदंशरोगप्रगटावै उपाय सोनेकोइकपात्रवनाय ब्राह्म णकोदेवैहरषाय जोअसमर्थहोइहैकोई कलसदुग्धभरदेवेसोइ उपदंशहुतेंमुक्तकहावै कर्मविपाकग्रंथ योंगावै इतिउपदंशरोगकर्मउपाय ॥

॥ अथपदंशरोगज्योतिष ॥

दोहा लग्नपूर्व्यअाठहिशनीवारहिभौमजुहोइ उपदंशरोगतिहनरवैरेपीडतखीनबलसोइ तिनोग्रहकों- जपकरेब्राह्मणजज्ञकरेय यथाशक्तदानसुकरेगृहपीडासुहरेय इतिज्योतिषम्

॥ अथशूकरोगनिदाननिरूपणम्

दोहा भाषोंशूकनिदानकोंसुनलीजोचितधार भेदवहीउपदंशकोप्रगटकरोंउचार ॥ चौपई ॥ शूक- भेदउपदंशपछानो अवरभेदभीसुनोवषानो मूढलिंगमिरजादात्याग लिंगवृद्धकरनेकोंलाग औषदउ- ष्णलिंगपरलावें अधिकव्याधतातैंप्रगटावें ऐसेभीहोइशूकविकार ताकोलक्षणकरोंउचार अष्टाद- शातिसभेदवषाने ग्रंथनिदानहुतेंलषमाने गौरीसरसोंकीजोन्याई फुनसीवहुतालिंगप्रगटाई सरषपकाक- हियेसोंव्याध कफअरुवातजयहीउपाध किटिनजुटेढीफुनसिलहैये सोअष्ठीलीनामकहैये सोके-

वलवातजकरजान कफतेंहोहिसुकरोंवषान फुनसीमिलतहोंहिलिंगसारे स्वेतवरणसोकफजउचारे ग्रंथितनामतासकोगायो ग्रंथनिदानहुंतेंलषपायो जंवूफलकेरंगसमान रक्तपित्ततेंतिन्हकोजान कुं-भिकानामव्याधसोभनो श्यामफटाकसुत्रलिंगीगनी जोफुनसीत्रतिलंबीलहिये मध्यहुतेंचौरीलषपैये तासनामत्रवमंथकहीजै कफत्ररुरक्तहुतेंसुभनीजै कलीकमलन्यायरंगलाल रक्तपित्ततेंहोयविशाल नामतासपुष्करकात्रहै त्रवरव्याधपुनत्रैसेंकहै रक्तमुदगमाषपरिमान त्रजीरणरक्तपित्ततेंजान उत्तमनाम-व्याधसोकहिये त्रैसेलक्षणतासलषैये जोसूक्ष्मछिद्रोंसहितलषावैं चारोंउोरलिंगदरशावैं वातरक्ततेंजा-नोसोय नामतासशतयोनिकहोय यातेंहोवतहैत्वकदाह पाकहोत्ररुज्वरउपजाह त्वकपाकशूकति-सनामभनीजै त्रर्वुदत्रागेंरक्तकहीजै रक्तश्यामवहुहोंहिफटाक त्रर्वुदकनामसतवाक नाभितलैसोपी-डाकरै त्रर्वुदनामचिन्हत्रसधरै स्पर्शहुतेंपीडात्रतिमाने स्पर्शहानितिसनामवषाने मांसदोषतेंउपजितजो य त्रर्वुदमांसजानियेसोय जाकोमांसगलतहोइगिरै त्ररुपीडावहुतीसोकरै मानपाकनामतिसजानो त्रागेत्रवरसुनोंसुवषानो संनिपाततेंउपजितजोय श्रवतरहेपीडाकरैसोय एसेलक्षणहोवतजास शूकविद्र-धीजानोतास जोफुनसीश्यामहोयगिरपरैं व्याधनामतिलकालकधरैं यहसभव्याधजुवरणसुनाई त्रर्वु-दमांसपाकजोगाई त्ररुतिलकालकव्याथजुकही यहत्रैव्याधत्रसाध्यसुसही त्रवरसमस्तव्याधजो-भनी कष्टसाध्यासोशास्त्रहिंगनी ॥ दोहा ॥ शूकनिदानवषान्योजैसेंलिख्योनिदान प्रथमचिकित्साजो-करैताकीहोयनहान इतिशूकनिदानसमाप्तम्

॥ त्रथशूकरोगकिचित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साशूककीजोउपदंशसमान यातेंत्रल्पवषानिसोसमुझैंवैद्यसुजान ॥ चौपई ॥ शूकरोगमोंत्रैसेंमान रक्तमोक्षरेचनहितजान रक्तजलौकनकरानिकसावै त्रथवानाडीवि-धकरावै नाडीश्वेदउपनाहप्रमाण स्निग्धश्वेदमृदुधावनजान ॥ त्रथत्रौषदप्रकार ॥ त्रिफलाक्वाथसं-गगुगुलपीवै शूकरोगनाशतवथीवै लेप त्रिफलालोध्रसंगतैलपकाय लेपैंशूकरोगमिटजाय त्र-न्यउपाय विसर्पिरोगकीत्रौषदजेई शूकरोगमोंहितकरतेई त्रवरवलाकोतैलप्रमान तैलप्रथकप-रणीपुनजान यामोरक्तजुत्रधिकलहीजै त्रौषदरक्तविद्रधीकीजै त्रथतैल दोदोहलदिहरडपुनजान गृ-हकोधूमसभीसमठान तिन्हसोंतैलपकायलगाय शूकरोगनष्टहोइजाय त्रन्यन कुचलात्रिफलालोध्र-मंगाय इनसंगसिद्धसुतैलकराय ताहितैलकोलेपनकीजै कुंभिकात्रलजीरोगहरीजै वाइनवस्तु-कोरोपनकरे कुंभिकात्रलजीपिटकाहरे त्रथलेप ॥ चौपई ॥ गुंजाभस्मसियाहीत्रान दोनोहलद-मुलठीठान मनछलत्रवरलेहुहरताल सभयहत्रौषदसमलेडाल पीसैघृतमधुसंगामिलावै लेपकरैरुजसू-कनसावै ॥ त्रन्यच ॥ रसोंतजुपारात्ररुकासीस लेपैहोयशूकरुजपीस ॥ दोहा ॥ कहीचिकि-त्साशूककीवंगसेनकेभाय पथ्यापथउपदंशकेयाकेसोउलषाय ॥ इतिश्रीशूकरोगसमाप्तम्

॥ त्रथफिरंगकीउत्पत्तिनिदानलक्षणयत्न ॥

॥ चौपई ॥ फिरंगनामइकदेशकहाय होतप्रगटतिसदेशमोत्राय वहुवर्तेतिसदेसकेमाहि फिरंगना-मतिस्वैद्यसुगाहि ॥ दोहा ॥ गंदरोगयहहोतहेयाहीनामफिरंग पुरुषतियासंयोगतेंजानोहोतानिसंग ॥ दोहा ॥ फिरंगरोगकीउत्पत्तिकहोंत्रतिइस्त्रीसंग गर्मीककेमंदहोइवात्रौरपुरुषकरुसंग १

जिहजोनिगर्भविरैतिहसंगहोतविकार यागर्भीबालेपुरुषजिहमूतेतिहकरधार अथवाभोजनताहिसंगपव नकोपकरजाय अथवाक्षीणबलपुरुषहोयभोगकरैअतिभाय ३ अत्यंतभोगबंधेजनहितिहकारणयहहोय वायूकोपप्रगटातहैकायपीडकरसोय ४ वायुकोपसेंपित्तकफतीनोंउलटेहोन कोपकरैअतिरूपकरफिरं- गरोगकरतौन ५ आगंतुजव्याधीजानियेदोषनेमनहियास लक्षणकरतिसजानकेकरतवैद्यपरकास फिरं- गरोगत्रैविधकह्योवाह्याभ्यंतरएक इकअंतरइकवाह्यहींजानोतासाविवेक आगंतुकजोनामहैफिरं- गवायुसोंजान त्रिविधनसेंजोकायमेंताहिधसैसोमान ६ फिरंगरोगजिसहोतजोनारीतासंगवरननकरै बिनविचारजोवरननकरेफिरंगरोगतिसआनसुवरै

॥ अथशरीरकीत्वचाकेवाहरहोउसकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ फुनसीवहुइंद्रीपरकरै स्फुटनआदिसभचिन्हसोधरै पीडाअल्पताहिमोमाने सुख- हिसाध्यतिहवैद्यपछाने यत्नताहिहोवतहितसार वैद्यकग्रंथप्रमाणविचार

॥ अथशरीरकीसंधिमेंऔरनसोंमेधासिजायउसकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ अमरआदिकेदंशकीन्याई दस्मटपडेशरीरमोंजाई आमवात- कोपिडाजैसे होवतताहिशरीरमोतैसे शोथसहितकटिजंघापीर कष्टसाध्यनरजानसुधीर

॥ अथशरीरकेअंतरवःहरहोयउस्कालक्षण ॥

चौपई त्वचासंधिकेलक्षणजोय जिसरुजमोसभदेषेंसोय इनलक्षणजोंबहुदिनरहै सोमहकष्टअसाध्यकरकहै

॥ अथफिरंगवायुकाउपद्रव ॥

॥ चोपई ॥ कायाक्षीणबलजातारहै नाकगलैअग्निमंदकरवहै मांसरुधिरबलसूकतजाय हाडरहै. अतिवक्रदिषाय याहिउपद्रवमंदविचार सर्वसरीरक्षीणकरडार ॥

॥ अथफिरंगवायुकायत्न ॥

॥ चोपई ॥ रसकपूरकेखानेऔरवनानेकीविधिः ॥ रसकपूरचाररतीपरमान कनकआटेकीटि. किठान भीतररसकपूरधरलीजै गोलीकरैवीचसोकीजै लवंगपीसतामोंलिपटाय मुखधरशीतलजल. निगलाय दांतनलगैतिहगोलीसंग इहविधिखायजुपुरुषनिसंग नागरवेलपत्रफुनचावै नौनषटाईवर्जकर भावै खेदनकरैधूपनहिधरै इसीरीतत्रैदिनतककरै फिरंगवायुकीहोवैहान निश्चैकरकैमनमोंजान ॥

॥ अथसंप्रसारणगुटिका ॥

चोपै ॥ पाराटंकखैरइकटंकभर अकरकरादोटंकताहिधर सहितटंकतीनपरमाण पीसमिलायगोलीसत्त ठान नित्यप्रभातइकगोलीखाय सीतलजलऊपरतिहभाय फिरंगवायुजावैदिनसात नौंनखाटाईवर्जकहात ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पाराशुद्धदोटंकपरमान गंधकशुद्धताहिसमजान तांबूलदोयटंकतिहपाय खरलकरैमहीनपीसाय कजलीकरसतपुडियांकरै एकपुडीनितधूनीधरै फिरंगवायुजावेतिहकारण मनमोजानबुद्धवंतविचारण ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पीतपुष्पिबलापत्रमंगावै रसकाढेटंकपारापावै हाथ- मलैदोनोमिलचाहि तवतकमलैजोसूकतजाही पाछेहाथदोनोसेकाय पसीआवैजबतकभाय इसीरी- तसोंसतदिनकरैफिरंगवायुसवतनतेहरे नौनखटाईवर्जकरजान भावप्रकाशमोंकियोवषान ॥ पुनः ॥ ॥ चौपई ॥ निंवपत्रअठटंकधरीजै हरडछालइकटंकमिलीजै एकटंकभरआमलेपाय हलदीटंकजुअर्ध

रलाय यासभकोमहीनपीसाय मासेचारानितसतादिनखाय कांजीजलऊपराहितपांन अंतरवहरफिरंग-नसान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चोवचीनीकाचूरणकीजे मासेचारमधुसंगसुलीजे चाटैताहिफिरंगनसाय नौनखटाईवर्जकराय अन्यच चौहई ॥ एकटंकपाराशुद्धलिआवै कुरंटकरससोंखरलकरावे पांचटंकगु-गलतिहपाय अकरकराकुठत्रिफलाल्याय टंकटंकइहसभपीसावे मधुघृतदोदोपलजुमिलावे कर्षप्रमान-निताप्रातिषावे अथवामर्दनदेहकरावे फिरंगरोगहोयमूलतेनास कह्योग्रंथजोभावप्रकास वर्जेलौनखटाई-जानर भावप्रकाशकह्योइहहितकर ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ रेचनरक्तलुडानपरमान फिरंगरोगकीहोवै हान ॥ पुनः ॥ चौपई ॥ पराशिंगरफनीलाथोथा हीराकसीसपावेसमजोथा आंवलेसारगंधकफुनजान येसवदारूखरलकरान एकसमानजवसभहिहोवै बुहारैअथवालेपैसोवै यातेफिरंगवायुसवजाय सर्वग्रंथइ-हकियोवनाय ॥ अन्यच ॥ घृतकोंएकशतपाणीधोवै लेपैफिरंगरोगतनखोवै ॥ अन्यच ॥ नीलाथोथा-मोमरलाय दोनोघृतमोलेयपकाय लेपकरैदेहदुिखहरै फिरंगवायुकोनाशसुकरै ॥ अन्यच ॥ कटूतैलइ-कटंकजुल्याय मोभपांचटंकतिसपाय वेरकवीलादोधेलाभरलेय सिंधूरसोरामुरदासंगतेय दोदोटंकइ-हतीनोल्याय सवमहीनअतिपसिकराय पीतलपात्रमोंतिसपावे मंदअग्निसोंमिलमवनावे खूववनायड-वीमधधरै कजलीदेयफोडेसवहरै उपदंशइत्यादिकरोगविनाशै मल्हमनामशुभग्रंथप्रकाशै ॥ अन्यच ॥ सिंधूरआधपालेयमंगाय गोघृतसेरभरताहिमिलाय देहीलेपकरैतिहसंग ऊपरपलेटपरालीअंग तीनदिब सइहलेपसुकरै खीरखायअतिहितमनधरै व्रणमातरहरविस्फोटफिरंग चकत्तेसवहिसुकावैअंग अन्यच ॥ चौपई ॥ पारासीसादोयसमलेय खरलकरैपुनकजलिकरेय कनकतुषकाचीइस्लीआन निंवपत्रस-मपीसकरान निंवूरससोंखरलसुकरै दोयटंकभरगोलीधरै कायाऊपरवस्त्रपुनडार इकगोलीअग्निप-रधार सातदिवसइहधूनीलेय सर्वप्रकारकोरोगहरेय इसउपरंतखीरनितखाई इकीवाचौदादिनताई अथवात्रिफलाखैरसारसम जावित्रेलेयजुकाथकरेतिमुंखधोवैपुनधूनीलेय फिरंगवायुकोतुर्तहरेय अन्यच कालाजीराअरुकुठआन दोनोलैत्रैटंकपरमान पुरातनगुडत्रिगुणाकरमेल कूटसभीगोलीकररेल इकसं-ध्याइकप्रातसुखाय फिरंगरोगकोलेयनसाय रोटीकनकघृतसोचुपडाय खावैरोगफरंगजुजाय अन्यच शिंगरफछेमासेपरमान दसमासेजुसुहागाठान अकरकरादसमासेलेय मोममासेदसमहीनकरेय गोलीरत्ती प्रमानवनाय इकगोलीनितनेमकराय वेरकोलेसंगधूनीदेय तौफिरंगकोवातहरेय अन्यच शिंगरफचा-रमासेमंगवाय मनसिलसमयहलेयपिसाय वेरअग्नसोंधूनीदेय स्थानवातविनवस्त्रधरेय फिरंगवायुइहधू-नीजाय भावप्रकाशमोकह्योवनाय

॥ अथरसकपूरजोमुखआयाहोयउस्काजतन ॥

॥ चौपई ॥ दोपलगूलरप्लक्षवटजान वैतअवरवक्कलपारिमाण काडाकरकुरलेतिहकरै सूजनडोष्टमु-खतुर्तसुहरै ॥ पुनः ॥ चौपई ॥ पांचटंकजीरामंगवाय खैरसारदोटंकमिलाय जलसोंपीसलेपतिहकरै तौमुखपायरोगसवहरै ॥ इतिफिरंगरोगउत्पत्तीयत्नसमाप्तः ॥

॥ अथान्यप्रकारफिरंगरोगकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ वादफरंगरोगजोकहिये आतशकनामफारसीलहिये श्वेतरंगकेदाणोहोई खुष्क-होतरंगकालासोई तीक्षणपित्तरुधिरकफजांनो जलनहोतदुखदायकमांनो आदयतनकरसीघ्रहटावे करेफसदवाजोंकलगावे तौफुनिरेचकओपधहोई आगेलेपलिखाकरसोई हलदीमेंदीहरडमंगावे

अथवातृवीताहुसंगपावे गुलावपुष्पकेसरसंगहोई कपूरमेलपीसेनरसोई पावेनीरलेपकरवावे तीन-वारदिनवीचलगावे अकीयानामघासइकहोई धनिएरससोपीसेकोई छालेऊपरलेपकरावे छालेदूर सीघ्रसुखपावे एरनपत्रफडकडील्यावे पीसनीरसंगलेपचढावे गिरीरतककीलीजोसोई पीसनीरसंग-टिकीहोई तैलवीचधरतैलजलावे तैललेपकरछालाजावे छिलकानिंवमंगावेकोई नीलोफरमुत्थर-संगहोई वरूलपत्रजढपन्हील्यावे चंदनलालआमलापावे आठसेरजवहींरहजाय सेरदोईघृतगो-कापाय चाडअगनपरसोगडकावे रहेशेषघृतक्काथजलावे सोघृतलेकरमर्दनकरिए सकलदोषनिश्चे-करहरिए चंदनलाललोध्रमंगवावे जाईपत्रभागसमपावे गोघृतमेललेपकरसोई छालादूरसीघ्रसुख-होई छिलकाप्रथमानिंवकाल्यावे छिलकाजामनपाडलपावे जलकेसंगपीसिएसोई घृतमिलाय-मर्दनसुखहोई चिरायतासुंठागि लोइमंगावे धमाहमेलसमऔषधपावे नौमासेनितचूरनखावे सीतलजलसोंदोषहटावे निंवपरूलपत्रमंगवावे दारुहर्दलकौडमिलावे तरायमांनजढसोसन-लीजें गिलोकिरायतातासंगदीजें करेक्काथसीतलहोजावे मासेसातमखीरमिलावे पीवेप्रातसीघ्र-सुखहोई उपदंसरोगहटजावेसोई सुहागावावडिंगमंगवावे कृष्णमूसलीसिंगरफलावे दोदो-तोलेऔषधलीजें सातोभागवरावरकीजें एकभागकाधूमलगावे ऐसीविधकररोगहटावे, गिठप्रमा-णगर्तइकहोई वचिआगपरराखोसोई निकसेधूमतोऐसाकारिए चक्काकापुडऊपरधारिए ऊपररोगी-वैठेआय रजाईऊपरताहिउढाय विधिवतधूमलगावेकोई दिवससाततकऐसाहोई जाविधधूमताहु परलावे रोगदूररोगीसुखपावे करैपालऔषधहितहोई जाविधरोगदूरकरसोई ॥ इइश्रीचिकित्सा-संग्रेहश्रीरणवीरप्रकासभाषायांउपदंशाऽधिकारकथनंनामाद्दिपंचासत्तमोऽधिकारः ॥ ५२ ॥

॥ अथअंडवृद्धिकीउत्पति ॥

॥ चौपई ॥ जाहिवस्तुमारुतकुपजावे भोजनसीतलजलतरआवे मलमूतरकोवेगरुकावे युद्धकरै-अतिभारउठावे मार्गचलितअंगसबतोडत औरक्षोभमेंचित्तजुजोडत इनकारणवायुअतिकोपत अंग-नसांनीचेकररोकत पेटऔरजांघनकीसंधि सोचकरैपीछेरगवंधि अपनेठौरमेंवैठसुजाय किसीसमैवा-हरचलआय जबसोजैतबबाहरआवे वायूअधिकतवअंतरजावे इहप्रकारअंडवृद्धीकारण ग्रंथवागभट-कियोउचारण.

॥ अथअंडवृद्धरोगनिदानवरननं ॥

॥ दोहा ॥ अंडजुवृद्धनिदानकेभेदजुसातप्रकार सोसमस्तविवरेसहितसुनहोकरौंउचार ॥ दोहा ॥ वातकहारविहारकरकुप्तहोतजववात नसआंद्रोंमेप्राप्तहोअंडवृद्धिउपजात ॥ चौपई ॥ ऊर्द्धगतीजाकी जवहोय ऐसाकुद्धतवातजुसोय लिंगजंघनाडिनकीसंध प्राप्तहोयसोहोवैवंध अंडवृद्धिकरतीहैजोय सप्तप्र कारभेदलषसोय वातजापित्तजकफजपछान त्रिदोषजरक्तजमेदजमान मूत्रजसप्तमजानपतीजै ऐसेंसा-तोंभेदलखीजै.

॥ अथवातजअंडवृद्धलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पूर्णअंडपालकीन्याय दिपियतसांरूषोदरशाय विनाहेतुपीडाउपजावे वातजअंडवृद्धसुकहावे

॥ अथवातजअंडवृद्धचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिवीसुघृतसोंखावैजोय यहरेचनहितकरहैसोय ॥ अन्यउपाय ॥ एरंडतैलदुग्धकेसंग मासपर्यंतषायरुजभंग ॥ अन्यच ॥ एरंडतैलसगुगुलषावै वागुगुलमूत्रसंगअचावै अंडवृद्धवातजहोइनास तासउपायकियोपरकाश ॥ अन्यच ॥ नारायणितैलभक्षणकरै अरुमर्दनताकोअनुसरै अंडवृद्धवातज-होइनाश निश्चयआनोमनमोंतास.

॥ अथपित्तजअंडवृद्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ उदुंवरफलवतदाहसमेत पित्तजअंडवृद्धलहुभेत.

॥ अथपित्तजअंडवृद्धचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रक्तजलौकासंगनिकासे पित्तजअंडवृद्धसोऊनासे ॥ अथलेपन ॥ चंदनपद्ममुलठउशीर नीलोत्पलइकसमलेधीर पीसदूधसोंलेपनकरो दाहशोथअंडनपरिहरो ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वटअ-श्वत्थपलक्षउदुंबर कपीतनइन्हकीत्वचावरोवर पीसेगोघृतसंगमिलीजै लेपकरैरोगसोछीजै अथवाइ-नकाक्काथवनावे सीतलकरतिससेचकरावे तातेंअंडनशोथनसाय वंगसेनमतदियोवताय ॥ इति ॥

॥ अक्षकफजअंडवृद्धलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शीतलअंडसनिग्धलषावै कंडूअरुगुरुताप्रगटावै पीडअल्पहोतहैजास कफजअंडवृ-द्धलषतास.

॥ अथकफजअंडवृद्धचिकित्सा ॥

॥ लेपन ॥देवदारुगोमूत्राहिंसंग लेपनकरैहोयरुजभंग ॥ अथक्काथ ॥ देवदारुकोक्काथवनावै गूत्रमिला-पीवैदुखजावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटासेंधाक्षयार समयहपावोक्काथसुधार पीवैअंडवृद्ध-

रुजनाश ताकोगुणयहकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ केवलत्रिफलाकाथवनावै सहगूत्रप्रातपी.वैरुजजावै ॥ लेप ॥ चौपई ॥ बरचसर्षपायहसमलीजै पीसगूत्रसोंलेपनकीजै अंडवृद्धकफजहोइनाश सुखउपजमनेहायहुलास स्वेद उष्णलेपनपरसस्तु अरूहितकररुषीसभवस्तु ॥ इति ॥

॥ अथत्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ जाहिवातकफअधिकवधावै अंडसूकदेहीप्रगटावै नेत्रपीतवरहोतविकार द्वंदजअंडवृद्धसोधार

॥ अथकफवातद्वंदजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लेपन ॥ लेसुहांजणात्वचापिसाय गोघृतसंगसुलेपलगाय वातजकफजरोगसोनाशै सुखउपजैदुतितनकीभासै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सरलकुठअगरसुरदार सुंठएकसमपीससुधार गोमूत्रअरुकांजीसंग लेपनकरैशोथहोइभंग ॥ अथहरीतकीभक्षण चौपई ॥ हरडेंगूत्रहिंपायपकावै लवणतैलसोंप्रातहिंषावै कफवातजकोशोथनिवारे तासउपायजानलषधारे

॥ अथरक्तजअंडवृद्धलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ सहितरफोटश्यामरंगहोय पितकेचिन्हसकललषसोय रक्तजअंडवृद्धसुकहावै मेदजकेलक्षणपुनगावै

॥ अथरक्तपित्तजअंडवृद्धचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दाहपित्तहरऔषदजोय याहिरोगमोंहितकरसोय अधिकवेगरक्तजोजाने रक्तमोक्षसजलौकाठानै शीतललेपनयापरकरै पकैंनाहिरक्ष्याउरधरै अरुरेचनकीऔषदजोय मधुशरकरासंगषावैसोय अवरशिरोरेचनकरवावै रक्तसपित्तजरोगनसावै ॥ रुधनिकासनअन्यप्रकारविधि ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंगूत्रतप्तसोकरै पुनउतारनिजनिकटहिंधरै तामोंवस्त्रपोटलीभेय करेटकोरअंडपरतेय पुनहिंधानअग्रकेसंग चोभेदेवैवैद्यानिसंग इंहप्रकारसोरुधनिकाशै रोगजायतनसुखपरकाशै इति

॥ अथमेदजअंडवृद्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफलक्षणसंयुतलषपेये मृदुलतालफलइवसुकहैये मेदजअंडवृद्धसोजान मूत्रजअंड. वृद्धयोंमान

॥ अथमेदजअंडवृद्धचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रासनाअवरमुलठपटोल वासाअमलतासस‌मतोल एरंडवलागिलोयमिलाय मंदअग्निधरकाथवनाय एरंडतैलमिलायापिलाय मेदजअंडवृद्धरुजजाय ॥

॥ अथमूत्रजअंडवृद्धलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोनरगमनमार्गमोंकरै वेगमूत्ररोकनसोधरै ताकोंमूत्रजअंडविकार होइजलपूर्णमसकआकार मूत्रकृछ्रवतपीड़ाहोय तासउपेक्ष्याकरेनकोय तातेंहोतअफारातास सोअसाध्यहैकरहैनाश ॥ दोहा ॥ अंडवृद्धकोयहकह्योमनमोंसमुझनिदान करैचिकित्सासमुझकेताकहियेनहान ॥

॥ अथमूत्रअंडवृद्धचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सीतलवस्तुनरसेवनकरै जवधणियांकोपथ्यअनुचरै काथसौंफगुलखैरमिलाय पीवै मूत्रजरोगमिटाय ॥

॥ अथसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ एरंडतैलविशालापाय दुग्धमिलायसुताहिपिलाय शूलसहितअरुसहितअफार अंड-वृद्धित्रिदोषजटार क्काथ चौपई एरंडवलागिलोयमुलठ रासनाभषडेकरोइकठ करोक्काथरोगीकोदेय अंडवृद्धरुजनासकरेय अंगुष्ठतर्जनीदोनोसंग पकडवृक्षणदेदागनिसंग इहविधिवातविकारनिकासे तातेंअंडवृद्ध-रुजनाशै ॥ क्काथ ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलापिपलामूल देवदारुसभलेसमतूल विधिसोंकीजैक्काथसु-धार पुनमिलायसैंधाअरुक्षार तीनमासपर्यंतपिलावै वातजकफजअंडरुजजावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै-मूलविशालाचूरणकीजै एरंडतैलदुग्धसोंपीजै सप्तादिवसपर्यंतापिलाय अंडवृद्धरोगमिटजाय अथलेप-मूलभिंडंगीकोपीसाय जलमिलायकरलेपलगाय अंडवृद्धरुजअरुगंडमाल नाशहोहिजानोततकाल ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जलसीपीगर्भहिगोघृतपाय सातादिवसलगधूपधराय पुनतिहसैंधालवणमिलावै विधिसोंताकोलेपकरावै अंडवृद्धरुजहोवैनाश दुःखनाशेतनसुखपरकाश अन्यच लजालूमूलगृध्रविष्टाऊ लेपनकरेरोगमिटजाऊ अथशतपुष्पादिघृत चौपई शतपुष्पगिलोयीलेसुरदार चंदनदोनोरजनीडार दोनों-जीरेत्रिफलापावे नागवल्लीरासनामिलावैं गुगुलवृक्षत्वचापहिचानों मांसीवरचकुठपत्रजुठानो एलाककड-शृंगीचित्रा असगंधशिलाजीतठानोमित्रा सैंधाकौडतगरजुविडंग पतीसइंद्रयवठानोसंग यहसभ-कर्षकर्षपरिमान सभमिलायकूटेमातिमान प्रस्थएकघृतताहिमिलावै प्रस्थप्रस्थरसइन्हकोपावै निंवपत्र-वासादलजान एरंडकंडचरीरसठान प्रस्थएकतिहदुग्धमिलावै मदनपत्ररसप्रस्थरलावै मंदअग्निधर-सिद्धसुकीजै वलअनुसारप्रातउठपीजै अंडवृद्धरुजसर्वप्रकार नाशहोयनिश्चयमनधार ॥ अथगंधर्वह-स्ततैल ॥ चौपई ॥ शतपलएरंडमूलमंगावै पंचसुंठीयवआढिकपावै द्रोणएकजलपायपकाय पादशेषसमदुग्धमिलाय प्रस्थजुपावेएरंडतेल एरंडजढपलचारसुमेल त्रैफलआद्रकरससंगदीजै सिद्ध-होयपुनप्रातहिंपीजै दुग्धसाथपथ्यतिसपावै अंडवृद्धरोगमिटजावै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साअंडवृद्ध-कीवंगसैंनअनुसार आगेसुनयाकोकहोंपथ्यअपथ्यअधिकार ॥ इतिश्रीअंडवृद्धरोगाचिकित्सासमाप्तं ॥

॥ अथअंडवृद्धरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा अंडवृद्धकेपथअपथभापोंसोलषलेय चतुरवैद्यप्रथमहिंसमुझपुनऔषधरुजदेय ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ रेचनवस्तीकर्मलहीजै रुध्रमोक्षपुनस्वेदभनीजै लेपनमर्दनइटासिटजानो एरंडतैलपथ्य-लषमानो मारूथलमृगपक्षीमास तंडुललालजानपथतास भषडेअरुसुहांजनेफली पटोलहरडपथ-औषदभली वृंदाकगिरंजनमसुरजुलसण तांबूलपानलपलेबोलवण तक्रतप्तजलत्रिकुटाकहिए अवरपु-रातनमदरालहिये जोजोआमवातपितकहे सोसोपथ्ययाहिकेलहे अवरहुंदीपनअन्नजुपान तेसभ-हनकोंपथ्यपछान भुजानाडिकोरुधछुडावै वंक्षणअर्द्धचंद्रदागदिवावै ॥ दोहा ॥ अंडवृद्धकेपथ-जितेसभहीकीनवषान याकेजेउअपथ्यहैंसोसुनपुरुषसुजान ॥ अथअपथ्यं चौपई ॥ जलकेजीवन-कोजोमास दधिअरुमाषअपथलहुतास अरुपिष्टान्नअपथ्यहीलीजै भारीवस्तुअपथ्यभनीजै वीर्यवेगरोकन-जोकह्यो सोभिअपथ्ययाहिकोंलह्यो ॥ दोहा ॥ अंडवृद्धकेपथअपथकहेसभीसमुझाय समुझचिकि-त्साजोकरैताकोंभयनाहिकाथ ॥ अंडरोगेपथ्यापथ्यधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ अंडवृद्धवर्ननकियोप्रथम-हिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्सावरनकैपथ्यअपथ्यवषान ॥ इतिश्रीअंडरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथअंडवृद्धरोगेदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोवहुतेमृगपक्षीघावै अरुपक्षिनकेअंडेषावै तिसकोंअंडवृद्धहोइरोग ताउपायलषोयोंलोग ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ विष्णुमूर्तस्वर्णकीठान पंचामृतहिकरायस्नान कमलअष्टदलसाजविराजै विधिवतजजैसमग्रीसाजै पुनसभलोकपालनकोजजै विष्णुमंत्रकरहवन-हिंसजै ब्राह्मणश्रेष्टप्रथमजुसेवै सोसंकल्पकरताकोंदेवै याहीरोगतेंमुक्तिहोय समझलेहुअपनेमनसोय ॥ दोहा ॥ अंडवृद्धकेरोगकोकारणकह्योउपाय श्लीपदरोगवरननकरोंसुनियेसोचितलाय इतिअंड रोगकारणउपायसमाप्तम्

॥ अथअंडवृद्धज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ सूर्य्यजुहोवेकर्कटहितिहपरमंगलदृष्ट अंडवृद्धहोईताहिनरनिश्चैकरजहश्रेष्ट सूरयकोअ-र्चाकरैविधिसोंविप्रमनाई असेकारणप्रीतकरअंडवृद्धनरहाई ॥ इतिअंडज्योतिषम् ॥

॥ अथऊरूस्तंभरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ ऊरूस्तंभनिदानकोशास्त्रकेअनुसार वरननकरोंसुसमुझकेसुनलीजैचितधार ॥ चौपै जोअतिशीतलवस्तुकहैये जोअतिउष्णअवरद्रवलहिये कठिनस्निग्धगुरूअतिहोय इन्हवस्तुनकोंसे-वैजोय अतिजागरनसयनअतिकरे अथवावहुश्रमपेदहिंधरै कफवातसमेदासंचितहोय इकठेदोइ होइधावैंसोय पितकोंहतसुऊरूनमंझार प्रातिहोयकरकरैविकार चूलनकेहाडोंकोंभरैं ऊरूस्तंभस-कफसोकरैं ऊरूशीतलहोंहिअतिचेत वडभारीहोंइपीडसमेत ऊरूस्तंभयाहिकोनाम आढ्यक-हितकोइयहदुखधाम ॥

॥ अथपूर्वरूपं ॥

॥ चौपई ॥ निद्रापीडाज्वररोमांच छर्दअरुचहोइजानोसांच जंघाऊरूपीडाहोय पूर्वरू-पजानोतुमसोय यामोंजोअपनेअज्ञानि वायविकारशंकामनआन तैलादिकमर्दनजोकरै तातेंरोग-पगनमोंपरे चरणनमोंपीडाउपजावत सुतहोंहिदोइपादलषावत कष्टसहितसोपायउठावै जंघा-ऊरूदुखप्रगटावै पृथवीऊपरपायधरैजव अतिपीडापादनहोवैतव क्षितिसपर्शचरनकोंज्ञान नाहिं-होवेमनऐसेंआन जोपगटेढेभग्नलषान दूसरकरहोवैंसवाधान ॥

॥ अथअसाध्यलक्षणं॥ ॥

॥ चौपई ॥ पीडादाहकंपवहुहैजव ऊरूस्तंभअसाध्यलषोतव नवीनजवहिंसोजानोसाध्य जवैपुरातनतवैअसाध्य ॥ दोहा ॥ ऊरूस्तंभवखान्योग्रंथनिदानविचार समुझचिकित्सा-जोकरैताकीवुद्धिउदार ॥ इति ॥

॥ अथऊरूस्तंभरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्साऊरूस्तंभकीवंगसेनकेभाय सोलीजैचितधारकैताकोंकहोंसुनाय चौपै जिनऔषदक रकफअरुवात नाशैहोंइसोहितकरख्यात तिन्हसोंतासचिकित्साकरै ऊरूस्तंभरोगपरिहरै अथक्काथ चौपई हरडभिलावैसुंठगिलोय दालहलददशमूलसभोय अरुपुनर्नवासंगमिलावे करैक्काथपीवैदुःखजावै अन्यच ॥ अथदसमूलीतैल ॥ चौपई ॥ चित्रात्रिफलालेदशमूल देवदारुपुटकंडातूल सठीएलाइरडामिलाय

शालपर्णीतिसमाहिरलाय रहसणभार्गीपृष्टजोपर्णी उशीरविशालापावोअरणी कांयांकोठीमालतीलिजै कसीरयवायणतीनोदीजै अवरकरंजूअगरमिलावे गिलोयशतावरिमोरटापावै पंचपंचपललेपरिमान सातद्रोणजलतामोठान मंदअग्निसोंकाथवनाय अष्टविशेषरहैयवआय पावैतैलजुआढक. मान पाछेकल्कजुपायसुजान त्रिकुटाचित्रादेवजुदार वरचकुठशत्पुष्पाडार अश्वगंधामुत्थरवायविडंग शालपर्णीपिप्पलीपाठासंग श्यामाकजुआद्रकदंतीपाय अम्लवेतपुनहिंगुरलाय कर्षकर्षयहचूर्णपावे मंदअग्निसोंसिद्धकरावे शीतलसिद्धरहेयवतैल स्निग्धपात्रमोंताकोठेल पावेमर्दैवलअनुसार एतेरोगकरेनिरवार ऊरूस्तंभचिरकालिकजाय आमवातक्षुद्रवातनसाय शीतवातसोदूरनिकारे एतेगुणवंगसेनउचारे ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ चूरणपीसेपिपलामूल मघांभिलावैफलसमतूल मधुमिलायकरषाैसोय ऊरूस्तंभनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ रहसणमिसरीहरडागिलोय दालहलदश्यामाकसमोय दोइकंडयारीसुंठीमरच तिक्ताअजमोदाकरसरच चवकजवायणसहचरिठान एरंडअजकरणीपुनजान देवदारुअरुजानपतीस यहसभऔषदसमलेपीस मधुमिलायकरषावेतास ऊरूस्तंभरोगहोइनाश पृष्टअवरकटिपीडाजावे उदररोगअरुशूलनसावे आमवातकफवातनिवारे वातरक्तअरुरवासविडारे आंत्रवृद्धशीघ्रयहजावैं वैद्यशास्त्रयोंप्रगटसुनावैं ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ मघांभिलावोपिपलामूल यहसमऔषदलेसमतूल करेकाथमधुपायपिलावे ऊरूस्तंभरोगामिटजावे ॥ चूर्ण ॥ चोपई ॥ जीराचित्राचवकमंगाय दालहल्दलीजैसमभाय मधुमिलायकरचूरणषावे ऊरूस्तंभरोगनरहावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलालैवेपिपलामूल कौडचवकलोजैसमतूल मधुमिलापकरचाटैजोय ऊरूस्तंभरोगहतहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलाकौडजुयहसमचार मधुमिलायचाटैसुनिहार ऊरूस्तंभरोगामिटजावे वंगसेनयोंप्रगटलषावे ॥ अन्यच ॥ चौपै वर्धमानपिपलींमधुसंग वागुडसोंषावैरुजभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गुगुलाशिलाजीतमघआन सुंठीयहसमचूरणठान पीवैताहिगूत्रकेसंग वादशमूलीरससोंचंग ऊरूस्तंभरोगहोइनाश वंगसेनयोंकह्योप्रकाश ॥ अन्यच॥ अथसैंधवतैलं ॥ त्रिफलात्रिकुटाकुठामिलाय रहसनभार्गीवरचरलाय सैंधासुंठमघांजुकचूर कौडयवायणतामोपूर नीलनीनीलकमलकेफूल मुलठीधनियापुष्कर. मूल शालपर्णीरिवंदपतीस अल्मवेतदालहलदीपीस सभसमबस्तूकीजैमेल कांजीसमातिसपावोतेल मंदअग्निसोंसिद्धकराय स्निग्धपात्रमोंधरेवनाय खावेमर्दैलेनसवार एतेरोगकरेनिर्वार आमवातकमिरोगनसाय उदरप्लीहगुल्महटाय ऊरूस्तंभअरपक्षाघात वाणीस्तंभहरेसुनवात शिरोरोगमंदाग्निविडारे वैद्यग्रंथमतयाहिउचारे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलामघांचवकपीसावे कटुकायहसमचूर्णबनावे मधुमिलायकरपाविसोय ऊरुस्तंभरोगहतहोय ॥ अथघृतादि ॥ चौपई ॥ यादुखपरसुंठीघृतपावै वाचित्राघृतकोंअचवावै अमृतादिगुगुलवापाय सैंधवादिवातैलखुलाय इन्हकरऊरूस्तंभवि. नाशै दुखजायतनसुखपरकाशै ॥ अथतैल ॥ चोपई ॥ कुठविरोजाघीउपिसावे दालहलदगजकेसर. पावे अजगंधाअसगंधरलाय सर्षपयहसमऔषदपाय सतैलमिलायपकायसुपावे मधुसोंऊरूस्तंभमि. टावै ॥ दोहा ॥ ऊरूस्तंभचिकिस्साकहींवंगसेनअनुसार आगेंयाकेपथअपथसुनहोकरोंउचार इति श्रीऊरूस्तंभचिकिस्सासमाप्तम्

॥ अथऊरूस्तंभरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ ऊरूस्तंभकेपथअपथसुनलीजैउरधार जैसेंभाषेग्रंथमोंतैसेंकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपै रौष्यवस्तुअरुस्वेदपछानो कोद्रमयवकोटामनआनो तंडुलरक्तकुलत्थलहीजै सुआंकसुहांजणाजानप. तीजै पटोलकरेलेलसणवषाने काकमाचीवृंदाकपछाने वैतंकूमलीवाथूशाक धतूरानिंवपत्रलषवाक अमलतासकेपत्रजुजानो षलमाष्योंअरुरेचनठानो तैलादिकमर्दनहैंजोय हरडतप्तजलमानोसोय जेजेवस्तु वातकफहरैं सोसभवस्तुपथ्यलेधरैं रक्तमोक्षअरुवमनलहीजै इत्यादिकसवपथ्यकहीजै ॥ दोहा ॥ इन्हतेंजोविपरीतहैसोईअपथ्यपछान ज्योंलषपायोग्रंथमोतैसेंकीनवषान ॥ इतिऊरूस्तंभरोगेप. थ्यापथ्यं ॥ दोहा ॥ ऊरूस्तंभवषान्योप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इति. श्रीऊरूस्तंभरोगसमाप्तम् इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांऊरूस्तंभाऽधिकारकथनं नामात्रिपंचासत्तमोऽधिकारः ५३

॥ अथक्षुद्ररोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ क्षुद्ररोगवरननकरोंचौतालीसप्रकार भिन्नभिन्ननामोंसहितलक्षणकरोंउचार ॥ अथनमानि ॥
॥ चौपई ॥ अजगल्लिकायवप्रख्याजानो अंधालजीअरविवृतामानो कछपीवाल्मीकिकाकहिये इंद्रवि-द्धागर्दभिकालहिए पाषानगर्दभपैनसिकाजान जालगर्दभअतिवेल्लिकामान कक्षागंधनामनीयोय अग्निरोहिणीचिप्पलहिसोय कुलीरअनुशयामनलषलीजै विदारिकाशर्करार्बुदजुभनीजै दारीकदरअ-लसयहजानो इंद्रलुप्तदारुणकपहचांनो अरुअरुंषिकापलितसुलहिये पुनयुवानपिडकाजुभनैये पद्मनि-कंटकजंतुमणिजान माषिकतिलकन्यच्छप्रमान व्यंगनीलिकाप्रसुप्तभनीजै परिवर्त्तिकामनसमुझपतीजै अवपाटिकोनामकाहिगावत निरुद्धप्रकाशकावैद्यवतावत अरुनिरुद्धगुदनामप्रकाश अहिपूतनपुनजा-नोतास गुदकंडूकहिनामसुनायों अरुगुदभ्रंशनामकहिगायों अरुशूकरदंष्टरनामपहिचान क्षुद्रचौताली-नामयोंजान.

॥ अथक्षुद्ररोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साक्षुद्रकीभिन्नभिन्नपरकार वंगसेनजैसेंकहीतैसेंकरोंउचार.

॥ अथअजगल्लिकालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मुंगप्रमाणगांठतनपरैं बरणसमानसनिग्धताधरैं पीडारहितहोतहैंसोय कफअरुवात-दोषतेहोय यहवहुधावालनउपजात अल्पहोतवडियनकेगात.

॥ अथाजगल्लिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमजलौकनहूंकेसाथ रुधनिकासैलपयहगाथ पुनसीपीसौराष्टरकआन कल्हारलेयस-मलेपनठान होवेजोअजगल्लकानाश अन्यलेपपुनकरोंप्रकाश ॥ अन्यलेप ॥ श्यामालांगलकामूर्वाय यहसमलेपअजगल्लकाजाय जोयहरोगपक्कहोइजाने वणरुजकीजुचिकित्सठाने ॥ अन्यच ॥ फटकडी-सोंफद्यारजुलीजै लेसमपीसमहीनकरीजै लेपकरैअजगल्लिकाजाय भावप्रकाशमतदियोवताय ॥ अन्यच ॥ जोअजगाल्लिककठिनपछाने क्षारयोगतिसमाहिप्रमाने.

॥ अथयवप्रख्यालक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ कठिनहोहिजोयवआकार ग्रंथिप्रगटसोमांसमंझार सोभीकफअरवाततेंजानो अंधालजी पुनआगेमानो

॥ अथयवप्रख्याचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिताकोदेवैस्वेद पुनइहलेपकरैमिटखेद मनछलकुठअवरसुरदार लेपकरैतिनोस मडार यवप्रख्याकोहोवैनाश पकेचिकित्सावणकरैतास.

॥ अथअंधालजीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ सीधीफुनसीमडलसगं घणीहोयपूअवैसुअंग जहभीकफजवाततेंजान योंनिदानमोकी नप्रमान.

॥ अथअंधालजीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ यवप्रक्षाकीचिकित्साजेती अंधालजीमोलषहोतेती.

॥ अथविवृतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ फुनसीविवृतमुखहोइरहै रुंवलपक्कसुश्राभालहै इहभीमंडलसहितलषावै केवल पित्तकृतसोऊकहावै उपजेफुनसीदेहसमेत ग्रंथनिदानवतायोभेत

॥ अथविवृतचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जामधुरौषधघृततैलपकावे मर्दनतैंरुजविवृतजावे अन्यच रुजपित्तविसर्पिचिकित्साकही विवृतमुखीकीजानोसही

॥ अथकछपीलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ होहिग्रंथितनपटवापांच कठिनकूर्मवतजानोसांच यहभीकफमारुततैंलहिये यातैंकछ पीनामसुकहिये

॥ अथकछपीचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ श्वेदनलेपनहितकरजाने परिपक्कहोयतिसभेदपछाने व्रणवतक्रियाजुकजिपाछें तातैंकछ पीरुजहोयश्राछे

॥ अथवल्मीकलक्षणम् ॥

॥ जौपई ॥ ग्रीवांहाथपादगलकक्ष अरुसंधिनमेंग्रंथिप्रतक्ष वृद्धहोतरहैंवरमीन्याई वातपि त्तकफतैंप्रगटाई होहिअनेकमुखवरमीन्याय निशदिनश्रवैंग्रंथिसमुदाय रोगविसर्पीचलहैंजैसे पीड- सहितपुनचलहैंतैसे हाथपादवल्मीकजुहोय वहुछिद्रनकरसंयुतजोय शोथसहितयवदेषेजिसको वैद्यत्यागजावैतवतिसको जोचिरकालकहोतयहरोग जानोंताहिअसाध्यअयोग

॥ अथवल्मीकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वल्मीकरोगजाकोलषपावै शस्त्रसाथजुताहिचिरावै अग्निगुल्लदेपूरैक्षार तासाचिकित्सा- करीउचार ॥ चौपै ॥ मनशिलअगरइलाचीआन चंदनलालभिलावेमान चंवेलीपातनिंवकेपत्तर चुक्रमिलायसमकरोइकत्तर हरितालपीसकरताहिरलाय मंदअग्नितिसहेठजगाय इनमेतैलपकायसो- लावै वल्मीकरोगशोथयुतजावै ॥ इतिमनशिलादितैलं

॥ अथइंद्रविद्धालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कमलफूलडोडीकीन्याई वहुफुनसीगिरदैप्रगटाई ऐसीजवतनउपजैंजोय वातपि त्ततेंजानोसोय

॥ अथइंद्रविद्धाचिकित्सा ॥

॥ चोपै ॥ पित्तविसर्पिचिकित्साजेऊ इन्द्रविद्धारुजजानोतेऊ ग्रंथवृद्धितैंनाहिवषान समुझलीजियेकर- अनुमान

॥ अथगर्दभिकालक्षणम् ॥

॥ चोपई ॥ उठेगोलमंडलजोपृष्ट लालवरणप्रगटेअतिधृष्ट तापरफुनसीवहुप्रगटावै छिद्रनसंग- रंगलाललषावै होतछानणीइवआकार वातपित्ततैंउठैविकार गद्दोधाणांयाकोंकहैं यातामु- हिंसभहीजनलहैं

॥ अथपाषाणगर्दभलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दांतहणूंकसिंधिजुजोय तापरइस्थिरसोजाहोय सनिग्धमंदपीडायुतलहिये कफअरुवाततेंप्रगटतकहिये

॥ अथजालिगर्दभलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोविसर्परोगकीन्याई सभतनमोंसोजाप्रसराई पकैसोतांहिदाहज्वरकरै यहदुख पित्तहुतेंलषपरै

॥ अथगर्दभजालगर्दभपानगर्दभचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ एतेरोगप्रगटहोयजास करैचिकित्साऐसेंतास चिकित्सापित्तविसरपीजोय-इन्हहूंकीभीकरहैसोय जोयहरोगपकलषपावै तासचिकित्साऐसेंगावै मधुरऔषदजुमुलठीआदि घृतपकायलेपेमिरजादि ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ नीलीलीजैअवरपटोल इन्हमूलनलेजलसमतोल घृतरलायलेपसोकरै गर्दभादिरोगसभहरै ॥ यत्न ॥ चौपई ॥ जौंकलगायरुधिरनिकसावै अथवालेपनगर्मलगावै पाछेव्रणकेयतनकराय पाषानगर्दभरोगनसाय

॥ अथपनसिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ करणमध्यपिंडिकाजुहोई पीडातीव्रस्थिररहैसोई यहकफवातहुतेंप्रगटावे ऐसेंग्रंथनिदानवतावै

॥ अथपनसिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमनिंवकेपत्रवंधावै तापाछेपुनलेपलगावै हलदकुठतिलमनसिलपाय पीसलेपकरताहिपकाय चीरादेतिसपाकुकढाय मल्हमलायपनिसिकाजाय

॥ अथइरिवेल्लिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोशिरविषैजुपिंडिकाहोय ज्वरकरअतिपीडाकरसोय ताहित्रिदोषजतेंपहिचानो इन्हप्रकारलक्षणतिंहजानो

॥ अथइरिवेल्लिकाचिकित्सा ॥

॥चौपै॥ मधुरौषधघृतसिद्धजुहोय लेपनपानकरेरुजषोय पित्तविसर्पिचिकित्साजेती इरवेल्लीरुजजानोतेती

॥ अथकक्षालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वाहूकफमुंहडेमंझार पार्श्वमाहिभीहोंतविकार उठैपिंडिकाइन्हअस्थान श्यामवरणपीडायुतमान केवलपित्तकोपतेंजानै कछरालीतिसलोकवषानै

॥ अथकक्षाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ रोगविदारिकाऔषधजेऊ कक्षारोगमोजानोतेऊ दधीलेपमार्जारचटाय लवणसेकदेखेदहटाय

॥ अथगंधनामनीलक्षणं ॥

॥ चौपई एकपिंडजोतनपरहोय सीसेन्याईचमकेसोय पित्तकोपतेंताहिपछान ऐसेंभाषैग्रंथ निदान

॥ अथगंधनामनीचिकित्सा ॥

चौपै पित्तविसर्पिचिकित्साकही गंधनामनीरुजमोसही अवरभेदतिसकीनवषान गर्दभरुजकीऔषधजान

॥ अथअग्निरोहिणीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कुक्षीभागवहुहोंहिस्फोट छालेन्धायलसंअतिषोट मांसाविदारकरैवहुदाह अग्निसममानत्तेजहोइताह अरुज्वरदेहमाहिउपजावै सन्निपाततेंसोप्रगटावै द्वादशपंदरावादिनसात यहदुखरहैतोकरहैघात ताहिकलवञालोकवषानै इन्हहूंलक्षणाकरजोजानै

॥ अथअग्निरोहिणीरोगचिकित्सा ॥

॥ चौंपई ॥ अग्निरोहिणीकहियेजोय रोगकलवञाजानोसोय इसमोपित्तविसर्पाजिऊ करैचिकित्सायाकीतेऊ लंघनरक्तमोक्षपाहिचान यहभीयाकोहितकरमान अरुशीतललेपनहितकार यहनिश्चय अपनेमनधार इनयत्नोंसेंसिद्धनहोय तासउपायकरैनाहिकोय असाध्यरोहिणीतासकोगाहीं वैद्यविचारकरैमनमाही

॥ अथचिप्पलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ नखमांसविषैइस्थितजोहोय वातपित्तपीडाकरदोय नखसोंपकावैंकरहैदाहः अंगुलिवेष्टिनभीकाहिताह

॥ १६ ॥ अथअंगुलिवेष्टिनरोगचिकित्सा तिसकोंचिप्पभिकहितेहैं ॥

॥ चौपै ॥ पत्रकाश्मरीकोमलसात ताऊपरवांधेनराविख्यात चिप्परोगनाशतिसहोय निश्चयकी जैमनमोसोय अन्यच कदररोगक्रियाजोकही चिप्परोगमोंजानोसही

॥ अथकुलीरलक्षणम्

॥ चौपै ॥ अविघातहुतेंदोषप्रवेश षहुरोस्वेतकरैंनखवेश ताकोनामकुनखभीकहैं इहप्रकारलक्षणातिसलहैं

॥ अथकुनखरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ हरडेंधानियांदाडिमफूल सूक्ष्मपीसलेहुसमतूल विधिसोंतापरलेपलगावै कुनखरोगदूरहोइजावै अथधूडा ॥ चौपै गृहकोधूमअवरहरताल मूलचुलाइसमयहडाल सूक्ष्मपीसवरूरैतास दुगैधिसहितकुनखकोनाश लेप ॥ चौपै ॥ हरडहरिद्रादोइसमलीजै लोहपात्रघसलेपनकीजै कुनखरोगअरुचिप्पनिवारै असैंनिश्चयमनमोंधारै

॥ अथअनुशयीलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ पादनपरपिंडकागंभीर अल्पशोथउपजावैपीर अंतरमोयाकैपडैपाक असउच्चरैवैद्यसतवाक

॥ अथअनुशयिचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ कफविद्रधीकीचिकित्साजेती अनुशयिरुजमोजानोतेती देषवैद्यसोलेयविचारी ग्रंथवृद्धितेंनाहिउचारी

१९ ॥ अथविदारिकालक्षणम् ॥

॥ चौपै विदारिकंदइवतिसआकार कुक्षवंखनसंधकरैसंचार रक्तहुतैंभीतासकोजाने अवरभेदतिसनाहिवषाने सोऊत्रिदोषजहोतीअहै लक्षणताकेऐसेकहे

१९ ॥ अथविदारिकाकक्ष्यादिरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ रक्तनिकालैदेवैखेद यातेंमिटैकछालीषेद अथलेप लेसुहांजणासमसुरदार लैपैरोगविदारिकाटार अन्यच विल्वपुनर्नवकोलेमूल दोनोंपीसलेयसमतूल पक्वजानशस्त्रकेसंग चीरेहोय सोऊरुजभंग अन्यच चौपै कीजिचूर्णनिंवपटोल घृतअरतिलमिलायसमतोल लेपैहोइविदारकानाश अवरलेपपुनकरोप्रकाश अन्यच चौपै क्षीरीबृक्षपदरसमक्वाथ रुजथलधोवैताकेसाथ मधुरौषद्सोंघीउपकावै लेपैरुजविदारकाजावै

२०॥ अथशर्करार्बुदलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ नाडिमांसकफकेमंझार मज्जाचरवीमध्यविचार इहठौरनमांइस्थितहोय बातग्रंथिउपजावैसोय तेऊग्रंथिफूटेहैजवही रसमधुघृतइवश्रवहैतवही जोवहग्रंथिबृद्धतापावै रोडसमानवहुगांठउपावै अरुतनकोसभमांससुकावत पत्रनबृद्धतायोंलषपावत उपाजितनाडिनकेमंझार नानावर्णजुतासविचार इसंहूतैजुगंधभीआवै रहैआर्द्रसोरुधिरप्रगटावै

॥ अथशर्करातथाशकरार्बुदचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ चिकित्साकछूपामाजोय कुष्टविचरचकाकीजोसीय इसहीरोगमोंसोपरिमान-अवरहुंभीसुनकरोंवषान ॥ लेप ॥ स्वेतसर्षपाअवरशतावर अरुसुहांजणापसिबरावर लैपैअर्बुद-शरकरानाश रोगकछालीआदिविनाश ॥ अन्यच ॥ सरषपदालहलदवचआन समयहलेपैहोयरुजहान ॥ अथतैल ॥ करंजुतैलकोमर्दनकरै रोगशरकरातातेंहरै वाकटुऔषदतैलपकावै मर्दनकरैरोगमिटजावै

॥ अथपाददारीलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अतिभ्रमणकस्वभावनरजोय पादतलेबातजव्रणहोय तातेंपीडाउपजैतास इंहप्र-कारसोकीनप्रकाश ॥

॥ अथपाददारीरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सनेहस्वेदयामोंहितजान यहनिश्चयनिजमनमोंआन ॥ अथलेप ॥ चौपै ॥ मोमवसामज्जाघृतक्षीर यहसमलेयकरैमतिधीर पाददारीरुजहोईहैनाश दुखमिटैहोइसुखप्रकाश ॥ अन्य-च ॥ चौपै ॥ सजिव्हजुसैंधामधुघृतपाय अथवातैलकटुपायालिपाय पाददारीदुखकोहोइनाश ताको-गुणयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ कुआरगंदलमज्जासमलीजै पादऊपरेलेपनकीजै पुनऊपरसोंवांधिसोय पादविषैंक्रमपडैनकोय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ मधुसैंधागेरीघृतराल गुडगुगुलसमतामोंडाल लेपपादऊपरसोकरै पादस्फोटरोगकोहरै अथअपो-दिकादितैल ॥ चौपई ॥ मूलीमारिषानिंवकरकारु एलवारुमोचरसडारु इन्हकीभस्मजुइन्हको-क्काथ विल्वलवणतैलधरसाथ समयहपायपकायलगावै पाददारीरोगमिटजावै ॥ अथउन्मत्ततैल

॥ चौपई ॥ वीजधत्तूरेकोअनवावे माणकंदछारजलसमपावे कटुतैलमिलायलेपसोकरै पाददारीरुजपीडाहरैं ॥

॥ अथकदरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कंकरकेचुभऐकरजान अरुकंटादिकक्षतपगमान तवपादनकिछकीन्यई गांठउ- ठैंपीडाअधिकाई कफअरवातहुतेंयहजाने भौरडीनामजुलोकवषाने ॥

॥ अथकदररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंशोधनकरैउपाय इंहउपायनिकसावैवाय अथवाउष्णजलसिंचिनकरै अस उपायकरदुःखकोहरै ॥ अन्यउपाय ॥ अग्नीअथवातैलकेसंग देवेदाघहोयरुजभंग ॥ अन्यच ॥

॥ चौपई ॥ अरुशस्त्रहिंसंगछिदव्रणकरै पुनतापरजुलेपयहधरै तेजोवतीशिलाजितआन रोचनअवररसांजनमान इन्हसमसेंतिलतैलपकावे लेपैतिसअंगूरहोइआवे चिप्परोगकीयहक्रियाजान- वंगसेनमोकीनिबषान ॥

॥ अथअलसलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पदनकीअगुलीगलजांहि कंडुदाहदुखहोइतिंहमांहि कर्दमदुष्टस्पर्शतेंहोय वीचीनामकहैंसभकोय ॥

॥ अथअलसरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अलसनामवीचीकोजान पदअगुलिमूलपकैंपहिचान ॥ तासउपाय ॥ कांजी साथअंगुलीधोवे बीचीरोगनाशतवहोवे ॥ लेपनं ॥ निंवअबरतिलपीसलिपावे बीचीरोगनाशहो इजावे ॥ अन्यच ॥ काहींवंशलोचनसमपीस लिपैवरूरैवीचीषीस ॥ अन्यच ॥ हरडपीस- लाक्षारसपाय लेपैअलसरोगनरहाय ॥ अन्यउपाय ॥ मोक्षणरक्ततासकोकीजे अलसरोगता. हीतेंछीजै ॥ अन्यच ॥ कंड्यारीरसतैलपकावे तहांलगायअलसामिटजावे ॥ धूडा ॥ वंश. लोचनजुशीलाजितकाही पीसवरूरैवीचीजाही ॥ लेपन ॥ करंजुवीजरोचनहरताल रजनीसभ समपीसोडाल लेपकरैवीचीरुजनाशै पादअंगुलीसुंदरभासै ॥ अन्यच ॥ रुधिरमोक्षवीहितक रजान वंगसेंनमतकीनिवषान ॥

॥ अथइंद्रलुप्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रोमनमूलवातपितदोय कुप्तप्रवेशकरैंहैंसोय तिन्हकररोमसभीगिरपरैं पुनकफरक्त आयसंचरैं सोदोऊअसवलप्रगटावें पुनरोमनकोंनहिंउपजावैं इंद्रलुप्तजोलोकनिहारैं नामवालचर. प्रघटउचारैं

॥ अथइंद्रलुप्तरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ इंद्रलुप्तरोगजोलहिये ताहिवालचरटटरीकहिये तासाचिकित्साऐसेंमानो नाडीछेद. मूर्द्धकीजानो ॥ अथलेहिलेप ॥ चौपई ॥ नीलाथोथाकाहीमरच अवरशिलाजिततामोंसरच करैलेहपुन लेपलगावे इंद्रलुप्तरोगनरहावे अथलेप मुत्थरदालहलदसमपीसै लेपैइंद्रलुप्तरुजषीसै मूलसिंग्रुसुरद्रुमलेदोय तीनदिनागोमूत्रभिगोय गोवरसोंतिसपूवघसाय लेपैइंद्रलुप्तमिटजाय ॥ अन्यच ॥ कौडप

टोलरसलेपैजोय नाशइंद्रलुप्तकोहोय ॥ अन्यच ॥ गुंजापीसलेपजोकीजै इंद्रलुप्तरोगतनच्छीजै ॥ अन्यच ॥ वालचरेकोस्थाननिहार पछकरावेवारंवार पाछेगुंजालेपलगाय वालचराकरमूलतेंजाय ॥ अन्यच ॥ दालहलदकोरसजुकढावे हस्तिदंतकीभस्ममिलावे लेपैइन्द्रलुप्तमिटजाय वंगसेंनमतदियो वताय कंड्यारीरसलेमधूमिलाय लेंपैरोगवालचरजाय ॥ अन्यच ॥ गुंजामूलफलअवरमिलावे लेपै रोगवालचरजावे ॥ अन्यच ॥ गुंजापत्रमुलठाविषपीस कांजीसोंलेपैरुजषीस ॥ अन्यच ॥ गोषुरअवरातिलनकेफूल मधुघृतसोंलैपैसमतूल इंद्रलुप्तनाशतवहोय घणेकेशउपजैंतहांसोय ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ हाथीदांतभस्मजोकीजै रसोंतदुग्धघृतसंगमिलीजैं लैपैइंद्रलुप्तमिटजाय हथेलीहाथरोमप्रगटाय ॥ अन्यच ॥ भंगरारसगोक्षीरलिपावे जन्मैकेशवालचरजावे अन्यच चौपई चातुषपादपशू जोहोय रेमत्वचानखलीजैसोय शृंगअस्थिपुनयहसमलीजैं तिंन्हकीभस्मसंगतैलरलीजैं लेपकरैहोइरुज कोनाश अवश्य रेमउपजैतनतास अन्यच चौपई करवीरमालतीचित्राआन करंजुएकसमतैलहिंठांन ताहिपकायलेपजोकरे रोगवालचरतासोंहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अर्कअवरथोहरपयआन लांगलि भंगरावांसाठान अजामूत्रगोमूत्रामिलाय तुंमास्वेतसर्षपापाय भूनिंववरचइकसमसभलीजै तैलमिलायप कसोकीजे लैपैकूर्मपृष्टसमान टटरीदूरकेशप्रगटान ॥ नसवार ॥ चौपई ॥ मुलठमहूत्रिफलासमभाय तैलदुग्धसेंताहिपकाय लेनसवारवालचरजावे वालेपैशिरकेशदिखावैं मुछदाडीकेजन्मेकेश-इन्द्रलुप्तकोरहैनलेश ॥ इति

॥ अथदारुणकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरमोंवहुतपुरकप्रगटावे केशस्थानषहुरोहोइजावे यहकफवातकोपतेंजान ऐसेंभाषैग्रंथनिदान

॥ अथदारुणकरोगाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्निग्धास्विन्नअरस्वेदकरावे अवपीडनशिरवस्तिधरावे अभ्यंजनतिसमाहिकरीजै इन्हउपायकरदारुणकछीजै नाडीमस्तकरुधनिकासै दारुणकरोगयाहितेंनाशै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई कोद्रमत्रिणकीभस्मसुकीजे तासक्षारजलसोगहलीजै ताहीजलसोंधोवैसोय रुजदारुणकनाशतवहोय ॥ लेपन ॥ चौपई ॥ प्रपुंनाटवीजअरधात्रीलेफल अमलतासलेहकोमलदल पीसैमधुसोंलेपलगाय-रोगनासदारुणहोयजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गुंजाफलमध्यतैलपकावै शिरलेंपैतोभीमिटजावै ॥ अन्यच ॥ भांगुरेरससोंतैलपकावै लेपनकरैरोगामिटजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कोद्रमतृणकीभस्मकरावे मधुयुताशिरमोंलिपलगावे तातेंहोवतदारुणकनास वंगसेंनमतकीनप्रकास ॥ अन्यच वांसाफलकटुतैलपकावे लिपैकपालव्याधमिटजावे ॥ अन्यचतैल ॥ अथजात्यादितैल ॥ चौपई ॥ मालतीचित्रासारिवाहेर निंवकरंजूअवरकनेर गुंजाफलपुनउत्पलपाय सभसमलेकरक्राथवनाय क्राथतुल्यकटुतैलामिलीजै पुनपाछेयहकल्करलीजै चंदनरक्तकिरायताआने दोनोरजनीत्रिफलाठाने गोवरअग्निसों-सिद्धकरेय मलेसुदारुणकरोगहरेय अवरअरुंपिकारोगमिटाय केशमूलकेरोगनसाय श्वेतकेशकों-करेजुश्याम जातिआदिजिसतैलकोनाम ॥ चौपई ॥ कोशातकीदंतीकोमूल चित्राचूर्णकरलेसमतूल तैलामिलायपकावैतास लिपैरोगदारुणकनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ उत्पललोहचूर्णत्रिफलाय

सारवालवणमुलठीपाय भंगुरयहसभहीसमकीजे तैलमिलायपक्कसोलीजै लैपैरोगदारुणकनसाय अरुदूषिकारोगमिटजाय

॥ अथअंरुंषिकालणक्षम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरमोव्रणवहुमुखकेहोंहि गलेरहेंअैसेलषवोहि कफअररुधिरकोपतेंजानो कृमीकोपतेंअवरपछानो ॥

॥ अथअरुंषिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जलौकारुध्रमोक्षहिततास प्रथमउपायसुकीनप्रकास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ षदरनिंवजंवूसमआन इन्हकीत्वचाक्काथसोठान सैंधापायप्रक्ष्यालनकरैं रुजअरुंषिकातातेंटरै ॥ लेपन ॥ खदिरनिंवजंवूत्वचलीजे समपीसगूत्रसंगलेपनकीजे रोगअरुंषिकातातेंजाय ग्रंथकारमतदियोवताय ॥ अन्यच ॥ निंवक्काथगोवररससंग लवणपायरुजसोहोइभंग ॥ अन्यच ॥ अथमांसीशिरोभ्यंगतैलं ॥ ॥ चौपई ॥ भूतकेशीकोक्काथवनाय कटूतैलपलचारमिलाय वावचीमनशिलगंधकलीजै अवरसिंधूरलेआनमिलीजै कर्षकर्षपरमाणधरावै मंदअग्निसोंसिद्धकरावै मर्दनतैलकरेनरजोय रोगअरुंषिकानासैसोय रोगविचर्चिकापामाजाय शिरकेव्रणसभदेतनसाय अन्यच षलपिन्याकपुरातनआन कुक्कडविष्टागूत्रपिसान लेपकरैअरुंषिकाजाय यहउपायभीकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ कुठभुंन्नठीकरीमंझार चूरणकरसुतैलमोंडार लेपनसोंअरुंषिकाजावै असउपायताकोलषपावै ॥ अन्यच ॥ थोहरदुग्धअर्कपयलीजे पत्रधतूरेगूत्रलीजै लेपेरोगअरुंषिकाजाय शिरकंडूशिरकोव्रणधाय ॥ अथहरिद्रादितैल ॥ ॥ चौपई ॥ दोनोरजनीत्रिफलापाय चंदननिंवसभीसमभाय इन्हसोंतैलपकायलगावै रुजअरुंषिकाहतहोइजावै प्रथमरुजीशिरमुंडकराय पुनपाछेयहतैललगाय यहविधिरोगहरैततकाल विनमुंडनचिरकालनिहाल ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ शालिपर्णिथोहरपयआन अजवृत्तिकाछिन्नासमठान पलपलभागइन्होकापाय केशभस्मकर्षइकठाय मछीपूरेवासमिलावै मधुमक्षिकासोवीसरलावै चतुर्गुणागोमूत्रमिलीजै कटूतैलतिसमाहिरलाजै इन्हमोतैलपकायलगाय रुजअरुंषिकादुष्टव्रणजाय दुष्टदंतनखक्षतसुनिवारै व्रणसूकैंजुविसरपीटारै ॥

॥ अथअकालजरापलितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्रोधशोकश्रमयुतजुशरीर तातैंगरमीहोइसुनधीर सोगरमीशिरमोंचडजावै शिरकेशनकोंस्वेतकरावै सोऊपित्तझुरडीप्रगटावै याविधियाकेलक्षणगावै जरापलितजिसकेतनहोय रोगत्रिदोषजजानोसोय महीनरूक्षअरसूक्षमकेश जरापलितकोजानोवेश ॥

॥ अथपलिताचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पलितस्वेतकेशकोंकहैं तासचिकित्साअैसेंलहैं ॥ लेपन ॥ दोइप्रमाणधात्रीफलआन दोहरडवहेडाएकप्रमान लोहचूर्णकर्षएकजोपावै आंवगुटीपांचकर्षमिलावै लोहपात्रभंगरारसपाय आठपहिरसोपरलकराय केशनऊपरलेपनकरै स्वेतकेशश्यामरंगधरै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ लोहचूर्णभंगरात्रिफलाय कृष्णमृत्तकाइक्षुरसपाय लोहपात्रमोंमासप्रयंत षरलकरैयहलहोवृतंत सोकेसोंपरलेपलगावैं स्वेतकेशश्यामहोइजावैं ॥ अथअन्यउपाय ॥ अथचंदनादितैल ॥ चंदनमूर्वात्रिफलाल्याय

नीलकमलवटजटारलाय मुलठश्रप्रंगूसारिवादोय सुंठछडगुडीपायगिलोय अवरजुपावेलोहेचूरण सभसमपोसकरेतिसपूरण भांगुरेरससोंतैलपकावै नस्यलेयवासिरमलवावे इंद्रलुप्तअरपलितविनासे उपजितकेशवहुकांतिप्रकाशे ॥ चौपई ॥ धात्रीफलविजयाकेफूल लोहचूर्णतीनोंसमतूल इन्हकेजलसोंधोवेकेश स्वेतकेशहोंइश्यामजुवेश नर्कनसैंज्योंगंगास्नान स्वेतरंगयोंभाग्योजान ॥ अन्यच ॥ नीलीपत्रभंगरात्रिफलाय लोहासमभेडमूत्रापिसाय स्वेतकेशपरलावैजोय पलितजायश्यामरंगहोय ॥ अन्यचनिंववीजभंगरारसपाय बहेडेअसनवृक्षरसथाय इन्हसमतैलमिलायपकावै लेनसवारपलितमिटजावै भोजनउष्णकरेपुनसोय केशतरंगश्यामअतिहोय ॥ अथकेतिक्यादितैल चौपई ॥ केतिकिभंगराउत्पलआन श्यामात्रिफलानीलिकाठान गिलोयसहचरीअर्जुनफूल तिलश्यामलोहचूर्णसमतूलमदनफललेअरपद्मकलीजै महीनपीसकरचूर्णकीजै इन्हकेसंगहितैलपकावे पुनात्रिफलेकाथपकायवनावै पुनभंगरेरससाथपकाय लायपलितउपाजिन्हकजाय ॥ अथनीलाविंदुतैल ॥ चौपई ॥ अंजनमुलठीसारवाआन अगरउत्पललेत्रिफलाठान नीलीपत्रमुत्थरतिलकाही रसौंततालपत्रलपुताही कूरमपित्तासिंसुपाजान नीलाथोथाभंगराठान लोहचूर्णभूतकेशीलीजै अवगुटीगोपरुसंगदीजै जंबुअसनअर्जनकेफूल यहसभऔषदलेसमतूल अवरमैनफलताहिमिलाय कर्षकर्षपरमानधराय प्रस्थएकतिलतैलमिलावै प्रस्थएकतिहदुग्धरलावै धात्रीफलजुवहेडेकोरस प्रस्थदोयदोयपावोतिस भंगरारसदोप्रस्थरलावै लोहपात्रमोंताहिपकावै शिरमर्दनअरलेनसवार एतेगुणसुनताहिविचार सितकेशनकेउपरलाय श्यामरंगअत्सयहोइजाय जहांइकवूंदयाहिकीपरै सोअस्थानश्यामरंगधरै वलीपलितवालचरनाशै आयुरनेत्रनज्योतिप्रकाशै वलअरुवरणकरतहैसोय नामजुनीलविंदुइहहोय विस्वामित्रऋषीयहकह्यो जगकोहितअपनेपनगह्यो ॥ अथकाश्मरीआदितैल ॥ चौपई ॥ काश्मरिसहचरिकुसमंगावै जंवूअर्जनफूलअनावे मदनफलआंवगुटीसोआन त्रिफलामहूफूलसमठान इन्हसमतैलमंगायरलावै तैलतैंदुग्धचतुर्गुणपावै दुग्धसमानभृंगरसपाय मलैसुकेशश्यामरंगथाय आयूवर्षएकशतहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अथकेशरंजनतैल ॥ चौपई ॥ काश्मरिमूलसहचरीफूल केतिकीमूललेहुसमतूल भंगरालोहचूर्णत्रिफलाय यहसमतैलजुपायपकाय सोइतैललोहपात्रमोंपावै पृथवीमोंइकमासदवावै पुनकेशनकोंमर्दनकरैं भ्रमरन्यायश्यामरंगधरैं ॥ अथकैटिभतैल ॥ चौपई ॥ केतिकिकुठभंगरात्रिफलाय दालहलदसोंनमक्षीपाय वृक्षमयनफलत्वचातिलस्याह लोहचूर्णनीलीलपताह आंवगुटपुनतिहसमआन वरचभांगरारसलेठान इन्हसभसमसोंतैलपकावै मर्दनकरैपलितामिटजावै अवरहुंइंद्रलुप्तहोइनाश विदेहनृपतयहकीनप्रकाश ॥ अथमयूरपित्तादितैल ॥ चौपई ॥ मयूरपित्ताअंवगुटीसोआन मालतीनीलिकाउत्पलठान भंगराकाहीसुरमालीजै तैलसंगपक्वसोकीजै लोहपात्रमोंधरागडावै मासपरयंतदवायरखावै केशनपरसोमलैवनाय पलितजायश्यामरंगथाय ॥ अन्यच ॥ अथमधुकतैलं ॥ प्रस्थएकभंगरारसल्याय प्रस्थदुग्धतिसमाहिरलाय मुलठीउत्पलतामोंपावै कुडवएकतिलतैलपकावै शिरमर्दनअरलेनसवार पलितरोगक्षणतेंयहटार

॥ अथयुवानापिडकालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ सिंवलतरुकांटेकीन्याई मुखशैंवाहरकिछप्रगटांई यहकफवातरक्तंजान यहयहुघाहोंइपुरुषयुवान

॥ २९ अथयुवानपिडकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ नाडीविधजुरुधिरछुडावे तातेंपिडकारोगमिटावै बालेपनमालिशाकेरैसुजान मुखपिडकातिसहोवतहान ॥ अथमुखलेपनविधि ॥ चौपई ॥ अंगुलीभागचतुर्थकजाने मुखपरलेपनइसविधिठाने स्थितराखेयवशूकेसोय वहशूकेत्वचदूखितहोय ॥ अथलेपन ॥ लोध्रधनित्रांवरचमिलाय महीनपीसकरलेपलगाय वागोरोचनमरचैंसंग लेपैयौवनपिडकाभंग क्षुद्ररोगकीऔषधजान कुंकमआदीतैलप्रमान आगेभेदयथाविधकह्यो भावप्रकासग्रंथमतलह्यो कुंकमदोनोंचंदनमान लोध्रउशीरवकमसंगजान चंदनपीतमंजीठामिलाय मुलठीकमलपत्रसंगपाय गोरोचनहलदीसंगलीजै लाक्षदालहलदीतहदीजै पलासपुष्पगेरीसंगपाओ वर्चनागकेशरसुमिलाओ मधुमालतीताहिमिलाय वटांकुरश्वेतसर्षपापाय अक्षप्रमानसकलयहलीजे दूधचतुर्गुणतामोदीजै दोइप्रस्थतैलफुनिपाय मघुरअग्नदेताहिपकाय सोइतैलमुखमर्दनकरे युवानपिडकादिछाईदुखहरे ॥ अन्यचलेप ॥ चौपई ॥ सेंधासर्षपवरचमलीजै लोध्रपीसकरलेपनकीजै अथवारुजिकोवमनकरावे यौवनपिडकातासमिटावे

॥ अथपद्मिनीकंटकलक्षणं

॥ चौपई ॥ पदमोंकेकांडचोंकीन्यायी मुखसमस्तषहुरोहोइजायी पीतवर्णवहुखुरककरावैं पद्मनीकंटकनामजुगावैं वातअवरकफतेंयहजान योंनिदानमोंकीनवषान

॥ अथपद्मनीकंटकरोगचिकित्सा ॥

॥ चैपई ॥ निंबकाथरोगमंझार छर्दउपायपरमहितकार अरुनिंबकाथसिद्धघृतजोय मधुयुतहितकरयामोंहोय निंबअमलतासससमदोय इन्हकोवुटणाभीहितहोय ॥ अन्यच ॥ मसूरसाथघृतदुग्धरलावे मुखलेपनदिनसतकरावे पद्मीनीकंटकरोगनसाय वंगसेंनमतदियोवताय ॥

॥ अथजंतुमणिलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पीडाविनमुखऊपरजान रूपेमंडलजोप्रगटान देहसहतजासकोलहिये नामजंतुमणिताकोकहिये रक्तअवरकफतेंयहजानो आगेंमाषिकरूपवषानो ॥ अथजंतुमणिउपाय ॥

॥ तथातिलमहुके किछनीलिकाव्यंगकर्कसादिचिकित्सा ॥ चौपई ॥ प्रथमशास्त्रसोंतिन्हेउपारें अवरअग्निसोंतिंहकोंजारें तिलमहुकनकोकह्योउपाय किछउपायकहोंसमुझाय नाडिवेधपुनवुटणालावे लेपेमुखरुजकिछमिटावे ॥ पिटकालेप ॥ चौपई ॥ लोधरधनियांवरचमंगावै मुखपरयहसमलेपकरावै होइनवीनापिटकाकोनाश अवरलेपपुनकरोंप्रकाश ॥ अन्यच ॥

॥ चौपई ॥ स्वेतसर्षपासेंधालोधर वरचसभीसमपीसवरावर मुखलैपैपिटकानहिरहै असउपायताकोयोंकहैं पिटकावमनहोयपुननाश असउपायतसकोनिप्रकाश ॥ अन्यच ॥ गोरोचनसहमरचपिसावै लैपपिटकारोगनसावै ॥

॥ अथमाषिकालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ माषजुदाणोइवहोंइस्याह पिंडकामांसहोंहिलहुताइ स्थिरपीडाविनदेहमंझार मुहुकेनामसुकोनउचार ॥

॥ अथमाषिकाउपाय ॥

जंतुमणीविवकीनवषान माषिकरुजविधसोइप्रमान भिन्नभिन्नसोनाहिउचारी ग्रंथवृद्धिपुनदेषविचारा

॥ न्यछलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छोटोवडोकृष्णरंगसोई पीडाविनअंगनपरहोई ऐसोचिन्हलोकजोजानैं ताकोलस्सणनामवषाने ॥ न्यछउपाय ॥

चौपै युवानपिटकामोकहेउपाय न्यछरोगमोंकरेवनाय भिन्नभिन्नसोनाहिवषाने ग्रंथवृद्धिजिसतेंवहुमाने

॥ अथव्यंगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्रोधषेदकरकुत्तजुवाय पित्तयुक्तमुखप्रापतजोय पीडरहितमंडलवडसोय श्यामवरणउपजावतवोय छाईनामलोकतिसकहैं ऐसैलक्षणताकेलहैं ॥ व्यंगरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ अर्जनत्वचामंजठिसमान मधुरलायलेपैमतिवान व्यंगनामछाईमुखजोय यालेप नतेंहतहोइसोय ॥ अन्यचलेप ॥ चौपई ॥ स्वेतअश्वनखभस्मजुलीजै नवनीतमिलायलेपसो-कजै होवैरोगव्यंगकोनाश यहउपायलषलीजैतास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ रक्तचंदनकुठलेहुम सूर लोध्रप्रयंगुवटांकुरपूर अरुमंजीठसमलेपनकीजै मुखकांतिहोयछाईछीजै ॥ अन्यच ॥ ससारुधिरलेपमुखकरै व्यंगरोगतातेंपरिहरै ॥ अन्यच ॥ केवलमधूमंजीठलिपावै मुखतेंछाईरोगन सावै तिलनतैलमर्दनअभ्यास तौभीहोयव्यंगरुजनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विजोराजढगो वररसआन अवरशिलाजितपीसमिलान घृतरलायकरलेपैसोय व्यंगजायकांतीमुखहोय पिटकाअ वरश्यामतानाशै जायनीलिकादुतिपरकाशै ॥

॥ अथनीलिकालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोयहव्यंगनीलरंगहोय नामनीलिकाकहियेसोय॰

॥ अथनीलकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वेरगिरीगुडमधुकेसंग नवनीतमेलकरलेपअभंग अथवावरुणत्वचाकोल्याय अज मूत्रसोंपीसवनाय लेपनकरव्यंगनीलिकाजावे वंगसेंनमतयाहिसुनावे ॥ अन्यच ॥ जातीफलकोकल्क करीजै लेपैव्यंगनीलिकाछीजै जातीफलकटुतैलकेसंग लेपैरक्तपित्तहोयभंग॰

॥ अथश्यामतिललक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ श्यामतिलोंइवहोवेंसोऊ वातपित्तकफतेंलखवोऊ तिलनामासभतिन्हकोगावें ऐसेंवै द्यकग्रंथवतावे पीडाविनहोयदेहसमान तिलकालिकअसलक्षणजान॰

॥ अथश्यामतिलउपाय ॥

॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ कुवलयदलसरपुंपउशीर चंदनदधिसमपीसोधीर मुखपरलेपनकरैवनाय तिलपिटकामुखकालकजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अर्कदुग्धरजनीसंगपीस मर्दनकरलेपैदुखषीस मुखकालकचिरकीमिटजाय ऐसेंताकोकह्योउपाय ॥ अन्यच ॥ गोवररसघृतमनछलआन विजोरारस-समलेपनठान तिलश्यामतावदनकीनाशै मुखकीसुंदरकांतिप्रकाशै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पीतचंदन-वटपत्रमंगावे पत्रमालतीसंगपिसावे रक्तचंदनकुठलोध्रपिसाय लेपैकिछश्यामताजाय तिलकेव्यंगहों-

लहिसभदूर मुखइवकमलहोयदुतिभूर ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ यवउशीरलेचंदनमुलठ लोध्रसरजरसकरोइ कठ पीसताहिघृतगुडजुमिलावै पुनगोमूत्रमिलायपकावै ताकोमर्दनकीजैजोय नीलकाव्यंगदूषिकाषोय मुखलावैमुखकमलसमान वंगसेनमतकीनवषान ॥ अन्यच ॥ कालीयकवटरजनीदोय तिंदुककुठपल-क्षसंजोय मुलठीचंदनरक्तामिलाय प्रपुंडरीकपद्मसमभाय कुंकुमअरुमंजीठसमआन अरुकपित्थदल-तामोठान यहसमपीसेदुग्धालिपाय अथवाइन्हसोंतैलपकाय मर्दनकरैश्यामतानाशै तिलकेव्यंगदूषता-नाशै मुखकीकांतिचंद्रसमहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अथमंजिष्ठादितैल ॥ चौपई ॥ मंजिष्ठा-केसरवचलोधर लाक्ष्याचंदनवकमसंगधर सरपंषमुलठीगेरीजान प्रपुंडरीकशिलाजितमान करपासबी-जागिरिताहिरलाय दोकर्षकर्षयहउौषदपाय कुडवएकतिंहतैलमिलावै चारकुडवअजापयपावै मंदअग्निसोंताहिपकाय तलेउतारमधुकर्षदोपाय सप्तरात्रिमुखलेपैतास पिटकातिलकेव्यंगविनाश कालकमुखकोहोवैनाश मुखकीकांतिचंद्रसमभास पद्मनिकंटकदूरनिवारै रोगजंतुमणिकोंयहटारै ॥ अथकनकतैल ॥ चौपई ॥ कुडवतैलमहुकाथमिलाय मंदअग्निसोंताहिपकाय उत्पलकेसरअवरमंजी ठ प्रयंगूचंदनसमलहुदीठ चूर्णयहमिलायजोलावै मुखकीकांतिस्वर्णइवथावै अभीरूव्यंगनीलिकानाशै असप्रकारयहतैलप्रकाशै

॥ अथप्रसुप्तलक्षणं ॥

चौपई वातहुतेंपितवृद्धजुथावै तनप्रापतहोइत्वचासुकावै पुनअंगनमोंसोजाकरै अल्पकंडुपांडूरंगधरै-

॥ अथप्रसुप्तचिकित्सा ॥

॥ अथकुंकुमादितैल ॥ चौपई ॥ कुंकुमदोनोंचंदनपाय उत्पललोध्रमंजीठरलाय दोइरजनीजुउशी रमुलठ सारवागेरीवकमजुकुठ पद्मकाष्टगोरोचनलीजै पीससभीतिसमाहिरलीजै प्रयंगूस्वर्णमषीग-जकेसर कालीयकसभकर्षकर्षधर प्रस्थतैलमोपायपकावै मर्दनकरैश्यामताजावै तिलकेपिटकाव्यंगवि-नाशै नीलीअरमुखदूषिकानाशै दुष्टछायीविवर्णतादूर कमलकेसरइवमुखदुतिभूर

॥ अथपरिवर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मर्दनपीडनअविघातनकर लिंगचर्ममोवातकरैघर फैलैवातालिंगमोंजवै ग्रंथीलिंगमणीतलतवै मांसग्रंथसोलटकणलागै पीडादाहततहांवहुजागै गांठसकंडूकठिनजोहोय तवकफतेंजानोतुमसोय

॥ अथपरिवर्तरोगाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ घृतलगायलिंगकोबांधै श्वेदउपजायवहुतविधिसांधै त्रयरात्रीवापांचपरयंत वातहरनकरऔषधतंत अरुसनिग्धपथ्यसोषावै वातजुहरनउपायालिपावै

॥ अथअवपाटिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वलातिकारकरकैनरजोई इस्त्रीवालारमैजुसोई अथवामर्दनपीडनकरै वावेग-५।तशुक्रनरधरै तिसकरलिंगचर्मफटजाय दुखपीडाउपजैअधिकाय वाततेंरूक्षजुअवरकठोर सूक्ष्मकृष्णरंगदुखघोर पित्तितेंरक्तपीतरंगजान दाहतृषातिसमोंअतिमान कफतेंकठिनस्निग्धहैजोय कंडूयुतअतिपीडाहोय

॥ अथअविपाटिकारोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ घृतहीपावैघृतकरैपान घृतकोमर्दनहैसुखदान अरुपुनश्वेदनहैहितकार तासाचि कित्साकीनउचार

॥ अथनिरुद्धप्रकाशलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ होयसकोपप्रगटैयववाय चर्मलिंगसंकोचकराय मूत्रमार्गतवहीरुकजावै वडेकष्टसोंमूत्रजुआवै मांसमूत्रद्वारेजोहोय सहितकष्टनरमूत्रेसोय

॥ अथनिरुद्धप्रकाशचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लोहेकीवाकाष्ठकीमान नलीघडावैपुरुषसुजान उभयमुखीसोनलीजुहोय सिसुमारवसासोंभरियेसोय वावराहचरवीसंगभरै सोनलीलिंगछिद्रमोंधरै ताकरछिद्ररोधमिटाजावै वहुघृतसोंतिहपथ्यपुलावै रोगीकोंतवसुखप्रगटात तासचिकित्सायहविख्यात ॥ अन्यच ॥ सीवनिछोडेवंधेतास क्षतजक्रयापुनकीजैजास वातघ्नवस्तुकोंपावैसोय दुखनाशैसुखप्रगटतहोय ॥ अन्यच ॥ देवदारुअरुगंधकलीजै वरचमेलकरतैलपकीजै ताहितैलकोलेपलगाय रोगनिरुद्ध-प्रकाशमिटाय

॥ अथनिरुद्धगुदलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ वेगरोकणेगुदामंझार वातास्थितहोइकरैविकार सोसिमटावतगुदकोद्वार होइविष्टासहकष्टअपार यहवहुदुस्तरजानोव्याध कहिनिदानयहमहाउपाध

॥ अथनिरुद्धगुदचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातहरनऔषधसंगतेल पकायलगायरोगिकोंठेल वानिरुद्धप्रकाशप्रकार करैनिरुद्धगुदरुजकोंटार

॥ अथअहिपूतनलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मूत्रपुरीषयुक्तअस्थान नहींधोवैनहींशौचविधान तहांरक्तअरुकफप्रगटावत अवैसपुरकस्फोटउपावत गलैतवैस्फोटनकीठौर वहुधायहवालनदुखघोर

॥ अथअहिपूतनरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ धात्रीजोवालककीहोय पिलावैदूधनिजस्तनधोय ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाषद-रलेयकरकाथ वालकव्रणधोवैतिससाथ तातैंरोगनिवारणहोय निश्चैकीजैमनमोंसोय ॥ अन्यच ॥ शंखसौवीरमुलठीआन यहसमपीसलेपसोंठान रक्तअधिकजोजानैजवै जलौकनरक्तनिकासैतवै ॥ अन्यच ॥ करंजूत्रिफलातिक्ताआन इन्हसमसोंघृतकैरपकान तिलघृतकोंजोमर्दनकरै रोगजायरोगीसुखधरै ॥ अन्यच ॥ काहीरोचनअरुहरताल नीलातुत्थरसोंतजुडार अंमलसंगलेप-जोकरै व्रणकंडूनाशैदुखटरै ॥ अथघृतपान ॥ चौपई ॥ पटोलपत्रअरुलेत्रिफलाय रसोंतस-हितघृतलेहुपकाय रोगीनितउठपीवैतास रोगजायतनसुखपरकाश

॥ अथवृषणकंडुलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोस्नानहीननरहोय तनमलदूरनकरहैजोय तिसकेवृषणोमोंमलहोय तिसकरकडूतिंहथलजोय कंडूतेंजुस्फोटप्रगटावै अवैंरक्तकफतैंलपपावै ॥

॥ अथवृषणकंडुरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वृषणजुकंडूहोवतजास अहिपूतनचिकित्साकीजेतास अरुकुष्टचिकित्साभाषीजौसी याहीकोपुनकीजैतैसी ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सरजकुठसेंधामगंवाय सर्षपस्वेतसभीसमपाय सूक्ष्मकरमर्दनकरतास रोगवृषणकंडूहोइनाश

॥ अथगुदभ्रंशलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ निरवाहीहोवेअतिसार वाहरनिकसेगुदाविचार जाविधजोदुर्वलनरहोय गुदाभ्रंशकाहियेलषसोय वातकोपतेंताकोजानो धातूक्षयतेंअवरपछानो वालनकोअरुसयकरहोय निश्चयजानोमनमोसोय

॥ अथगुदभ्रंशरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गुदाजासकीवाहिरआवै सनेहलेपकरभीतरपठावै भीतरप्रवेशकियेजवजानै एडीपगसोंरोकनठानै अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कमलनीकेकोमलदलआन पोसशरकरातासमठान इसचूर्णकोंपावैजोय रुजगुदभ्रंशनासतवहोय दर्मन चौपै वसागौकीगुदामलावै याहियतनगुदभीतरजावै निश्चयकरलषयहउपदेश दुखनाशेगुदकरैप्रवेश ॥ अन्यच ॥ मूषिकवसाजुमर्दनकरै तौभीगुदप्रवेशहीधरै ॥ अन्यच ॥ मूषिकमांसगुदापरवांधे वस्त्रसेंनीकीविधसांधे भीतरहींगुदकरैप्रवेश निजमनधारोयहउपदेश ॥ अथतैलमूषिक चौपै ॥ मूषिकमांसकुडवइकआन चित्रापलइकतामोठान दशमूलमिलावोपलजोपांच पलजुभिलावैजानोसांच त्रिफलाडालोपलजोतीन प्रस्थतैलतिहपायप्रवीन मंदअग्निसोंताहिपकाय तैलमलैगुदाभीतरजाय गुदाशूलदुष्टव्रणनाश अत्रिऋषीयहकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मूषिकमांसजुशतपलआन द्रोणपायजलताहिपकान पादशेषसमतैलमिलाय दुग्धचतुर्गुणतामोपाय मूषिकशिरकोकल्कजुलीजै आनतैलमोंपूरणकीजै मंदअग्निसोंतासपकावै ताहिपकायगुदामलवावै गुदाभ्रंशशूलहोइनाश ऐसेंलषोचिकित्सातास

॥ अथशूकरदंष्टरलक्षणरम् ॥

॥ चौपई ॥ पाकत्वचाहोयरक्तपर्यंत ज्वरपीडाहोइलहोवृतंत कंडूदाहहोतपुनताहि मंदहोतताकीसभचाहि शूकरदंष्टररोगयहजान्यो इंहविधिक्षुद्ररोगप्रगठान्यो

॥ अथशूकरदंष्टररोगचिकित्सा॥

॥ अथलेप ॥ सरषपरजनीतालकोमूल यहपीसैसभलेसमतूल लेपकीजियेयाकोंतास शूकरदंष्टरहोइहैनाश ॥ अन्यच ॥ भंगरामूलरजनीसमठान लेपकैरेहोइसोरुजहान ॥ अन्यच ॥ कमलमूलकोचूर्णकीजै गोघृतसोंउठप्रातहिपीजै शूकरदंष्टररोगनसाय वंगसेंनमतदियोवताय ॥ अन्यच ॥ भंगरामूलहलदीसमभाय सीतलजलसेंपसिवनाय लेपेशूकरदंष्टरविनास वंगसेंनमतकीनप्रकास ॥ अन्यच ॥
॥ अश्वत्थजटाराविवारसगावे जलअश्वत्थकेसंगापिसावे लेपेशूकरदंष्टरजाय जैसेंगजगणसिंहनसाय

॥ अन्यच ॥ सरीषत्वचालेमूलीवीज सूर्यावर्त्तधतूरदलदीज ब्राह्मीरससोंतैलपकाय मर्देशूकरदंष्टरजाय कंडूकुष्टदूरतेंनासे कलूदद्रूवअरविनासे वलअरुवरणकरेअतिभाय कृष्णात्रयऋषिदियोवताय विसरपी- कीजुचिकित्साजेती शूकरदंष्टरकीलपतेती ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साक्षुद्रकीभिन्नाभिन्नपरकार जैसेंहेवंगसेनमेंतिसंकरीउचार ॥ इतिक्षुद्ररोगचिकित्सा ॥ दोहा ॥ चौतालीसप्रकारकोक्षुद्ररोगयोगान इन्हकोंसमुझैवैद्यजोताकोबुद्धिमहान ॥ इतिक्षुद्ररोगनिदानसमाप्तम्

॥ अथक्षुद्ररोगेपथ्यापथ्यआधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ क्षुद्ररोगेकेपथअपथहैंत्रिदोषअनुसार जैसोदोषबलपैप्रवलतैसोकरैविचार दोहा क्षुद्ररोगवरननकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिश्रीवंगसेनेक्षुद्ररोसगमाप्तं

॥ अथक्षुद्ररोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपै ॥ मात्रागामीनरहैजोय ताहिक्षुद्रनिश्चैकरहोय अतिकरनरकजोनिमोपरै प्रायश्चित्तसोपापीकरै उपाय ॥ वीसनिष्कसुवर्णपरिमान ताकीमूरतकुवेरकीठान कालेवस्त्रताहिंअगधरै यहविधमनमोनिश्चयकरै उत्तरदिसामुखकलसवैठाइ मंत्रकुवेरसोंयज्ञकराइ पूजनकरैब्राह्मणहिमनावै क्षुद्ररोगऐसेंनरहावै ॥ इतिकर्मविपाकः ॥

॥ अथज्योतिष ॥

॥ दोहरा ॥ सूर्य्यजुहोवेशनीघरतिहपरमंगलदृष्ट शत्रुभावकोरूपहोयतीनोमाहिसुइष्ट तिहउपायप्राणीकरैतीनोग्रहइहभांत जपपूजाअर्चासहितक्षुद्ररोगहोइशांत॥ इतिज्योतिष ॥

॥ अथान्यप्रकारकथनं रोगछाई

॥ चौपई ॥ छाईरोगवीचमुखहोई कलफनाममतफारससोई रुधिरविगाडदोषअघटावे टुडीतलेरुधिरनिकसावे पाछेरेचनऔषधदीजें औरयतनविधिकागेंकीजें पेठापुष्पमंगावेकोई खरगोसदूधसंगपीसोसोई करेलेपछाईहटजावै बाकुर्कटकारुधिरलगावै गिरीहिनकूनमंगावेकोई केशरजलसंगपीसोसोई मलेखूपकरलेपचढावे छाईरोगसीघ्रहटजावे गंधकसज्जीहलदील्यावेसुहागावीजपवातरपावे मखीरवरावरसभकेहोई गोमूत्तरमेसेडोसोई प्रभातरगडकरलेपचढावे छाईरोगशीघ्रहटजावे दुधलभत्तलवूटील्यावे कांजीपायपीसकरलावे निश्चैसत्यप्रतिज्ञाहोई छाईरोगदूरकरसोई ईसवंदमहदीमंगवावे सीसालूणताहिसंगपावे तीनोसतसतमासेहोई औरऔषधीमेलोसोई जंगहरीडमुसबरल्यावे अजरूतताहीसंगपावे तोलाडूडडूडसमहोई पीसनीरसंगराखोसोई मासेसातनिताप्रतिपावे छाईरोगसीघ्रहटजावे मूलीवीजकलौंजील्यावे दारुहर्दलूनमिलावे वकरेकापित्तासंगपावे मलेखूपछाईहटजावे एरणकाष्टमंगावेकोई जालभस्मकरलेपोसोई नारीगर्भवतीजोजांनो ताकोयतनप्रातननहिमानो रोगसिंम ॥ चौपै सिंमरोगदेहीपरहोई वैहकनामफारसीसोई दोइभेदकारोगकहावे कालारंगश्वेतलखपावे स्यांमयतनऐसामनभावे अकहलरगकारुधिरछुडावे पाछेरेचकऔषधहोई वातदोषहटजावेसोई श्वेतरंगसोकफप्रघटावे कफहरऔषधताहिसुखावे रुधिरछुडावनताकोनाही ऐसेंकहाग्रंथमतमाही पित्तजऔषधसोनहिभावे फुलवहरीयतनकरेसुखपावे साध्यसतारांवर्षवखांनो ऊपरहोएअसाध्यपछांनो

लक्षणदेखयतनमनभावे सूईलेकरताहिचुभावे रुधिरचलेतवऐसाकीजें दिवसतींनलगपाचनदीजें सुंठीधनित्र्यांताहिखलावे करेलेपदुखदूरहटावे संखित्र्यालेनिंबूरसपाय करेखलेफुनिलेपचढाय पारातोलाडूडमंगावे गंधकत्रैतोलेसंगपावे धतूरेकारसतासंगहोई कजलीकरमर्दनकरसोई पलासभस्मचूनामंगवावे गोमूत्रमेलकरसोगडकावे सघनहोएलेपकरसोई सुकावेधूपवैठकरकोई दोइपहरकेपाछेभावे गोघृतमलकरस्नानकरावे वातजासिंमकृष्णहैसोई रुधिरछुडायसीघ्रसुखहोई लूंवडीकाफुनिमांसखुलावे कुष्टहरनकीत्र्प्रौषधभावे त्र्प्रादिकारणकुष्टकाजांनो सीघ्रजतनकरदूरपछांनो भलाविरगडनीरसंगलावे सिंमदूरकरसुखउपजावे छाईसिंमएकसमहोई भेदहोएत्र्प्रागेसुनसोई कालीसिंमखाजप्रघटावे छाईवीचखाजनहित्र्प्रावे

॥ रोगमौके ॥

॥ चौपई ॥ मौकेरोगदेहपरहोई सौलूलसिंमसःनामासोई दोइभेदकारोगपछांनो कोमलत्र्प्ररुकरडाकरजांनो लेसदारकफगाढाहोई वातदोषवसवरतीसोई चित्तशक्तिवलहीनदिखावे तौकफतुचावीचनिकसावे रोमद्वारकरवाहिरसोई मौकेरोगताहिकरहोई त्र्प्रादयतनकररुधिरछुडावे पाछेरेचकऔषधखावे जुसांदाकासवेलकादीजें वातदोषसभवाहिरकीजें त्रिवीहरीडखंडसंगपावे सीघ्रक्वाथकरताहिपिलावे करेयतनहटजावेसोई नातरसकलदेहपरहोई छाछीगंधकसोमंगवावे तासमवीचवावचीपावे गोमूत्रमिलायपीसकरसोई दिवससातलगराखेकोई तौफुनिलेपकरैसुखपावे वैठधूपमेताहिसुकावे नीलाथोथारतकमंगाय गोमूत्रमिलायपीसकरलाय खुष्कहोएघृतमर्दनकरिए मौकेरोगताहिछिनहरिए वीजधतूरेकेमंगवावे चंचरवीजताहिसंगपावे वीजलालमरुएकेहोई गोमूत्रमिलायपीसिएसोई कोलालेमौकेरगडावे करेलेपदुखदूरहटावे हरतालत्र्प्रौरसज्जीमंगवाय चूनेकाजलवीचरलाय रगडलेपगाढाकरसोई जढसमेतदुखवाहिरहोई ॥

॥ रोगतिल ॥

॥ चौपई ॥ तिलसमानज्येविंदूहोई वर्ज्ञनमझमतफारससोई सूखमलालरंगप्रघटावे ऊपरतुचाविंदुवतभावे छाईरोगपरत्र्प्रौषधहोई करेसीघ्रहटजावेसोई

॥ रोगजक्ष्म ॥

॥ चौपई ॥ यक्ष्मनाममतहिंदीहोइ जराहतनामफारसीसोई छेईभेदत्र्प्रागेप्रघटावे प्रथमशस्त्रकरयक्ष्मदिखावे दूसरत्र्प्रंगटूटकरहोई तीसरयक्ष्मचोटकरसोई चौथात्र्प्रस्थिमांसकरमांनो पंचममांसतुचातेंजांनो छेमांयक्ष्मत्र्प्रागकरहोई छेईभेददुखदायकसोई यक्ष्महोएतवऐसाकीजे पटेत्र्प्राईकवहुंनताकोदीजें यक्ष्महोएतवऐसाभावे शीघ्रतिलोंकातेलगावे जेकरयक्ष्मपुरातनहोई भीतरहोगलजावेसोई जवतकयक्ष्महृदेनहित्र्प्रावे तवतकयतनकरेसुखपावे निंवसीजढजलपायघसाय त्र्प्रासपासपरलेपचढाय ताकरयक्ष्मसंकोचनहोई मिलेयक्ष्महटजावैसोई कीकरननामकाष्टइककहिए सोमूसिकासोटालहिऐ रगडनीरसंगऊपरलावे तींनघडीतकयक्ष्महटावे मांसवीचतीररहजावे ताहूकेहितयतनवनावे शिरमछीझींगेकाहोई पीस्यक्ष्मपरवांधिकोई फसातीरसोवाहिरत्र्प्रावे शीघ्रयतनकरखेदहटावे कुकडवाखरगोशजोहोई त्र्प्रथवाचिडामारकरसोई दोटुगडेकरताहिवंधावे फसीचीजसो-

वाहिरआवे सातवारविधऐसीकरिए होवेसुखदुखपीडाहरिए जीराश्वेतभुंनकरलीजे सीसालूणताहिसंग-
कीजें खीराअथवातरजोहोई मलेताहुपरखावेसोई फसीचीजसोवाहिरआवे यक्ष्मदूरपीडाहटजावे
कटोराजलपेंठेकालीजें त्रैमासेजौखारसंगदीजें रुधिरपेटकावाहिरआवे आगेयतनऔरमनभावे काग-
पंखलेभस्मवनावे ऊपरयक्ष्मवुहारापावे वाकुत्तेकीजीभजोहोई ताकीभस्मवनावेकोई ऊपरयक्ष्मवुहा-
रापावे पुरातनकरडायक्ष्महटावे

॥ रोगपादमरोड॥

॥ चौपई ॥ पादमोचपीडाजोहोइ शीरीयःनामफारसीसोई पैरतिलकउलटापडजावे मरोडसो-
जपीडाप्रघटावे ताहियतनऐसाहितमांनो रुधिरछुडायशीघ्रसुखजानो नस्तरअथवाजोंकलगावे तात-
कालदुखदूरहटावे जेकरपीडपुरातनहोई यतनऔरविधकरिएसोई गज्जप्रमांनजमींनखुदावे अग्नीता-
केवीचजगावे तप्तहोएतवऐसाकीजें अग्निदूरजलछाट्टादीजें आकपत्रनीचेधरसोई वीचपैरधरपरसा-
होई कपडाऊपरपादवंधावे गोंडेतकपैरताहुमेपावे तींनवारविधऐसीकरिए रुधिरदोषहरपीडाहरिए
त्रिफलाजलअथवाजललीजें वस्त्रभिगोयपैरपरदीजें दिवसतींनलगराखेकोई दिनचौथेविधऐसीहोई
हलदीसीसालूणापिसावे गोघृतमेललेपकरवावे पादमोचदुखदूरहटाय निश्चयतनकरेसुखपाय और-
यतनइकऐसाहोई मलेशीघ्रगावघृतकोई तौफुनिहलदीहालमल्यावे पीसनीरसंगलेपचढावे सायंका-
लसमाजवआवे आकदूधतवलेपचढावे अथवादूधथोरकाहोई करेलेपदुखनासेंसोई मैनफलसिकी-
पायपिसावे करेगर्मफुनिलेपचढावे ऊपरवस्त्रवंधावेकोइ पीडादूरशीघ्रसुखहोई मुसबरमूत्रपायवंधवावे
पीडादूरशीघ्रसुखपावे जेकरकठिनचोटतनलागे पीडाकिसीअंगपरजागे हलदीषडिआमिट्टील्यावे
चंदनलालनीरसंगपावे पीसलेपपीडापरकीजें पीडादूरशीघ्रसुखलीजें कुआरकंदकेपत्रमंगावे वीच-
अगनधरताहिपकावे सज्जीहर्दललूणपिसाय गर्मपत्रकेऊपरपाय गर्मागर्मवांधिएसोई पीडादूरसहज-
सुखहोई जेकरअस्थीसोटुटजावे अथवाछिकदेहपरभावे दिवससातलगऐसाकीजें पाषानमुमेआई-
ताकोदीजें पक्वाइट्टपीसकरल्यावे चाउलदूधकेवीचपकावे खावेअस्थीदृढवतमांनो पीडासकलदूर-
पहचांनो लागेचोटपीडअतिहोई तापररुधिरछुडावेसोई सर्षपकुठलूणमंगवावे रोहीवूटीतासंगपावे
कालीमिटीतासंगहोई पीसनीरसंगवांधेसोई भस्मलूणवागर्मकरावे ऊपरसेकताहुपरलावे
तप्ततैलघृतनीरजोहोई ताकेसंगजलेजोकोई अथवाअग्निसंगजलजावे ताहूकहितयतनवनावे
एरनपत्रनीरनिकसाय शीघ्रलेपकरपीडहटाय चिटेआईकुकडांडकीलावे करेलेपदुखदूरहटावे
मानुषरुधिरपच्छकरलीजें अंगजलेपरलेपनकीजें संगवसरीजलपायघसावे ऊपरलेपक
रेसुखपावे यक्ष्महोयपाकपडजावे गोघृततैलमेलकरलावे अनारफलहूंकाछिलकाल्यावे
विजोरामाजूसंगरलावे कागजभस्मताहिसंगहोई अलसीतैलवीचसमसोई मलदनकरे-
शीघ्रसुखपावे निश्चेजलनपीडहटजावे छिलकाविल्वबृक्षकालीजें पीसनीरसंगमर्दनकीजें
जामनपत्रनारकेल्यावे पीसनीरसंगलेपचढावे अतिफटाकऊपरपडजावे सरेरोगकारुधिरछुडावे
अंमलतासलैरेचकदीजें पूरवयतनलिखासोकीजें दाघस्वेतवाकीरहजावे ताहूकेहितयतनव-
नावे त्रिफलागिटकानिकालेकोई कांजीरसभांगुरेकाहोई कांसपात्रमेंसोगडकावे मलेदाघसभ-
दूरहटावे किछ्छदेहपरनिकसतसोई जुवाअवस्थामेंअतिहोई रगसाफनकारुधिरछुडावे पिंनीऊ-

घरपछकरावे अरजीजसुपेदासोमंगवावे मुरदासंगताहुमेपावे कागजभस्मभागसमहोई सिर्केसं-गलेपकरसोई सरीहबृक्षकाछिलकाल्यावे मुलठीनिंवपत्रसंगपावे पीसनीरसंगलेपेकोई किल्लदू-रसहजेसुखहोई अकरकराहलदीमंगवावे खरबूजाकौडामेलसुकावे पीसनीरसंगमर्दनहोई मुरद-केकीलदूरकरसोई आमलेतोलेढाईमंगावे एकसेरजलतामोपावे राताभिगोयप्रातमललीजें खंड-तोलेढाईसंगकीजें पीवेदोषदूरहटजावे नातरअकहलरुधिरछुडावे तापरेचकऔषधदीजें आगेऔरभेदसुनलीजें जेकरकफजदोषप्रघटावे सायंकालसमेवलपावे रेवतरंगकेकीलपछांनो कफहरऔषधरेचकमांनो त्रिकुटामासेसातमंगावे दसमासेमधूमेलकरखावे ॥ इतिश्रीचिकित्सा-संग्रहे श्रीरणवीरप्रकासभाषायांक्षुद्ररोगाऽधिकारकथनंनामचतुःपंचासत्तमोऽधिकारः ॥ ५४ ॥

॥ अथशिलीपदरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ श्लीपदरोगवषानहोंजिसैंकह्योनिदान ताकेलक्षणसमुझकेकरोउपायसुजान ॥ चौपै ॥ ज्वरअरुपीडासंयुतजेऊ वक्षणउरुसंधनमैंतेऊ क्रमकरसोजापादनठोर गमनकरैनिशदिनअरुभोर रोगसुश्लीपदताहिवषानै वैद्यकशास्त्रनमांहिप्रमानै कोइइकवैद्यइंहभांतवतावै हस्तकर्णचक्षुओष्टलषावै नासालिंगजुइंहअस्थान शोथहोयहैलषोसुजान सोऊश्लीपदतीनप्रकार वातजपित्तजकफजनिहार

॥ अथश्लीपदरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ श्लीपदरुजजेऊकहाचिकित्साकरोंवषान समुझलीजियेचित्तमोंसुनहोपुरुषसुजान चौपै श्लीपदरोगजाहिप्रगटावै तासचिकित्साऐसैंगावै लंघनरेचनलेपनजानो स्वेदरक्तमोक्षणपहिचानो कफहरउष्णऔषदीजेऊ श्लीपदरुजपरहितकरतेऊ

॥ अथवातजश्लीपदलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ विनानिमित्तजोपीडविचार ज्वरहोवेतिसवारंवार शोथस्फुटनपीडयुतहोई कृष्णवरणरूषोपुनसोई अरुहोवैसोज्वरकेसंग वातजलक्षणलषोअभंग

॥ अथवातजश्लीपदउपाय ॥

॥ चौपै ॥ स्नेहस्वेदउपनाहपछानो चतुरंगुलगुल्फकेऊपरजानो नाडीविधकरैसोस्थान श्लीपदवातजमोंहितजान अन्यच एरंडतैलगोमूत्रमिलाय एकमासलगनित्यपिलाय वातजरोगजुश्लीपदजावैयहअपनेमनानिश्चयल्यावै अन्यउपाय चौपै कासमर्दवृक्षजढआन तिंहसुकायकरचूर्णठान गोकेघृतसोंपीवैतास होवैवातजश्लीपदनाश सुंठदुग्धसोपथ्यजुदीजै वातजरोगसुश्लीपदछीजै

॥ अथपित्तजश्लीपदशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ पीतवरणयोंशोथलहीजै सहितदाहज्वरमृदुलभनीजै पित्तजताहीश्लीपदजान ऐसैंशास्त्रनकह्योवषान

॥ अथपित्तजश्लीपदरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ पित्तजश्लीपदजाहिलषावै तासउपायसुनोयोंगावै देवेदाघजुअग्नीसंग श्लीपदपित्तजहोवेभंग अंगूठकेऊपरनाडीकहिए रुधिरछुडावनतातेंलहिए लेपन मंजीठमुलठीरासनाआन अहिस्त्रापुनर्ननवाकरोमिलान कांजीसाथसुलेपलगावै पित्तजरोगश्लीपदजावै अन्यच उपाय गुल्फनाडिकोंविधजुकीजै रुधमोक्षइहविधिसुनलीजै अरुऔषदपितहरकोंसेवै पित्तजश्लीपदनाशलषेवै

॥ अथकफजश्लीपदशोथलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ शोथसनिग्धस्वेतरंगहोय भारीअरुइस्थिरहोइसोय पांडुवरणजुन्यायप्रकाशै कफजश्लीपदऐसैंभासै

॥ अथकफजश्लीपदरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ श्लीपदकफजजासतनलहिये तासचिकित्साऐसेकहिये पादांगुष्टनाडिकोंवेध रक्तनिकासोजानोभेद तातैंश्लीपदरोगविनाशै दुखजावैतनसखप्रकाशै चूर्ण हरडगूत्रसंगसोपीजै कफको